सोमवार

15 अप्रैल 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

तेजस्वी-राहुल बताएं अलग-अलग घोषणा पत्र क्यों जारी किये: चिराग 2

छठ पूजा

बिहार समेत देश के विभिन्न हिस्सों में चैती छठ पूजा के अवसर पर रविवार को व्रतियों ने भगवान भास्कर और छठी मईया को अपनी आस्था समर्पित की। बड़ी संख्या में व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर खुशहाल जीवन की कामना की। सोमवार को उदयगामी सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही महापर्व छठ का समापन होगा। इस अवसर पर छठ घाटों पर व्रतियों की भीड़ रही। पटना, औरंगाबाद, बक्सर, आरा समेत तमाम जिलों के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालु आस्था के साथ छठ पूजा करने पहुंचे। इस दौरान प्रशासन की टीम भी मुस्तैद नजर आयी।

राजनीति सरकार बनाने को नहीं, देश बनाने के लिए हो: राजनाथ

केटी न्यूज/जमुई

लोकसभा चुनाव को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बिहार के जमुई जिले में जनसभा को संबोधित किया। लोजपा (आर) प्रत्याशी अरुण भारती के लिए कृष्णा सिंह स्टेडियम में आयोजित इस सभा के दौरान उन्होंने कहा कि राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि देश को बनाने के लिए की जानी चाहिए। कहा कि मैं कभी-कभी सोचता हूं कि लालू यादव को क्या हो गया है? उनके परिवार के लोग क्या बोल रहे हैं? सरकार बनते ही पीएम मोदी को जेल में डाल देंगे? जो लोग खुद ही जेल में हों, कोई बेल पर हों वो मोदी जी को जेल भेजेंगे? इस तरह की बातें करने वालों को जनता अस्वीकार कर देगी। कहा, कि आप नवरात्रि के पर्व पर मछली खाते हैं, आप इससे क्या संदेश देना चाहते हैं?

आपको कुछ भी खाना हो, खाएं लेकिन दिखाने की जरूरत क्या है? मैं लालू यादव से कहूंगा कि ऐसे लोगों को संभालिए। ऐसा लगता है कि ये 'राजनीति' शब्द अपना अर्थ भी खो बैठा है और अपना भाव भी खो बैठा है। ये कहते हैं कि हम बड़े पिछड़ों के पक्षधर हैं? सच्चाई ये है कि ये पिछड़ों के दुश्मन हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रामराज का युग शुरू हो चुका है राम लाल आज अपने घर में विराजमान हैं। कहा कि हम मुस्लिम विरोधी नहीं हैं। कहा, हमने एक बार में ही तीन तलाक खत्म कर दिए। मैं मुसलमान भाइयों को यह बताना चाहता हूं कि हमने कभी धर्म और जाति की राजनीति नहीं की है। राजनाथ सिंह ने कहा कि दुनिया में भारत को कमजोर देश के तौर पर देखा जाता रहा था परंतु आज भारत विश्व में एक शक्तिशाली देश बनकर उभरा है। मैं रक्षा मंत्री होने के नाते यह बात कहता हूं कि भारत अब कमजोर देश नहीं है। अगर हमें कोई आंख दिखाएगा तो उसे करारा जवाब देने के लिए हम तैयार हैं। बात ही बात में भारत पाकिस्तान को अब देने के लिए तैयार है कहां की सीमा के इस पार से भी मार कर सकते हैं जरूरत पड़ी तो दूसरे देश की सीमा रेख के उस पार जाकर भी मार सकते हैं।

राजनाथ सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अभी से दुनिया भर में आमंत्रण आने लगा है। देश-विदेश के लोग समझ गए हैं कि तीसरी बार भी सरकार बनेगी वह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे।

भाजपा ने जारी किया अपना घोषणा पत्र, किया वादा

70 साल से ऊपर के हर बुजुर्गों का होगा 5 लाख तक का मुफ्त इलाज

- ♦ मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 साल तक जारी रहेगी
- ♦ भाजपा ने देश में 3 करोड़ घर और बनाने का लिया संकल्प
- ♦ मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का वादा

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। भाजपा अपने चुनाव घोषणा पत्र को संकल्प पत्र के नाम से जारी करती है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ-साथ भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, चुनाव घोषणा पत्र समिति के अध्यक्ष एवं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह समेत कई अन्य दिग्गज नेता भी इस दौरान मौजूद रहे। इस घोषणा पत्र में बीजेपी 'ज्ञान' यानी गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी शक्ति पर फोकस किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भाजपा सरकार ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। अब जो अतिरिक्त जानकारियां राज्य सरकारों से मिल रही हैं, उन परिवारों की भी चिंता करते हुए हम 3 करोड़ घर और बनाने का संकल्प लेते हुए आगे बढ़ेंगे। अभी तक हमने सस्ते सिलेंडर घर-घर पहुंचाए हैं, अब हम पाइप से सस्ती रसोई गैस घर-घर पहुंचाने के लिए तेजी से काम करेंगे। आने वाले 5 वर्ष नारीशक्ति की नई भागीदारी के होंगे। मोदी ने कहा, अब भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। 70 साल से ऊपर का हर बुजुर्ग, चाहे वो गरीब हो, मध्यम वर्ग का हो या फिर उच्च मध्यम वर्ग से ही क्यों न हो, उन्हें 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा जिनको किसी ने नहीं पूछा, उनको मोदी पूजता है। यही सबका साथ, सबका विकास का भाव है और यही भाजपा के संकल्प पत्र की आत्मा है... भाजपा ने ट्रांसजेंडर साथियों को भी अब आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा का चुनावी घोषणा पत्र 'संकल्प पत्र' जारी होने पर कहा, बीते वर्षों में करोड़ों लोगों को उद्यमी बनाने का काम मुद्रा योजना ने किया है...इस सफलता को देखते हुए भाजपा ने एक और संकल्प लिया है। अब तक मुद्रा योजना के तहत लोन की सीमा 10 लाख रुपये हुआ करती थी। अब भाजपा ने इसे बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने का इरादा किया है। पीएम मोदी ने कहा, 'पूरे देश को भाजपा के संकल्प पत्र का बहुत इंतजार रहता है। इसका एक बड़ा कारण है। 10 वर्षों में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के हर बिंदु को गारंटी के रूप में जमीन पर उतारा है। भाजपा ने मेनिफेस्टो की सुचिता को फिर स्थापित किया है। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन की योजना आने वाले 5 साल तक जारी रहेगी। हम ये सुनिश्चित करेंगे कि गरीब के भोजन की थाली पोषणयुक्त हो।

संकल्प पत्र के ये हैं बड़े वादे

- ⇨ समान नागरिक आचार संहिता का वादा।
- ⇨ एक राष्ट्र, एक चुनाव का वादा।
- ⇨ अगले पांच साल तक राशन योजना जारी रहेगी।
- ⇨ 70 साल के ऊपर के सभी बुजुर्गों के लिए आयुष्मान योजना का लाभ देने का वादा।
- ⇨ हर घर को मुफ्त बिजली देने और बिजली बेचकर कमाई करने का अवसर देने का वादा।
- ⇨ मुद्रा योजना का लाभ 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये किए जाने का वादा।
- ⇨ ट्रांसजेंडर लोगों को भी मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ।
- ⇨ तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का वादा।
- ⇨ नमो ड्रोन योजना के अंतर्गत महिलाओं को ड्रोन दीदी बनाने का वादा।
- ⇨ सर्वाइकल कैंसर से मुक्ति के लिए अभियान।
- ⇨ कृषि-किसानों को मजबूत करने का वादा।
- ⇨ पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ 10 करोड़ किसानों को जारी रखने का वादा।
- ⇨ श्री अन्न सुपर फूड को आगे बढ़ाएंगे। दो करोड़ किसानों को विशेष लाभ होगा। तिलहन-दलहन उत्पादक किसानों को विशेष लाभ होगा।

देश में लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं पीएम मोदी: शरद पवार

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी सुप्रीमो शरद पवार ने पीएम मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोलापुर जिले के अकलुज में एक चुनावी बैठक करने गए शरद पवार ने कहा कि प्रधानमंत्री देश में लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं। इसके साथ ही दिग्गज एनसीपी नेता ने यह भी कहा कि वे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कोई अंतर नहीं पाते हैं। माधा और सोलापुर लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों पर चर्चा करने के लिए पूर्व उपमुख्यमंत्री विजयसिंह मोहिते पाटिल के आवास पर पहुंचे शरद पवार यही नहीं रुके। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि पीएम मोदी चाहते ही नहीं हैं कि विपक्ष से कोई निर्वाचित हो। उनका यह रुख दिखाता है कि उनमें और रूस के पुतिन में कोई अंतर नहीं है। जैसे पुतिन देश में कोई विपक्ष नहीं चाहते हैं वैसे ही यहां पीएम मोदी चाहते हैं।

शरद पवार ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद भी एक मौजूदा मुख्यमंत्री (अरविंद केजरीवाल) की गिरफ्तारी यही दिखाती है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को इस तरह गिरफ्तार करना साफ दिखाता है कि मोदी धीरे-धीरे संसदीय लोकतंत्र को नष्ट कर रहे हैं और देश निरंकुशता की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता पक्ष की तरह विपक्ष का भी उतना ही महत्व है। इस दौरान शरद पवार ने भाजपा के घोषणापत्र पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वादे करना भाजपा की खासियत है, लेकिन ये समय उनके घोषणापत्र पर टिप्पणी करने का नहीं हैं।

दुःखद... बालाजी मंदिर से दर्शन कर हिसार जा रहे कार सवार 7 लोगों की सड़क हादसे में मौत

सीकर जिले में दर्दनाक हादसा

एजेंसी/सीकर

राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में आशीर्वाद चौराहे के पास स्थित पुल पर रविवार दोपहर कार और ट्रक की टक्कर में कार सवार सात लोग जिंदा जल गए। कार में दो बच्चों और तीन महिलाओं सहित सात लोग सवार थे। ये सभी लोग सालासर बालाजी मंदिर से हिसार जा रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। सभी मरने वाले मेरठ निवासी हैं और पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल के रिश्तेदार हैं। बताया गया कि हादसे में पूर्व विधायक सत्यप्रकाश अग्रवाल के साले के बेटे हार्दिक, उनकी माता मंजू, पत्नी स्वाति और दो बेटियों की मौत हो गई। हार्दिक की मौसी नीलम और उनके बेटे आशुतोष की भी मौत हो गई है। परिवार के सभी सात सदस्य कार से दर्शन करने का रहे थे। मृतक ब्रह्मपुरी के शारदा रोड स्थित शिव शंकरपुरी कॉलोनी के रहने वाले हैं। सीकर जिले के फतेहपुर शेखावाटी में आशीर्वाद चौराहे के पास स्थित पुल पर रविवार दोपहर कार और ट्रक की टक्कर में कार सवार सात लोग जिंदा जल गए। कार में दो बच्चों और तीन महिलाओं सहित सात लोग सवार थे।

राजस्थान के कोटा शहर के एक हॉस्टल में लगी आग, 7 छात्र झुलसे

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर के कुन्हाड़ी इलाके में स्थित एक हॉस्टल में रविवार की सुबह अचानक भीषण आग लग गई। सूचना पर अग्निशमन विभाग की दमकलें व पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और हॉस्टल में रह रहे छात्रों को बाहर निकाला। आग इतनी तेजी से फैली कि हॉस्टल का सारा सामान जल गया। घटना में आग से झुलसे 7 छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया, जिनमें से तीन को अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अमृता दुहान भी मौके पर पहुंचीं और पूरे घटनाक्रम की जानकारी लेकर हॉस्टल के बच्चों को दूसरे हॉस्टल में शिफ्ट किया। शुरूआती जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार पुल पर कार अपने आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद कार में आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि कुछ ही देर में आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया और कार में सवार लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। कार सवार सभी लोग उत्तर प्रदेश के मेरठ के रहने वाले थे।

श्रीराम लला के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार वृहद स्तर पर होने जा रहा राम नवमी का पर्व

राम नवमी पर्व को लेकर अयोध्या धाम में सुरक्षा के कड़े प्रबंध

- ♦ श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ ही भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन तक पुलिस प्रशासन ने बनाई है योजना
- ♦ आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का अनुमान एवं आंकलन करने के लिए भी की जा रही है पुख्ता तैयारी

केटी न्यूज ब्यूरो/लखनऊ

500 वर्षों बाद अयोध्या में भगवान राम के नव विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है। इसके बाद यह पहला अवसर है जब अयोध्या में श्रीराम नवमी का पर्व मनाया जा रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से इसको धूमधाम से वृहद स्तर पर मनाने की तैयारी की गई है। माना जा रहा है कि लाखों लोग इस अवसर पर भगवान राम के दर्शन के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। ऐसे में बड़े पैमाने पर यहां सुरक्षा को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। इस महत्वपूर्ण पर्व को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ-साथ पुलिस प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन से लेकर दर्शन और श्रद्धालुओं की

संख्या का अनुमान एवं आंकलन करने के लिए भी योजना बनाई है। उल्लेखनीय है कि अयोध्या धाम में रामनवमी के उपलक्ष्य में 9 अप्रैल से रामनवमी मेला का शुभारंभ हो चुका है जो रामनवमी के दिन यानी 17 अप्रैल तक जारी रहने वाला है। यहां 25 लाख श्रद्धालुओं की संभावना है। संपूर्ण मेला क्षेत्र में 50 स्थानों पर पीए सिस्टम स्थापित किए गए हैं व विभिन्न स्थानों पर स्थापित 111 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यलो जोन कंट्रोल रूम से निरंतर निगरानी की जा रही है।

रामनवमी मेला : अयोध्या में एक्टिव हुआ कंट्रोल रूम

अयोध्या। रामनवमी मेले के लिए नया घाट पुलिस चौकी के पीछे कन्ट्रोल रूम पूर्ण रूप से स्थापित और सक्रिय हो गया है। यहां पर अधिकारियों की 24 घंटे ड्यूटी लगायी गयी है, जिसमें पुलिस विभाग और सिविल विभाग के अधिकारी/सहायक तैनात किये गये हैं। साथ ही साथ जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पूर्व में भी मजिस्ट्रेटों एवं पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जा चुकी है एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, विद्युत विभाग आदि विभाग के अधिकारियों द्वारा भी अपने अपने विभाग से संबंधित ड्यूटी लगायी गयी है। इसमें मंडलायुक्त एवं पुलिस महानिरीक्षक द्वारा बेहतर समन्वय से रामनवमी के पर्व को सम्पन्न कराने के लिए निर्देश दिये गये हैं। मेला नियंत्रण कक्ष के नम्बर 05278-232043, 232044, 232046, 232047, 9120989195, 9454402642 पर कोई भी व्यक्ति जानकारी का आदान प्रदान कर सकता है। इसके अलावा सम्बंधित अधिकारियों को अपने-अपने जोन/सेक्टर क्षेत्र का पूर्व में ही भ्रमण करके वस्तुस्थिति से अवगत होने तथा जोनल प्रभारी/सेक्टर प्रभारी आपस में सामंजस्य बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये गये हैं। घाट जोन, नागेश्वरनाथ जोन, हनुमानगढ़ी मंदिर जोन, कनक भवन मंदिर जोन, के लिए मजिस्ट्रेटों और अन्य अधिकारियों को रामनवमी के मद्देनजर पूरी तरह से अलर्ट रहने के निर्देश दिये गये हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों की तीन शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है।

सीसीटीवी कैमरों से होगी क्राउड मॉनिटरिंग: पुलिस प्रशासन की ओर से मेले के लिए पुलिस व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सिंचाई विभाग गेस्ट हाउस से नयाघाट पुलिस चौथी तक मेला नियंत्रण कक्ष बनाया गया है। श्रद्धालुओं के आने वाले मार्गों मुख्यतः साकेत पेट्रोल पंप से लता चौक होते हुए सरयू घाट से हनुमानगढ़ी एवं हनुमान गढ़ी से कनक भवन व रामलला मंदिर को विभिन्न जोन एवं सेक्टर में विभाजित कर पुलिस बल का व्यवस्थापन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सरयू नदी व राम की पैड़ी पर सुरक्षा के लिए जल पुलिस, विभिन्न मंदिरों व मेला क्षेत्र में पुलिस एवं पीएसी बल की व्यवस्था की जाएगी।

CMYK

लोकसभा चुनाव के समय में भी विपक्ष में नहीं दिख रही एकता

बोले चिराग पासवान... तेजस्वी-राहुल बताएं अलग-अलग घोषणा पत्र क्यों जारी किये

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को दिल्ली स्थित पार्टी दफ्तर में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा का मेनिफेस्टो जारी किया। इसे भाजपा का संकल्प-मोदी की गारंटी नाम दिया गया है। संकल्प पत्र की पहली कॉपी गुजरात, हरियाणा और छत्तीसगढ़ से आए तीन लोगों को दिया गया। ये वो लोग थें, जिन्हें मोदी सरकार की पिछली किसी न किसी योजना का फायदा मिला। वहीं, विपक्ष इस घोषणा पत्र को कोरा कागज बता रही है। जिसके बाद अब एनडीए में सहयोगी दल लोजपा (रामविलास) के हेड चिराग पासवान ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि पहले राजद और कांग्रेस यह बताएं कि उनको अलग -अलग घोषणा पत्र जारी करने की जरूरत क्यों पड़ा। भाजपा के संकल्प पत्र पर विपक्ष के विरोध का जवाब

देते हुए चिराग ने कहा कि, भैया पहले वह यह तय कर लें कि उनके यहां पीएम कौन होगा। उनके पास कितने राष्ट्रीय स्तर के पार्टी हैं यह भी बताना चाहिए। इन लोगों के पास देश भर में कितने विधायक हैं और कितने सांसद हैं इनकी जानकारी भी देनी चाहिए। यह लोग अलग-अलग घोषणा पत्र जारी कर रहे हैं तो जब इनमें खुद एकता नहीं है तो फिर आगे क्या उम्मीद की जा सकती है। इसके अलावा चिराग ने कहा कि मोदी की गारंटी से लोगों की उम्मीद बढ़ी है ऐसे में यह जो संकल्प पत्र जारी किया गया है इसको आने वाले 5 साल में पूरा किया जाएगा। यह काफी सही और उचित है। भाजपा के घोषणा पत्र में विकसित भारत की तस्वीर दिखाई गई है।इसमें युवा,महिला और बुजुर्ग वर्ग का भी ख्याल रखा गया है। मोदी की गारंटी को पूरा करने की गारंटी है।

भारतीय जनता पार्टी के मेनिफेस्टो में केवल इधर-उधर की बातेंः तेजस्वी यादव

पटना। भाजपा ने रविवार को अपना चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया। बीजेपी के इस घोषणा पत्र में देश की जनता के लिए मोदी की 14 गारंटी का जिक्र किया गया है। घोषणा पत्र जारी करने के बाद विपक्षी दल इसे बकवास करार दे रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी के घोषणा पत्र में किसी के लिए कुछ नहीं है। मेनिफेस्टों में सिर्फ इधर-उधर की बातें कही गई हैं। तेजस्वी ने कहा कि बीजेपी ने जो चुनावी घोषणा पत्र जारी किया है, उसमें युवाओं का कोई जिक्र नहीं है। देश में 60 फीसदी युवा हैं लेकिन उनके लिए बीजेपी के घोषणा पत्र में कुछ नहीं है। देश में 80 फीसद किसान हैं और किसानों के बारे में कोई जिक्र नहीं किया गया है। कितने लोगों को नौकरी देंगी, इसकी चर्चा नहीं की गई है। बिहार के साथ-साथ और भी जितने गरीब प्रदेश हैं, उनको आगे बढ़ाने के लिए कुछ नहीं है, केवल इधर-उधर की बातें कही गई हैं। हमारा मानना है कि उसमें बिहार के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी में बिहार के लिए कुछ भी नहीं है। न स्पेशल पैकेज का जिक्र किया गया और ना ही बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की बात कही गई। बिहार और उसकी तरह जो गरीब प्रदेश हैं बीजेपी उन्हें कैसे आगे बढ़ाएगी। किसान और युवाओं के लिए क्या करेंगे, इसका तो कई जिक्र ही नहीं किया गया है। महंगाई व गरीबी को कैसे खत्म करेंगे इसके बारे में भी कोई जिक्र उनके घोषणा पत्र में नहीं है।

जेल में सजा काट रही मुस्लिम महिला भी बनी व्रती, अर्घ्य देकर मना रही चैती छठ

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

देश भर में लोक आस्था का महा छठ पूजा बड़ी धूम धाम से मनाया जा रहा है और छठ पूजा करने वाले व्रती भगवान भास्कर और छठी मईया को अपनी अपनी आस्था समर्पित कर रहे हैं। और इसी क्रम में एक बेहद ही खूबसूरत तस्वीर अमर शहीद खुदी राम बोस केंद्रीय जेल से आई है जहां के 27 बंदी ने छठी मैया का व्रत को रख कर आज अर्ध दिया है। जेल प्रशासन के द्वारा जेल में बंद सजा काट रहे बंदिय के द्वारा भगवान सूर्य को समर्पित इस पर्व को करने के लिए विशेष रूप में इंतजाम किया गया है। इस दौरान में जेल में मौजूद तालाब को साफ सफाई करने के साथ रंग रोगन और विशेष सजावट किया गया था। जेल के अधीक्षक ने बताया कि इस बार जेल में मौजूद बंदी के द्वारा छठ पर्व करने की बात कही गई थी, जिसके बाद हमने इसके लिए पूजन से लेकर सभी सामग्रियों का प्रबंध कराया है। इसके साथ साथ ही प्रसाद, फूल और पूजन के लिए इस्तेमाल कपड़े और अन्य सामग्री का प्रबंध कराया गया है। इस बार जेल में कुल 27 बंदी चैती छठ को कर रहे हैं, जिसमें कुल 17 महिलाएं बंदी व्रती है 9 पुरुष बंदी और 1 मुस्लिम बंदी छठ कर रहा है। मुस्लिम बंदी मो सुलेमान ने भी छठ

व्रत किया है।और सभी बंदी विभिन अपराध में शामिल और अपनी सजा को काट रहे है। छठ महापर्व को लेकर हमने इनका पूरा ध्यान रखा है। लोक आस्था के महा पर्व छठ में महिलाओं के साथ-साथ पुरुष भी बढ़-चढ़कर व्रत रखते हैं। मुजफ्फरपुर जिले के सभी प्रमुख नदी घाटों के साथ अन्य घाटों पर प्रशासन के द्वारा साफ सफाई किए गए थे, फिर शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया। मुजफ्फरपुर के अखाड़ा घाट, आश्रम घाट सीढ़ी घाट चंदवारा घाट और सभी घाट पर आस्था का जनसैलाब देखने को मिला।

मुकेश को नहीं लगी भनक, नीतीश ने वीआईपी में लगा दी बड़ी सेंध

पटना। मुकेश सहनी के महागठबंधन में जाने का विरोध करते हुए वीआईपी के कई पदधारकों ने रविवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भेंटकर जदयू की सदस्यता ग्रहण की। निषाद समाज के कई अन्य नेताओं ने भी मुख्यमंत्री से भेंटकर उनकी नीतियों में आस्था व्यक्त की। इस मौके पर जदयू के राष्ट्रीय महासचिव व राज्यसभा सदस्य संजय झा तथा मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद जिन नेताओं ने वीआईपी की सदस्यता ग्रहण की उनमें प्रदेश महासचिव अमरेंद्र सिंह मुन्ना, वीआईपी के कटिहार जिला अध्यक्ष सुनील चौधरी निषाद, भागलपुर के जिला सचिव शिव सिंह निषाद, युवा वीआईपी के प्रदेश महासचिव शैलेंद्र सिंह निषाद, मछुआरा कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुंदर सहनी, मुजफ्फरपुर के कांग्रेस नेता प्रिंस कुमार चौधरी, वैशाली के राजद नेता गरीबन सहनी व निषाद समाज के 50 लोग शामिल थे। मुकेश सहनी की पार्टी अप्रैल के पहले हफ्ते में आधिकारिक रूप से महागठंबधन में शामिल हुई थी। तेजस्वी यादव की उपस्थिति में मुकेश सहनी ने महागठबंधन में शामिल होने की घोषणा की थी। तेजस्वी यादव ने राजद के हिस्से की तीन सीटें गोपालगंज, मोतिहारी और झंझारपुर सीटें दी हैं। महागठंबधन में शामिल होने से पहले मुकेश सहनी एनडीए के साथ भी संपर्क में थे। लेकिन सीटों की संख्या को बात नहीं बन पाई। अंततः सहनी ने महागठंबधन का दामन थाम लिया।

चार गोली मारकर 15 लाख कैश व बाइक लूटी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में एक सेल्समैन को चार गोलियां मारकर 15 लाख कैश और बाइक की लूट हुई है। दो बाइक से आए चार बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। सेल्स मैन कलेक्शन कर पूसा लौट रहे थे। अपराधी उनका पीछा कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार बदमाशों ने पीछे से धक्का मार दिया। जैसे ही वो गिरे उन्होंने मारपीट शुरू कर दी। फिर चार गोलियां मार कर बाइक और कलेक्शन के 15 लाख रुपए लूट लिए। घटना सकरा थाना क्षेत्र के मुरौल अस्पताल रोड की है। घायल को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

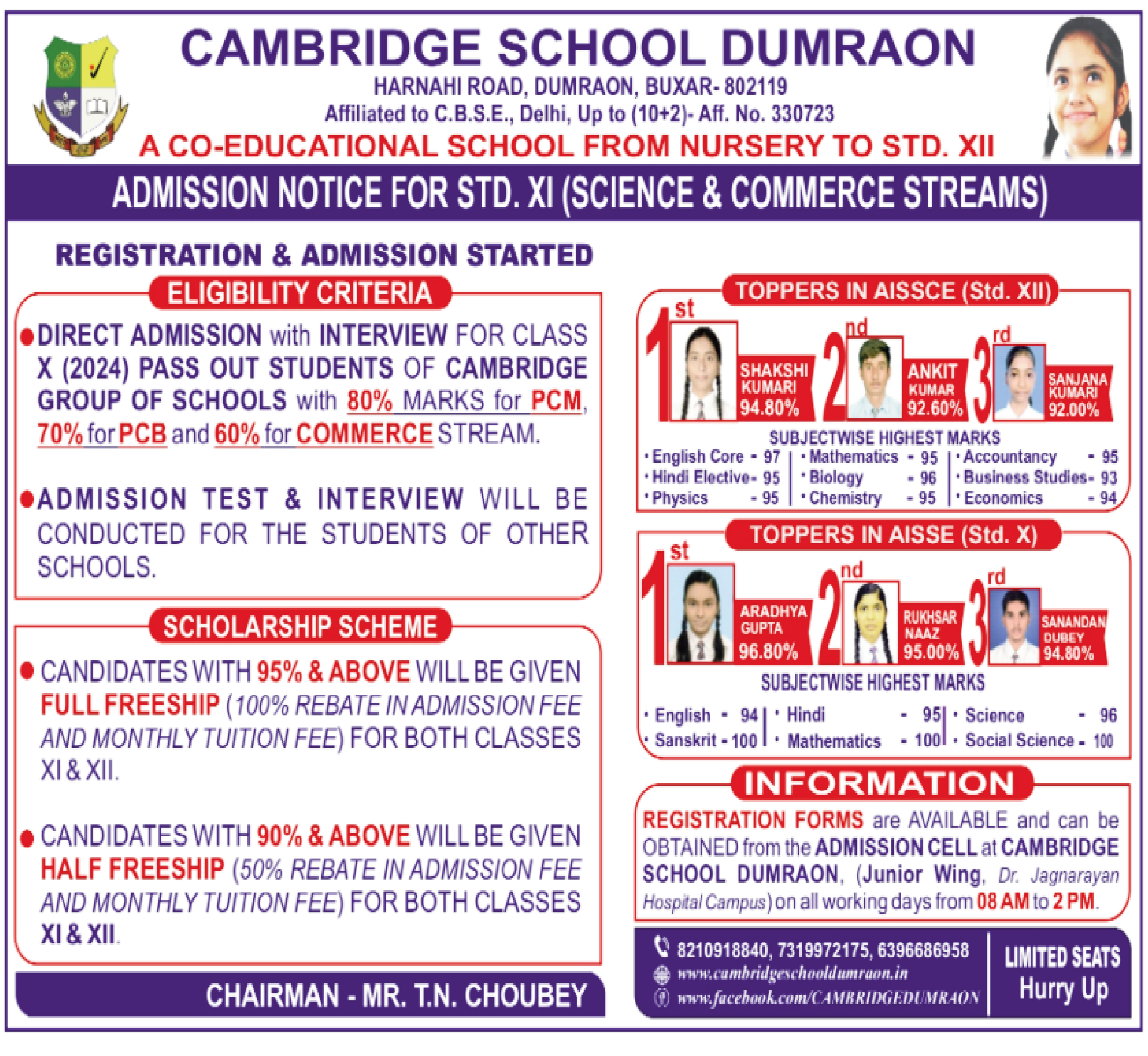

बढ़ी चिंता, लोकसभा चुनाव से पहले 520 लाइसेंसी हथियारों का नहीं हुआ सत्यापन

- स्क्रीनिंग समिति की बैठक में डीएम ने थानाध्यक्षों से मांगी रिपोर्ट

केटी न्यूज/बक्सर

लोकसभा चुनाव से पहले जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों के 520 लाइसेंसी हथियारों का सत्यापन नहीं हो सका है। हालांकि, जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए दो बार तिथि निर्धारित की गई थी। बावजूद अबतक 520 लाइसेंसधारी अपने आग्नेयास्त्रों का सत्यापन नहीं कराए है। जिससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है। इस संबंध में जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने जिला स्क्रीनिंग समिति की बैठक आयोजित की। यह बैठक समाहरणालय परिसर स्थित कार्यालय कक्ष में की गई थी। इसी बैठक में शस्त्र शाखा के प्रभारी पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कुल 520 असत्यापित शस्त्रों के अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा अपने शस्त्रों का अबतक सत्यापन नहीं कराया गया है और न ही अपने शस्त्र को थाना शस्त्रागार में जमा किया गया है। जो आयुध अधिनियम 1959 एवं आयुध नियमावली 2016 में वर्णत प्रावधानों तथा अनुज्ञप्ति की शर्तो का उल्लंघन है। डीएम ने इसे गंभीर मामला बताया है। उन्होंने तत्काल बिना सत्यापन वाले हथियारों को बरामद करने को कहा है तथा संबंधित थानों के थानाध्यक्षों से इस मामले में रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि लोकसभा आम निर्वाचन 2024 की घोषणा के पश्चात दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के तहत जिला दंडाधिकारी द्वारा निर्गत निषेधाज्ञा के अंतर्गत सभी प्रकार के शस्त्रों का जिला में आवागमन पर पूर्णतः रोक है।

30 अप्रैल तक जमा कराना है बिना सत्यापन वाले हथियारः लोक सभा आम निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न कराने के लिए उक्त व्यक्तियों के शस्त्रों को 30 अप्रैल 2024 तक संबंधित थाना या शस्त्रागार में शस्त्र जमा कराने का निर्देश दिया गया है। ऐसा नहीं करने पर उनकी शस्त्र अनुज्ञप्ति को रद्द करने के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत दंडात्मक कारवाई की जाएगी। जिला प्रशासन द्वारा इसकी सूचना दोनों अनुमंडलों के एसडीओ तथा डीएसपी के अलावे सभी थानाध्यक्षों एवं सभी अंचलाधिकारियों को दिया गया है। ताकि निर्वाचन से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य यथा निर्धारित चेक पोस्ट पर जांच से संबंधित किए जा रहे हैं कार्य के दौरान उक्त पर सख्ती से जांच हो सके। यदि जांच के दौरान ऐसे शस्त्र पाए जाते हैं तो उसे पर दंडात्मक कारवाई की जाएगी।

चुनाव से पहले जमा कराए जाएंगे लाइसेंसी हथियारः बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि बक्सर जिला में जितने भी अनुज्ञप्तिधारी है उनसे विधि व्यवस्था के संधारण के लिए स्वेच्छा से अपना शस्त्र संबंधित थाना में जमा करने हेतु अपील किया जाय। थानाध्यक्ष को निदेश दिया गया के जिस थाना में मालखाना नहीं है वे शस्त्रधारियों को नजदीक के थाने में शस्त्र जमा करने के लिए पर्ची देंगे ताकि शस्त्रधारी सुविधा पूर्वक अपना शस्त्र जमा कर सकें। बैठक में एसपी मनीष कुमार, पीजीआरओ संजय कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

युवक को हथियार के बल अगवा कर बंधक बना पीटा, चार पर एफआईआर

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के कठार गांव में नामजदों द्वारा एक युवक पर चोरी का आरोप लगा उसे हथियार के बलपर अगवा कर बंधक बना पिटाई किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बेहोशी की हालत में डायल 112 की टीम ने उसे उनके चंगुल से छुड़ाया। इस मामले में पीड़ित विकास कुमार सिंह ने गांव के ही रवि प्रकाश सिंह उर्फ ललटू सिंह, दुगार्शंकर सिंह, अजय सिंह व बंटी सिंह पर देशी कट्टा के बल पर अगवा कर दुगार्शंकर के दरवाजे पर लेजाकर एक कमरे में बंद कर जान मारने की नियत से लाठी, डंडे, रॉड आदि से पीटने का आरोप लगाया है। मिली जानकारी के अनुसार विकास द्वारा आरोपित किए गए दुगार्शंकर सिंह के घर चार दिन पहले चोरी की बात सामने आई थी, इस मामले में उन्होंने स्थानीय थाने में अज्ञात चोरों के विरूद्ध एफआईआर भी दर्ज कराया है। बताया जाता है कि विकास पर चोरी का संदेह होने पर उसे अगवा कर पिटाई किया गया है। पीड़ित में एफआईआर में बताया है कि उनकी पिटाई से वह बेहोश हो गया था। होश आने पर देखा कि डायल 112 की टीम उसे लेकर उसके घर आई है। बाद में उसका इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया। घटना क बाद से आरोपित फरार है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कुख्यात शराब तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

ब्रह्मपुर। नैनीजोर पुलिस ने शराब तस्करी के कई मामले में फरार चल रहे कुख्यात शराब तस्कर राजनारायण साहनी पिता कपिल मल्लाह को गिरफ्तार कर लिया है। उसकी गिरफ्तारी विशेष छापेमारी अभियान में दियारा इलाके से की गई है। गिरफ्तार तस्कर बड़की नैनीजोर बदलईया टोला का रहने वाला है। मिली जानकारी के अनुसार उस पर शराब तस्करी के कई मामले दर्ज है। वह दियारा इलाके का बड़ा शराब तस्कर है। उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई थी। वह अक्सर पुलिस को चकमा दे भागने में सफल रहता था। नैनीजोर थानाध्यक्ष मो. फिरोज आलम ने बताया कि उसे पकड़ने के लिए एक विशेष टीम गठित की गई थी। इधर जानकारी मिली कि वह दियारा इलाके में छिपा है। जानकारी मिलने के बाद तत्काल छापेमारी अभियान चला उसे पकड़ लिया गया। उन्होंने बताया कि उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए बड़ी सफलता है।

दहेज हत्या कांड में एक आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

नावानगर। बीते दिनों सोनवर्षा ओपी के पीपराढ़ गांव में दहेज हत्याकांड के एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपी मृतका के पति मनीष कुमार बताया जाता है। बता दें कि विगत 9 अप्रैल को पिपराढ़ गांव में एक विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई थी। जिसको लेकर मृतका के पिता द्वारा पति, सास व ससुर पर दहेज के लिए हत्या कर शव गायब करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी में जुट गई थी। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मृतका के पति गांव में नजर आया है। वह अपने घर के आसपास है। सूचना पर सोनवर्षा ओपी पुलिस ने उक्त गांव में छापेमारी कर हत्या कांड के आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि इस हत्याकांड में शामिल अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी का प्रयास जारी है।

केसठ में भीम आर्मी ने निकाला बाइक जुलूस, तैनात रही पुलिस

केटी न्यूज/केसठ

अंबेडकर जयंती के अवसर पर रविवार को भीम आर्मी के कार्यकताओं ने प्रखंड के विभिन्न गांव में मोटरसाइकिल जुलूस निकाला। जुलूस में हजारों की संख्या में युवाओं ने भाग लिया। जिसका नेतृत्व भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष सुदर्शन यादव बौद्ध ने व संचालन प्रखंड अध्यक्ष हरे राम पासवान और सुधीर कुमार ने संयुक्त रूप से किया। जुलूस की शुरूआत डॉ भीम राव अम्बेडकर के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। वही बीडीओ मिथिलेश बिहारी वर्मा और भीम आर्मी के प्रदेश उपाध्यक्ष ने झंडी दिखा जुलुश को रवाना किया। जुलूस पुराना बाजार, नया बाजार से होते हुए प्रखंड के दर्जनों गांवो को भ्रमण करते हुए पुनः नया बाजार पहुंचा। इस दौरान मजिस्ट्रेट के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी मिथिलेश बिहारी वर्मा के नेतृत्व में पुलिस के जवान मुस्तैद रहे। दूसरी तरफ रामपुर गांव स्थित एससी एसटी छात्रवास में एसडीएम राकेश कुमार, एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी और बीडीओ की उपस्थित में बाबा भीम राव अम्बेडकर की 133 वीं जयंती धूम धाम से मनाई गई। जिसमें छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बीडब्ल्यूओ संजय कुमार ने किया। इस मौके पर उपस्थित एसडीएम,एसडीपीओ और बीडीओ ने छात्रों के बीच बाबा साहेब के जीवनी पर प्रकाश डाले। मौके पर बीडीसी असलम हुसैन, मंजू देवी, बसंत पांडेय, संतोष कुमार, मंजीत कुमार, विश्वामित्र, डॉ. कृष्मोहन कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रत्याशियों को सबक सिखाएंगे दियारे में आर्सेनिक का जहर पीने को मजबूर लोग

- ब्रह्मपुर विधानसभा के तटवर्ती इलाकों में शुद्ध पेयजल मुहैया कराने में सिस्टम पानी पानी, अब तक अधूरी पड़ी है एक अरब की योजना
- गंगाजल को रिसाइकल कर पेयजल में तब्दील कर पाइप से जलापूर्ति की है योजना
- 2012 में पूर्ण होने वाली जलशोध परियोजना 2024 में भी अधूरी

रजनीकांत दूबे/डुमरांव

ब्रह्मपुर विधानसभा क्षेत्र के गंगा के तटवर्ती इलाके में निवास करने वाले ग्रामीण पिछले कुछ दशकों से आर्सेनिक रूपी मीठा जहर पीने को मजबूर हो रहे है। आर्सेनिक युक्त पानी पीने से लोग चर्म रोग, पेट संबंधित बीमारियां, हार्मोनल डिफिसिएंसी तथ कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के शिकार भी हो रहे है। लेकिन इलाके को आर्सेनिक के जहर से छुटकारा दिलाने तथा लोगों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराने के में सिस्टम अबतक फेल साबित हुआ है। हालांकि, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा इसके लिए बड़ी योजना बनाई गई थी। करीब एक अरब की लागत से सिमरी प्रखंड के केशोपुर गांव के पास जलशोध शंयत्र बनाया जा रहा है। इसके तहत गंगा जल को शुद्ध कर उसे पाइप के सहारे प्रखंड के गांवों में जलापूर्ति की योजना है। यह संयत्र लगभग बनकर तैयार हो चुका है। कई जगहों पर पाइप भी बिछाया जा चुका है, लेकिन अबतक जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। जबकि 2012 में इसे पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। बावजूद यह गंभीर समस्या कभी भी नेताओं के लिए मुद्दा नहीं बना। सिर्फ चुनाव के दिनों में ही नेताओं को आर्सेनिक से छुटकारा दिलाने की याद आती, इसके बाद वे दुबारा क्षेत्र में नजर नहीं आते है। इधर आर्सेनिकयुक्त पानी पी गंभीर बीमारियों की चपेट में आने वाले दियारावासियों में शासन प्रशासन से लगायत जनप्रतिनिधियों के प्रति भी गहरी नाराजगी है। जिस कारण आसन्न लोक सभा चुनाव में दियारा क्षेत्र के मतदाताओं के सवाल प्रत्याशियों को चुभने वाले है।

निर्माण कार्य धीरे होने पर बीच में बदली गई थी कार्य एजेंसीः बता दें कि वर्ष 2012 में जलशोध संस्थान का कार्य पूरा नहीं होने पर सराकर द्वारा नामित कंपनी को पुनः दो साल का एक्सटेंशन मिला। लेकिन, इस अवधि में भी निर्माण कार्य अधर में लटका रहा। अंततोगत्वा 2020 में कार्य की जिम्मेदारी दूसरी कंपनी को दी गई, बावजूद निर्माण का रफ्तार इतनी धीमी रही कि मार्च 2024 तक कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। इसके लिए न तो सियासतदानों ने कोई दिलचस्पी दिखाई और न ही किसी भी तरह का प्रयास किया। जबकि क्षेत्रीय लोगों द्वारा प्रत्येक चुनाव में इस मुद्दे को प्रमुखता के साथ हर दल के नेताओं के समक्ष उठाया जाता रहा है। लेकिन नेताओं ने जनता को सिर्फ आश्वासनों का घुंट ही पिलाया है। आसन्न लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे पर पुनः आश्वासनो का दौर जारी है। लोगों के समक्ष एनडीए और महागठबंधन के नेता तत्काल शुद्ध पेयजल आपूर्ति शुरू कराने के वायदे कर रहे हैं, मगर जनता की चुप्पी उन्हें काफी परेशान कर रही है।

ब्रह्मपुर विधानसभा का पूरा इलाका है आर्सेनिक से प्रभावितः लोगों का कहना है कि ब्रह्मपुर विधानसभा का पूरा इलाका आर्सेनिक पानी से प्रभावित है। यहां के लोग हर घूंट में पानी के रूप में जहर पी रहे हैं। सपना था कि जलशोध संस्थान के जरिए गंगा के पानी को शुद्ध कर हर घर तक पहुंचेगा। मगर पंगु हो चुकी व्यवस्था के आगे आम जनता को प्रदूषित जल से मुक्ति मिलने की आस फिलहाल पूरी होती दिखाई नहीं दे रही है। सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर प्रखंड में पानी की गुणवत्ता जांच करने आई केन्द्रीय एजेन्सी द्वारा इलाके को आर्सेनिक जोन घोषित करने के बाद केन्द्र व राज्य सरकार ने संयुक्त रूप से केशोपुर में करीब एक अरब की लागत वाली जलशोध संस्थान परियोजना को मंजूरी दी थी। इसके बाद सरकार और हैदराबाद की कंपनी आईवीआरसीएल लिमिटेड के बीच 30 जून 2009 को आपसी सहमति के बाद इसे तीस माह के अन्दर हर हाल में चालू कर देने का विधिवत समझौता भी हुआ था। मगर भू-अर्जन में देरी की वजह से निर्माण कंपनी को कुछ दिनों के लिए परियोजना पर काम बंद करना पड़ा। बाद में जब दुबारा काम शुरू करने की बारी आई तो नए दर से प्राक्कलन की शर्तों पर मामला उलझ गया। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग ने निर्माण एजेंसी की शर्तों को मानने से इंकार करते हुए उसे परियोजना से बाहर का रास्ता दिखा दिया। लेकिन इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए नए प्राक्कलन के तहत 163.3 करोड़ की राशि स्वीकृत करते हुए जिस कंपनी को नामित किया गया है उसके भी कार्य करने की गति जोर नहीं पकड़ पा रही है। ऐसी स्थिति में अगले कुछ महीनों तक लोगों को आर्सेनिक युक्त प्रदूषित जल से मुक्ति मिलने के कोई आसार दिखाई नहीं पड़ रहा हैं।

चैती छठ, अस्तचलगामी सूर्य को छठ ब्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य

केटी न्यूज/बक्सर/डुमरांव

लोक आस्था के महापर्व चैती छठ पूजा को लेकर रविवार को पूरे दिन भक्तिमय माहौल बना रहा। सुबह से ही ब्रती महिलाएं तथा उनका परिवार शाम होने का इंतजार करते रहा। वही शाम ढलने के साथ गंगा घाटों के अलावे विभिन्न तलाबों व जलाशयों के किनारे व्रतियों ने पूरे आस्था के साथ अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किए। इसके पहले युवा तथा श्रद्धालु घाटों की सफाई से लेकर अन्य तैयारी में जुटे रहे। शाम ढलते ही ब्रती महिला परिवार के साथ घाट के लिए निकल पड़ी। छठ पूजा का सामान जो दउरा में रखा हुआ था, उस दउरा को परिवार का सदस्य आगे-आगे लेकर चल रहे थे। वहीं उनके पीछे-पीछे ब्रती महिला व परिवार के सदस्य जा रहे थे। इस दौरान छठ मईया के गीत से वातावरण भक्तिमय बना हुआ था। बक्सर के रामरेखा घाट पर व्रतियों तथा श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी थी। बड़ी संख्या में लोगों ने चैती छठ किया। इस दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी काबिले तारीफ थी। घाटों पर नाव तथा प्रशिक्षित गोताखोर तैनात किए गए थे। वही डुमरांव में चैती छठ काफी उत्साह के साथ मनाया गया। मालूम हो कि नगर के छठिया पोखरा पर छठ पूजा के लिए नगर के लोग अस्था का केन्द्र मानते हैं। इसीलिए इसका नाम छठिया पोखरा पड़ा है। डुमरांव के लोग जो बाहर रहते हैंए छठ पूजा करने के लिए चले आते हैं। यही कारण है कि पोखरा नाम छठिया पोखरा पड़ गया। घाट को करीने से सजाया गया था।

डीएम एसपी ने लिया घाटों का जायजा

बक्सर। जिले में छठ को लेकर ऐतिहासिक एवं धार्मिक महता वाले रामरेखाघाट के साथ ही नाथ बाबा घाट का डीएम अंशुल अग्रवाल एवं एसपी मनीष कुमार ने बोट के माध्यम से निरीक्षण किया। व्रतियों की सुविधा को देखते हुए आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने सर्वप्रथम नाथ बाबा घाट से बोट के माध्यम से निरीक्षण शुरू किया। इसके बाद रामरेखाघाट व अन्य घाटों का निरीक्षण किया। चैती छठ को लेकर नगर के रामरेखाघाट, नाथ बाबा घाट सहित अन्य घाटों पर अप्रत्याशित भीड़ जुटी थी। जहां शांतिपूर्ण रूप से छठ पर्व को मनाने को लेकर निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान मौजूद अधिकारियों को व्रतियों की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर आवश्यक निर्देश भी दिया। अपने बीच डीएम एसपी को पा व्रती तथा श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ गया था।

एनडीए प्रत्याशी ने चलाया राजपुर व डुमरांव विधानसभा के गांवों में जनसंपर्क अभियान

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर लोकसभा के एनडीए प्रत्याशी मिथलेश कुमार तिवारी ने रविवार को राजपुर विधानसभा के कोरानसराय मंडल के अटांव, एकौनी, कसियां, रजडीहां, कोपवां काली मंदिर, मुंगांव, कोरानसराय, कचईनिया, दखिनांव, कनझरुंवा, मठिला आदि गांवों में जनसंपर्क कर लोकसभा चुनाव के लिए लोगों का आशीर्वाद प्राप्त किया। गांव के चौपालों को सम्बोधित किया। जदयू के जिला अध्यक्ष अशोक सिंह कि हम के जिला अध्यक्ष बलिराम कुशवाहा, रालोसपा के जिला अध्यक्ष विन्ध्याचल सिंह कुशवाहा, लोजपा के जिला अध्यक्ष अखिलेश सिंह और भाजपा के जिला अध्यक्ष विजय कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह ने भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी को अधिक से अधिक मतों से विजयी बना कर दिल्ली भेंजने का लोगों से आह्वान किया। नरेंद्र मोदी एनडीए के घोषित प्रधानमंत्री के उम्मीद्वार है, लेकिन विपक्ष के पास प्रधानमंत्री का कोई एक चेहरा नहीं बल्कि कई चेहरे हैं जो तय नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम की कर्मभूमि और शिक्षा स्थली बक्सर के लिए प्रधानमंत्री ने अपनी परछाई बना कर हमको आपके बीच भेजा है। बक्सर के चहुंमुखी विकास के लिए मुझे मोदी का पैर भी पकड़ना पडेगा तो भी हम पीछे नही हटेंगे। जिस तरह मोदी ने बनारस को विकसित कर के दिखाया है, मैं बक्सर को भी विकसित करके दिखाउंगा।

कोईरपुरवा स्थित राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए डीएम

बाबा साहेब के संघर्षों से प्रेरणा ले समाज कल्याण व देश की प्रगति में योगदान दें युवाः डीएम

- जयंती पर याद किए गए बाबा साहब भीम राव अंबेडकर, कई संगठनों ने आयोजित किए कार्यक्रम

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की 133 वीं जयंती धूम धाम से मनाई गई। इस मौके पर विभिन्न संगठनों ने कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए तथा उनके पदचिन्हों पर चलने का संकल्प दुहराया। प्रशासनिक स्तर पर भी कार्यक्रम आयोजित कर संविधान निर्माता को याद किया गया। इस मौके पर डीएम अंशुल अग्रवाल ने अम्बेडकर चौक पर अवस्थित डा. भीम राव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद डीएम ने कोईरपुरवा स्थित राजकीय अंबेडकर कल्याण छात्रावास में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित होकर मूर्ति पर माल्यार्पण किया। डीएम ने उपस्थित सभी छात्रों को बाबा साहब के संघर्षों से अवगत कराते हुए उनके संघर्षों से प्रेरणा लेकर समाज के कल्याण एवं देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान छात्रावास के छात्रों के अलावे कई अन्य उपस्थित थे।

डॉ अंबेडकर की जीवनगाथा युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोतः डॉ शोभा सिंह

डुमरांव। स्थानीय सुमित्रा महिला कॉलेज के सभागार में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले स्वतंत्र भारत के प्रथम विधी मंत्री तथा भारतीय संविधान के जनक डॉ बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती मनाई गयी। बाबासाहेब के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कॉलेज की प्राचार्या डॉ शोभा सिंह ने कहा कि हम भारतीयों की परंपरा रही है कि अपने आदर्श व्यक्तित्व को हम सदा स्मरण रखते हैं। बाबासाहेब ने बचपन से ही अश्पृश्यता को बहुत नजदीक से देखा तथा झेला था। भारतीय समाज में व्याप्त छुआछूत जैसे भेदभाव को समानता का अधिकार तथा अश्पृश्यता को दंडनीय बनाकर सभी भारतीय को संवैधानिक रूप से एक कर दिया। भारतीय संविधान के जनक को सदैव याद रखा जाएगा। वहीं प्रो डॉ सुभाष चंद्रशेखर ने इस अवसर पर बाबासाहेब के जीवनी को रेखांकित करते हुए कहा कि बाबासाहेब बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। वे एक समाज सुधारक, अर्थशास्त्री, कानूनीवादी, इतिहासकार, संपादक तथा मानवशास्त्री थे। इनकी यह प्रतिभा हमारे संविधान में स्पष्ट दिखाई पड़ती है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो शंभू नाथ शिवेंद्र ने कहा कि बाबासाहेब को भारतीय भाषाओं के अलावा विश्व के अनेक भाषाओं का ज्ञान था। उन्होंने विश्व के अनेक देशों के संविधान का अध्ययन किया था। उन्होंने 64 विषयों पर मास्टर डिग्री तथा 4 पर डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त की थी। कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की वालेंटियर्स चंचल, तमन्ना, प्रियांशी, ज्योति, रानी, पूजा कुमारी आदि ने भी बाबासाहेब के योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें सदैव स्मरण करने को कहा। मौके पर प्रो प्रमोद कुमार सिंह, प्रो श्रीकांत सिंह, प्रो मनोज कुमार, प्रो दिनेश सिंह यादव, प्रो श्रीमन्नारायण तिवारी, नागेन्द्र सिंह ने भी बाबासाहेब को श्रद्धांजलि अर्पित किया।

अग्निशमन सेवा सप्ताह की शुरुआत, शहीद कर्मियों को दी गयी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड स्थित अग्निशमन कार्यालय में अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शहीद कर्मियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इसके बाद अग्निशमन सेवा सप्ताह में अग्निशमन अधिकारी बुन्नी साह और प्रधान अग्निशमन अनिल कुमार ने इस बार अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह में प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया। इस दौरान एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि 14 अप्रैल 1944 को मुंबई बंदरगाह पर हुए एक भीषण अग्निकांड में बचाव कार्य करते हुए 66 अग्निशमन कर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन दिवंगत अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिये ही प्रतिवर्ष इस दिन अग्नि शमन सेवा स्मृति दिवस मनाया जाता है। 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह मना कर जन-जन तक अग्निकाण्ड से निवारण का मार्ग प्रशस्त करना हमारा लक्ष्य हैं।

भोजपुर में बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार चचेरे भाइयों को रौंदा,एक की मौत

केटी न्यूज/आरा

आरा-छपरा फोरलेन पर जिले के कोईलवर थाना क्षेत्र के हरीपुर गांव के समीप रविवार की शाम बालू लदे बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार चचेरे भाइयों को रौंद दिया। हादसे में एक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद जख्मी युवक को इलाज के लिए आरा अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। वहीं घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही।

उधर घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदस्य अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृतक सारण (छपरा) जिला के डोरीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर बिंद गावां गांव निवासी स्व.बिजनंदन राम का 24 वर्षीय पुत्र राजेश कुमार शामिल है एवं वह बालू घाट पर काम करता था। जबकि जख्मी उसी गांव के निवासी राम बाबू राय का 15 वर्षीय पुत्र व मृतक का चचेरा भाई मुकेश कुमार है। इधर मृतक के चचेरे भाई मुकेश कुमार ने बताया कि वह अपने भाई राजेश कुमार के साथ उसके ही शादी का कार्ड बांटने के लिए पटना जिला के हरदी छपरा अपने रिश्तेदार के घर गया था। कार्ड देकर जब वह दोनों बाइक से वापस अपने गांव लौट रहे थे। उसी दौरान हरीपुर गांव के समीप विपरीत दिशा से आ रही बालू लदे बेलगाम ट्रक ने उन्हें रौंद दिया। जिससे बाइक चला रहे हैं उसके चचेरे भाई राजेश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि वह जख्मी हो गया। इसके बाद उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। इसके बाद उसने इसकी सूचना अपने परिजनों को दी।

बता दे कि मृतक की शादी इसी माह 19 अप्रैल को बड़हरा थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर गांव निवासी स्व.पवन राय की बेटी जूली से होने वाली थी। अपनी शादी कार्ड बांटने गया राकेश कुमार काफी खुश था। लेकिन उसे क्या पता था कि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। उसके सिर पर सेहरा सजाने से पहले ही घर से उसकी अर्थी उठ गई। जहां एक तरफ उसके घर में उसकी शादी को लेकर लोगों में खुशियों का माहौल था। वही उसके मौत की खबर मिलते ही शादी के खुशी का माहौल मातम में तब्दील हो गया।

भोजपुर में नीम के पेड़ से लटका छात्रा का शव बरामद

आरा। भोजपुर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के ओसाई गांव में घर के ही फूलवाड़ी में नीम के पेड़ से लटका एक छात्रा का शव बरामद हुआ है। घटना की सूचना पाकर बिहिया थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जानकारी के अनुसार मृत छात्रा वैशाली जिला के बेलगांव थाना क्षेत्र के चंपापुर अग्राइल गांव निवासी राज किशोर सिंह की 16 वर्षीया पुत्री प्रियंका कुमारी है एवं वह दसवीं कक्षा की छात्रा थी। इधर मृत छात्रा के दादा शंकर लाल ने बताया कि उसके माता-पिता दिल्ली में रहते है और वह करीब डेढ़ वर्षो से अपने दादी के मायके ओसाई गांव में उनके पास रहती थी। उन्होंने बताया कि वह रविवार की सुबह आठ बजे ट्यूशन पढ़ने गई थी और नौ बीस में ट्यूशन पढ़कर वापस घर लौटी थी। उनकी पत्नी व उसकी दादी की तबीयत खराब थी। जिसको लेकर वह गांव में ही स्थित ग्रामीण चिकित्सक के पास उन्हें सलाइन चढ़ाने के लिए गए थे। जब वह रविवार की दोपहर घर लौटे तो उन्होंने देखा कि घर का दरवाजा अंदर से बंद है। जिसके बाद उन्होंने दरवाजे को खटखटाया और काफी आवाज लगाई। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। बाद में घर में गए तो उन्होंने देखा कि घर के आंगन के फूलवाड़ी में वह नीम के पेड़ से गले में दुपट्टा बांधकर लटकी हुई है। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। वहीं दूसरी ओर उन्होंने बताया कि उनकी पोती प्रियंका कुमारी ने आत्महत्या क्यों की। इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

एक नजर

रामनवमी जुलूस में असामाजिक तत्वों पर रहेगी पैनी नजर, डीजे बजाने पर प्रतिबंध: डीएम

नोखा (रोहतास)। थाना क्षेत्र के नगर परिषद अंतर्गत रविवार को नोखा के मुख्य बाजार में रामनवमी पर्व को लेकर रोहतास डीएम नवीन कुमार एवं रोहतास एसपी विनीत कुमार ने स्थानीय पदाधिकारी के साथ फ्लैग मार्च किया। इस दौरान डीएम व एसपी ने रामनवमी की कमेटी के द्वारा निकाले जाने वाले जुलूस के रूट चार्ट का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी अतुल गुप्ता, सीओ मकसूदन चौरसिया, ईओ चंद्रराज प्रकाश, इंस्पेक्टर सुरेश कुमार दास, थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार, पंचायती राज पदाधिकारी सुनील कुमार सिन्हा रविकांत शर्मा, श्रवण कुमार एवं बुद्धिजीवियों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान रोहतास जिलाधिकारी नवीन कुमार ने कहा कि रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से मनाए और किसी भी तरह के गलत कार्य नहीं करें। वही जुलूस के दौरान किसी भी तरह के गलत कार्य करने वाले लोगों को बख्शा नहीं जाएगा तथा और असामाजिक तत्वों पर प्रशासन की पैनी नजर बनी रहेगी। निरीक्षण मौके पर सभापति राधेश्याम सिंह उपसभापति धनजी सिंह बिहारी प्रसाद गुप्ता, मनोज गुप्ता, मुखिया दयानंद सिंह दीनानाथ राय, राजेंद्र सिंह, वार्ड पार्षद मनोज कुमार, पूर्व जिला पार्षद सदस्य रविशंकर सिंह व अन्य मौजूद थे।

बाबा साहब की जयंती पर विद्यार्थी परिषद ने किया नगर इकाई में कार्यक्रम का आयोजन

जहानाबाद। छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने भारत रत्न संविधान सभा में ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहानाबाद के विभिन्न नगर इकाइयों में परिषद ने पुष्पांजलि एवं संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया। मखदुमपुर इकाई में ऑनलाइन प्रतियोगिता एवं प्रमाण पत्र वितरण का आयोजन किया गया । मुख्य कार्यक्रम जहानाबाद नगर इकाई में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और आज के भारत का परिदृश्य पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे मुख्य प्रवासी कार्यकर्ता विधार्थी परिषद् दक्षिण बिहार की प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर प्रियंका तिवारी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान संबोधन में डॉक्टर प्रियंका ने बाबा साहब के अर्थ नीति, हिंदू कोड बिल , महिला सशक्तिकरण जैसे विषयों को गंभीरता पूर्वक रखा। कार्यक्रम में परिषद के प्लस टू विद्यालय के प्रांत संयोजक डॉक्टर मुकेश कुमार, जिला प्रमुख पंकज सिंह, जिला संयोजक शुभांकर कुमार, सह संयोजक सुरजीत कुमार, नगर सह मंत्री अंकित कुमार, सुमन कुमार, के अलावा बड़ी संख्या में छात्र - छात्राएं उपस्थित रहीं।

आंबेडकर की जयंती पर जुलूस का आयोजन

बिक्रमगंज (रोहतास)। संविधान के शिल्पकार भीमराव आंबेडकर की जयंती पर रविवार को शहर में जुलूस निकाला गया। भीम आर्मी के नेतृत्व में शहर के सासाराम रोड स्थित आंबेडकर छात्रावास में स्थापित बाबा भीमराव की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ जुलूस प्रारंभ किया गया। जो तेंदूनी चौक होते हुए शहर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान बाबा साहब अमर रहें का नारा भी लगाया गया। तेंदूनी चौक से डुमरा रोड स्थित रविदास आश्रम में पहुंचे जुलूस का स्थानीय लोगों ने भव्य स्वागत किया। जुलूस के दौरान स्थानीय प्रशासन भी एक्टिव दिखी।

भाकपा माले ने डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई

तिलौथू (रोहतास)। भाकपा माले ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर धूमधाम से मनाया। अवसर पर माले सचिव कामरेड सतेन्द्र चौधरी , राजकुमार सिंह , एकबाल सिंह, उमेश सिंह, विकास सिंह सहित सभी लोगों ने डॉ भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई। कार्यकर्ता ने डॉ. भीम राव के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. भीम साहेब के बताए हुए मार्ग पर चल कर ही आज देश विकास का गाथा लिख रहा है। जिनके मार्ग पथ आज हम सभी भारतीयों को चलने का दृढ़ संकल्प लेनी चाहिए।

अग्निशमन विभाग द्वारा अस्पताल परिसर में आग से बचाव का दिया गया प्रशिक्षण

जहानाबाद। गर्मी के दिनों में लगातार हो रही अगलगी की घटनाओं को देखते हुए अग्निशमन विभाग के आम लोगो को इससे बचाव को लेकर जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को सदर अस्पताल परिसर में लोगों को आग से बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया गया। अग्निशमन विभाग के इंद्रदेव प्रसाद ने बताया कि गर्मी के मौसम में लगातार आग लगने की घटना हो रही है। इससे जान माल की क्षति हो रही है। इसी को देखते हुए विभाग द्वारा सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालय में लोगों को आग से बचने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कार्यालय में फायर स्टॉप लगाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अगर कभी आग लग जाए तो किस तरीके से अपनी जान को बचाया जा सकता है और लोगों को भी बचाने का प्रयास किया जा सकता है।

खबरें फटाफट

बहन के घर ईद मनाने आए युवक की सोन में डूबकर हुई मौत

सहार। स्थानीय थाना क्षेत्र के आबगीला सोन नदी में स्नान करने उतरे युवक की डूबकर मौत हो गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार युवक अपनी बहन के घर ईद मनाने आया था। जहां रविवार को घर से दूर सोन नदी में वह स्नान करने गया था जहां यह हादसा हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंची। जिसके बाद स्थानीय गोताखोरों तथा ग्रामीणों की मदद से करीब 2 घंटे के बाद शव को निकाला जा सका। मृतक आरा नगर थाना अंतर्गत मोहम्मद वकील कुरेशी का 18 वर्षीय पुत्र याकूब कुरैशी उर्फ मुन्ना था। गौरतलब हो कि मृतक अपने दो बहनों के बीच इकलौता था। जो अपने जीजा जमालू कुरैशी तथा अपनी बहन हेना परवीन का बहुत चहेता था और ईद का त्यौहार मनाने बहन के घर आया था। घटना की सूचना मिलने पर जीजा और उसकी बहन का रो रोकर बुरा हाल हो गया।

भोजपुर में गंगा नदी में डूबने से छात्रा की मौत

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा थाना क्षेत्र के केशवपुर घाट स्थित गंगा नदी में डूबने से एक छात्रा की मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच काफी देर तक अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत छात्रा पीरो थाना क्षेत्र के तिलाठ गांव निवासी राजेंद्र राम की 17 वर्षीया पुत्र शारदा है एवं इंटर की छात्रा थी। मृत छात्रा के चाचा विक्की ने बताया कि उनके पड़ोसी संटू की बेटी अनुष्का का मुंडन कार्यक्रम था। जिसको लेकर सभी लोग केशवपुर घाट पर गए थे। जहां पर वह गंगा नदी में नहाने चली गई। इसी पानी अधिक गहरा होने के कारण वह उसी में डूब गई।

आरा से भाजपा के प्रत्याशी आरके सिंह ने व्यवसायिक और प्रबुद्ध वर्गों के साथ की बैठक

विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं, वह जाति के नाम पर समाज बांटने में लगे हैं: आरके सिंह

- अंबेडकर कॉलोनी में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की मनाई जयंती, चलाया जनसंपर्क अभियान
- बोले- किसी के झांसे में नही आना है, विकसित भारत और विकसित आरा के संकल्प के साथ आगे बढना है

केटी न्यूज/आरा

केन्द्रीय मंत्री सह आरा लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी आर के सिंह ने सपना सिनेमा अंबेडकर कांलोनी में महादलितो के साथ जयंती मनाई। उन्होंने बाबा साहेब की प्रतिमा की पूजा कर माल्यार्पण किया और महादलित बस्ती में घूम कर संपर्क अभियान चलाया। इसके बाद उन्होंने एक होटल में आयोजित भोजपुर जिला के व्यवसायिक और प्रबुद्धजनों के साथ बैठक की। जिले भर के व्यवसायिओं द्वारा अपने प्रत्याशी का अंगवस्त्र और फूल माला के साथ भव्य स्वागत किया गया। एनडीए प्रत्याशी आर के सिंह ने भी जिले के व्यवसायिकों, प्रबुद्धजनों और पत्रकारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरके सिंह ने कहा कि देश में चुनाव प्रधानमंत्री का है और विपक्षी के पास कोई चेहरा नहीं है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं और नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे। देश की जनता ने प्रधानमंत्री चुन लिया है। 2013 मे देश अर्थव्यवस्था देश के मामले में 15वें नंबर पर था और अब पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और अगले दो सालों मे तीसरी अर्थव्यवस्था हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व में सबसे तेज प्रगति करने वाला अर्थव्यवस्था है। जीडीपी में बहुत तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित राष्ट्र की राह पर है। सभी क्षेत्रों मे विकास दिख रहा है। उन्होने कहा कि विपक्ष के पास कुछ नही है। वे केवल जाति के नाम पर समाज को बांटने का काम करते हैं, जबकि देश में चार ही जाति गरीब, किसान, महिला और युवा है। इन सभी का विकास मोदी सरकार ने किया है।

व्यवसायिक वर्ग से बोले... आप सभी को किसी के झांसे में नही आना है: उन्होंने व्यवसायिक वर्ग को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को किसी के झांसे में नही आना है, आप सभी उन्हीं को अपना जनप्रतिनिधि चुनें जिन्होंने आपका विकास किया है। आपका नेता एकमात्र नरेन्द्र मोदी जी हैं और यह चुनाव मुखिया का नही प्रधानमंत्री का है। उन्होंने बिजली के क्षेत्र में देश में अकल्पनीय विकास का डाटा विस्तार से रखा। उन्होने कहा कि बिजली की खपत देश मे बढी है, लेकिन कभी लोड शेडिंग की समस्या खड़ी नहीं होने दी। आज देश ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भर बन गया है।

प्रदेश संयोजक बोले... रिकॉर्ड मतों से जिताएंगे: भाजपा व्यवसायिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू गुप्ता ने कहा कि व्यवसायी वर्ग मोदी के साथ खड़ा है और व्यवसायिओं ने तय कर लिया है कि इस बार आर के सिंह को रिकॉर्ड मतो से विजयी बनाएंगे।

इस बार महागठबंधन को एक भी सीट नहीं मिलेगी

आरा। आरके सिंह ने राजद के मेनिफेस्टो में 500 रुपए में सिलेंडर मिलने के वादे पर कहा कि क्या तेजस्वी यादव भारत के प्रधानमंत्री बन रहे हैं, जो बोल रहे हैं देश में एक करोड़ रोजगार देंगे और 500 रुपए में गैस बाटेंगे। ऐसे ही बोल देने पर कोई टैक्स लगता है क्या, तो ऐसे ही बोलते रहते हैं। पिछली बार 2019 के चुनाव में राजद को एक भी सीट नहीं आया था। इस बार भी वही हालत रहेगी। एक भी सीट महागठबंधन को नहीं आएगी। वहीं प्रधानमंत्री के मैनिफेस्टो लॉन्च के सवाल पर आरके सिंह ने कहा कि लेकिन हमारी सरकार जो बोलती है वो करती है। हमने 370 हटाने को कहां था हमने हटाया। तीन तलाक हमने कहा था हम हटाएंगे, हमने हटाया। जब हमारी सरकार आई तो देश हमारा 15वें पायदान पर थे, अब 5वें पायदान पर है। अब हम जल्द ही देश के तीसरे अर्थव्यवस्था बनने वाले देश बनने वाले है। हमलोग यूनिफॉर्म सिविल कोड लेकर आएंगे, तो आएंगे। हमलोग जो बोलते है वो करते हैं।

मनी गन फैक्ट्री का खुलासा, हथियार बनाने के उपकरणों के साथ फैक्ट्री का संचालक गिरफ्तार

जहानाबाद। मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन जहानाबाद पुलिस और एसटीएफ की टीम ने संयुक्त कार्रवाई में किया है। मौके से मिनी गन फैक्ट्री के संचालक सत्येंद्र विश्वकर्मा को हथियार बनाने वाले कई उपकरणों के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। जहानाबाद एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। एसपी अरविंद प्रताप सिंह ने बताया कि गिरफ्तार सत्येन्द्र शर्मा पूर्व में भी हथियार बनाने के मामले में जेल जा चुका है। उन्होंने बताया कि इस बात की गुप्त सूचना मिली थी कि टेहटा बाजार में हथियार बनाने और बेचने का काम किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर जहानाबाद पुलिस एवं पटना एसटीएफ टीम ने टेहटा बाजार के मेला रोड में सत्येंद्र विश्वकर्मा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान सत्येंद्र विश्वकर्मा के पास से एक लोडेड देसी कट्टा और पॉकेट से गोली बरामद किया गया। पुलिस ने जब घर की तलाशी ली तो वहां से चार अर्धनिर्मित थरनेट, दो थरनेट के पाईप, दो थरनेट का लोहे की बॉडी, लोहे का बोल्ट, लोहे का बैरल, लोहे का ट्रीगर गार्ड, चार देसी करबाईन का लोहे का बोल्ट, एक लोहे का मिलिंग मशीन समेत कई हथियार बनाने के उपकरण बरामद हुए हैं। सत्येंद्र विश्वकर्मा हथियार बनाने और बेचने का काम अपने कई सारे साथियों के साथ मिलकर करता था। गिरफ्तार सत्येंद्र विश्वकर्मा से पुलिस पूछताछ में जुटी है।

अवैध विद्युत चोरी में पांच पर प्राथमिकी दर्ज

दिनारा (रोहतास)। थाना क्षेत्र के नगर पंचायत अंतर्गत बिजली चोरी के विरुद्ध कनीय विद्युत अभियंता दिनारा बिकाश कुमार के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई । जिसमें अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर रहे पांच लोगों को पकड़ा गया। बताते चले कि मीटर बाइपास कर अवैध रूप से विद्युत ऊर्जा चोरी करने को लेकर ग्राम दिनारा के हीरा लाल साह पर 20 हजार 934, राहुल कुमार पर 15 हजार 337, मो० इकबाल खान पर 7106 रुपये जुमार्ना के साथ प्राथमिकी दर्ज करायी गई है। उक्त उपभोक्ता के द्वारा मीटर बाइपास करने के कारण वास्तविक पठन अवरुद्ध हो रहा था। बिना कोई वैध कनेक्शन लिए अवैध रूप से बिजली चोरी करने को लेकर ग्राम दिनारा के ही संजय शर्मा पर 19 हजार 406, सुनील कुमार पर 8956 रुपये राजस्व की क्षति लगाई गई है । ऊक्त दोनों व्यक्तियों के परिसर में मीटर भी अधिष्ठापित नहीं है तथा विद्युत संबंधित कागजात की मांग करने पर कोई कागजात नहीं दिखाई गई। कनीय विद्युत अभियंता दिनारा बिकाश कुमार और सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि जो भी उपभोक्ता मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं वह दुरुस्त कर लें तथा जो विद्युत कनेक्शन नही लिए हैं वह ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छठ... अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

सूर्य उपासना के पर्व चैती छठ में व्रतियों का उत्साह चरम पर रहा । रविवार की शाम गाजा-बाजा के साथ छठ व्रती और श्रद्धालु अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के छठ पूजा घाट पहुंचे तथा अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य अर्पित किया ।

अनुमंडल के दिनारा प्रखंड के शक्ति पीठ मां यक्षिणी भवानी भलुनी धाम , नगर परिषद बिक्रमगंज के काशी घाट , वार्ड संख्या 21 धारूपुर छठ पूजा घाट , काराकाट प्रखंड के देवमार्कण्डेय छठ पूजा घाट के अलावे सभी घाटों पर रविवार को दोपहर 4 बजे से ही भक्तों का आना शुरू हो गया । सभी व्रतियों ने भगवान भास्कर को पहला अर्घ्य देने के उपरांत सभी देवी- देवताओं की पूजा-अर्चना की। माथेपर फल फूल आदि से लदे सूप लेकर कड़ी धूप में भक्त छठ पूजा घाट पहुंचे । इस दौरान छठ गीतों से इलाका गूंजता रहा । जहां पर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई । इसके बाद सूर्य देव को अर्घ्य चढ़ाया गया । तत्पश्चात पारिवारिक सुख-समृद्धि तथा मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए प्रार्थना की गई । वहीं सोमवार की अहले सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा।

...तो क्या किसी की जान जाने का इंतजार कर रही कोतवाली पुलिस!

- अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट में जिंदा बच्चा को बता दिया था मृत
- विजय सिनेमा रोड स्थित डायग्नोस्टिक सेंटर का है मामला

तिलक कुमार/ बलिया

जिस फर्जी अल्ट्रासाउंड रिपोर्ट पर पेट में पल रहे बच्चा की जान जा सकती थी, उस रिपोर्ट को शायद कोतवाली पुलिस हल्के में ले रही है, या फिर यूं कहे कि किसी की जान जाने का इंतजार कर रही है। तभी तो तहरीर देने के 48 घंटे बीत जाने के बावजूद कोतवाली पुलिस अभी तक मुकदमा दर्ज नहीं किया। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि माल्देपुर निवासी संजीव कुमार राम बीते 28 मार्च को विजय सिनेमा रोड स्थित एक प्रतिष्ठित डायग्नोस्टिक सेंटर पर अपनी गर्भवती पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराया था। अल्ट्रासाउंड कराने के बाद रिपोर्ट में लिखा गया था मिस्ड अबार्शन। इसके बाद संजीव कुमार राम को शंका हुई, जिस पर उन्होंने बीते 11 अप्रैल को जिला अस्पताल रोड स्थित एक डायग्नोस्टिक सेंटर पर दुबारा अपनी गर्भवती पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराया। लेकिन इस बार जो रिपोर्ट निकली वह चौंकाने वाली थी, क्योंकि दूसरी बार की रिपोर्ट में यह सामने आया है बच्चा बिल्कुल स्वास्थ्य है। अब आप सोचिए पहली रिपोर्ट के बाद यदि संजीव कुमार राम अपनी गर्भवती पत्नी का गर्भपात करा देती तो उन्हें बाप बनने के सुख से वंचित होना पड़ता।

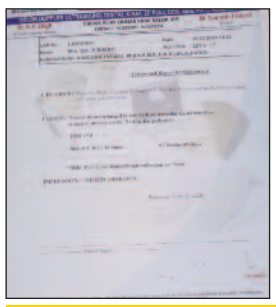

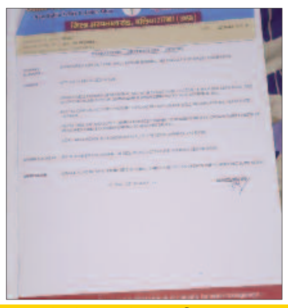

गलत रिपोर्ट देने के मामले में पहले से ही बदनाम है सेंटर

विजय सिनेमा रोड स्थित डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा फर्जी रिपोर्ट देने वाली बात कोई पहली बार नहीं है। इससे पहले भी ये सेंटर एक महिला की रिपोर्ट में कैंसर होना और एक पुरूष की रिपोर्ट में एचआईवी पॉजिटिव होने की बात कही थी। खैर उस समय किसी ने इनका विरोध नहीं किया तो मामला दब गया। लेकिन इस बार संजीव कुमार राम ने हिम्मत दिखाई तो सच्चाई सबके सामने हैं।

क्या बोले एसपी

सवाल— एसपी साहब इस मामले में कोतवाली में पीड़ित पक्ष द्वारा तहरीर दी गई है, लेकिन अभी मुकदमा दर्ज नहीं किया गया, जबकि रिपोर्ट सबके सामने है।

उत्तर— मेरे द्वारा शहर कोतवाल संजय सिंह को निर्देश दिया गया है। जल्द ही मुकदमा दर्ज कर संबंधित डायग्नोस्टिक सेंटर के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

क्या बोले सीएमओ

सीएमओ डॉ. विजयपति द्विवेदी के अनुसार मामला संज्ञान में है। जल्द ही इस मामले की जांच कराकर डायग्नोस्टिक सेंटर को बंद कराया जाएगा।

एक नजर

यूपी के टॉप थ्री खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर अमीषा ने पूरे देश में रोशन किया गाजीपुर का नाम

गाजीपुर। नई दिल्ली के यमुना नगर में 12 व 13 अप्रैल को हुई एनटीपीसी महिला राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में गाजीपुर की महिला

तीरंदाज अमीषा चौरसिया ने रजत पदक जीतकर पूरे जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया है। इस फाइनल रैंकिंग प्रतियोगिता के पूर्व 4 प्रतियोगिताएं कराई गई थीं। सभी में अमीषा ने आगे बढ़ती गई और फाइनल तक पहुंची। जिसमें उसने रजत पदक जीता। रजत पदक जीतने पर अमीषा को 50 हजार रूपए का नकद ईनाम भी मिला। इस प्रतियोगिता में पूरे उत्तर प्रदेश ने कुल 3 पदक जीते। जिसमें सीनियर रिकर्व राउंड में मेरठ की इशिता ने स्वर्ण, जूनियर रिकर्व में गाजीपुर की अमीषा ने रजत व सब जूनियर कंपाउंड राउंड में मथुरा के वरेण्य राणा ने कांस्य पदक जीतकर पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है। अमीषा की इस उपलब्धि पर पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। सभी ने फोन कर अमीषा को बधाईयां दी हैं। वहीं सतीश दुबे, नंदू दुबे आदि ने उज्वल भविष्य की कामना की है।

जनपद में चैत्र नवरात्र को देखते हुए खाद्य पदार्थों की जांच शुरू

गाजीपुर। चैत्र नवरात्र के मद्देनजर खाद्य पदार्थों की जांच जनपद में शुरू कर दी गई है। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन लखनऊ एवं

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी के आदेश पर दिनेश कुमार अपर जिलाधिकारी, आरसी पाण्डेय सहायक आयुक्त खाद्य ने जांच के निर्देश दिए हैं। जनपद में बीते शुक्रवार से अभियान चलाकर मिलावटी एवं पेय पदार्थों के विक्रय पर प्रभावी रोकथाम के लिए जांच टीम काम कर रही है। विशेषकर नवरात्र के अवसर पर तैयार होने वाले भोग/प्रसाद, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा व फलाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित कराये जाने हेतु अभिसूचना आधारित प्रभावी प्रवर्तन/विशेष अभियान चलाकर कुल 5 नमूना संग्रहित किया गया। संग्रहित नमूनें खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला, उ०प्र० प्रेषित किये जा रहें है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत विधिक कार्यवाही की जायेगी। नमूना संग्रह की कार्यवाही खाद्य सुरक्षा अधिकारिय अवधेश कुमार, राजीव कुमार सिंह एवं समला प्रसाद यादव तथा शिवकुमार पटेल बहुउद्देशीय कार्मिक की टीम द्वारा की गई।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

गाजीपुर। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती रविवार को नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मोहम्मदाबाद नगर के जफरपुरा दलित बस्ती से विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जो पूरे नगर का भ्रमण कर अपने स्थान पर वापस आ गई। इस अवसर पर आयोजित डा. बी आर अम्बेडकर की जयंती पर एक विशाल समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके कृत्य पर प्रकाश डाला। समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष गुलाब राम, दिनेश राम, जिला सचिव संजय सिद्धार्थ, महासचिव अलगू कुशवाहा, रमेश गुप्ता समेत भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

माता काली के दरबार में उमड़ी भक्तों की भीड़

गाजीपुर। चैत्र नवरात्रि के छठवें दिन माता महाकाली मंदिर परिसर में श्रद्धालु भक्तों ने दर्शन पूजन कर अपने मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। इन दिनों मां महाकाली के दरबार में प्रतिदिन भजन कीर्तन में गायक सुरेंद्र सिंह यादव ने देवी पचरा गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वहीं ढोलक वादक हरिनारायण सिंह यादव तथा मुन्ना शर्मा, परशुराम शर्मा, राजेश शर्मा ने बड़ा निकलागेला माई के मंदिर देवी गीत सुनकर लोगों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। माता रानी के दरबार में आरती के समय सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने दर्शन पूजन कर अपनी मनोकामना पूर्ण होने की कामना की और प्रसाद ग्रहण किया।

गैस सिलेंडर फटने से झुलसे अधेड़ की मौत

बलिया। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत चितू पांडेय चौराहे के पास स्थित गैस रीफिलिंग की दुकान में बीते दिनों गैस सिलेंडर फटने से झुलसे राजकुमार गुप्ता की रविवार की दोपहर वाराणसी में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना परिजनों को मिलते ही परिजनों का रोते—रोते बुरा हाल है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बीते मंगलवार की रात गैस रीफिलिंग की दुकान में दुकान के संचालक राजकुमार गुप्ता गैस रीफिलिंग का काम कर रहे थे, तभी किसी प्रकार आग लग गई थी। जिससे राजकुमार गुप्ता गंभीर रूप से झुलस गए थे।

10 अप्रैल को कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का मिला था शव

प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाने के बाद हरकत में आई पुलिस

- प्रेमिका, उसकी मां व अन्य से चौकी में घंटो हुई पूछताछ
- सीओ के नेतृत्व में फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल पर किया नापतोल
- सीसीटीवी फुटेज में नौ अप्रैल को लड़का-लड़की मौनी बाबा स्थान पर साथ घूमते दिखे

केटी न्यूज/ बलिया

सिकंदरपुर कस्बा स्थित डोमनपुरा मोहल्ले के पांडेय टोली के एक कमरे में 10 अप्रैल को संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर के शव मिलने के मामले में मृतक के सगे भाई सुनील पांडेय द्वारा मृतक के प्रेमिका के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। जिसका नतीजा रहा कि शनिवार की शाम अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी, क्षेत्राधिकारी व थानाध्यक्ष ने चौकी सिकंदरपुर के प्रांगण में मृतक की प्रेमिका व उसकी माँ सहित अन्य लोगों से देर रात तक पूछताछ की।

वहीं रविवार को क्षेत्राधिकारी सिकंदरपुर के साथ पहुंची फोरेंसिक टीम ने मृतक के घर में जाकर फीता से घटना स्थल का नापतोल किया। इसके अलावा रस्सी लगाकर मौके

पर जांच किया। इसके साथ ही आसपास के लोगों का बयान भी दर्ज किया। आपको बता दे कि किशोर के शव मिलने के एक दिन पहले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें पहले लड़की व बाद में लड़का मोनी बाबा आश्रम के पास जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में देखे गए जा रहे है। सवाल यह उठता है कि प्रेमिका नौ अप्रैल की शाम करीब पांच बजे मृतक के भाई से झूठ क्यों बोली कि अभी सुजीत नहीं पहुंचा है। यह तमाम यक्ष लोगों के जेहन में कौद रहा है। लोगों का कहना है कि आखिर पुलिस घटना का कब खुलासा करेगी?

बता दें कि सिकंदरपुर कस्बा के डोमनपुरा पांडेय टोली निवासी सुजीत पाण्डेय उर्फ मोटू 16 वर्ष पुत्र स्वर्गीय त्रिभुवन पाण्डेय उर्फ गाटर का शव 10 अप्रैल की दोपहर उसके करकटनुमा घर में चौकी पर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ था। मृतक किशोर के माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। मृतक दो भाई हैं, दोनों भाई सोनीपत हरियाणा में रहते थे। मृतक किशोर अपने भाई से सिकंदरपुर जाने की बात कहकर निकला था। लेकिन बुधवार की दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में किशोर का शव कमरे में चौकी पड़ा हुआ था। मृतक किशोर के भाई सुनील पांडेय ने पुलिस को तहरीर देकर भाई के प्रेमिका के परिजनों पर हत्या करने का आरोप लगाया था। जिसमें उल्लेख किया था कि अक्सर मेरा भाई सिकंदरपुर के मिल्की मोहल्ला निवासी एक लड़की से बात करता था। वह अपना मोबाइल भी उसी को दे दिया था। वह मेरे से सिकंदरपुर जाने के लिए कहकर निकला था और नौ अप्रैल को उसकी प्रेमिका का फोन मेरे ऊपर आया था कि आपका भाई सुजीत सिकंदरपुर नहीं पहुंचा है। जबकि मेरे आने के बाद पता चला कि मेरा भाई नौ अप्रैल को उसी के साथ सिकंदरपुर में कई जगह घूमते हुए देखा गया है। जबकि 10 अप्रैल को उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में चौकी पड़ा हुआ मिला। उसने आरोप लगाया है कि मेरे भाई की प्रेमिका के परिजनों ने हत्या कर मेरे ही घर में साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से फेंक दिया है। पीड़ित ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। हत्या के आरोप की तहरीर मिलने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। जिसका नतीजा है कि अपर पुलिस अधीक्षक से लेकर फॉरेंसिक टीम लगातार असली मुजरिम तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। अब देखना है कि पुलिस इसमें कितना सफल होती है। इस बाबत सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार पाठक ने बताया कि जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। प्रयास जारी है जो भी होगा आप सभी को बता दिया जाएगा।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग में जलकर गाय और बछिया की दर्दनाक मौत

मऊ। जनपद के रतनपुरा प्रखंड के दतौडा ग्राम पंचायत की चौहान बस्ती में सार्ट सर्किट से लगी आग से तीन झोपड़ियां जलकर खाक हो गई ,और झोपड़ी में बंधी चार गायों में दो गए जलकर मर गई ।जबकि दो गाय बुरी तरह झुलस कर जीवन और मौत से संघर्ष कर रही हैं। इस आगजनी में दो खोप में रखा गया लगभग 30 मन भूसा भी पूरी तरह जल कर राख हो गया। शनिवार की रात्रि लगभग 1:30 बजे अचानक जब झोपड़ी से आग की लपटे उठने लगी तो आसपास के लोग जाग गए। और देखा की शिवनाथ चौहान की तीनों झोपड़ियां से आग की गंभीर लपटे उठ रही थी। लोगों ने आग बुझाने के लिए भरसक प्रयास किया, मौके पर ग्रामीणों की बड़ी भीड़ जुट गई, सबसे पहले विद्युत उपकेंद्र को सूचना देकर के विद्युत आपूर्ति भंग कराई गई। परंतु जब तक ग्रामीण आग पर काबू पाते तब तक झोपड़िया में बांधी गायें आग की लपट में घिर गई, गाय और बछिया की तो मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने आसपास के झोपड़ी और मकान तक आग न पहुंचे, इसके लिए ट्यूबवेल चलाकर के आग के दावानल को रोका गया। परंतु दो गायें बुरी तरह झुलस गई हैं। झुलसी हुई गायों में एक गाय की दोनों आंखें जल गई हैं। जिससे वह अंधी हो गई है। अंधी हो चुकी गाय गर्भवती भी है। उनके बचने की उम्मीद काफी कम है। इस आगजनी से पीड़ित परिवार का सब कुछ जलकर राख हो गया। अग्निकांड मैं सब कुछ गंवा चुके पीड़ित परिवार के समक्ष भविष्य का संकट उत्पन्न हो गया है। पीड़ित परिवार दहाड़े मारकर रो रहा था। पीड़ित परिवार की सूचना पर ग्राम प्रधान पारसनाथ यादव मौके पर पहुंच गए, और उन्होंने लेखपाल और कानूनगो को इस हादसे की सूचना दी।

संविधान निर्माता की जयंती पर चहुंओर कार्यक्रम का आयोजन, लोगों ने श्रद्धापूर्वक किया याद

निम्न वर्गों के लोगों के लिए आवाज बने थे बाबासाहेब

मऊ। भारत रत्न डॉ0 भीमराव अंबेडकर जी का 134वां जन्मदिवस गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्ट्रेट सभागार में मनाया गया। जिसका नेतृत्व जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने किया ।इस अवसर पर बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के चित्र पर जिलाधिकारी, मुख्य राजस्व अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट सहित सभागार में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। उक्त कार्यक्रम के पश्चात कलेक्ट्रेट सभागार में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के दौरान जिलाधिकारी ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवन आदर्शों पर विचार रखते हुए कहा कि मानसिक क्षमता को बढ़ाने के लिए कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति जन्म लेता है तो उसके आसपास की परिस्थितियों ठीक भी हो सकती हैं और कठिन भी हो सकती हैं। व्यक्ति दोनों ही परिस्थितियों से सीखता है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भारतीय गरीबों के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद करने और सम्मान देने के लिए भारत बाबा साहब अंबेडकर की जयंती मनाता है। वह भारतीय संविधान के पीछे मुख्य मस्तिष्क थे। उनके द्वारा एक सामाजिक आंदोलन चलाया गया जिसका उद्देश्य देश में जातिवाद को खत्म करना था। उन्होंने पुजारी विरोधी आंदोलन, मंदिर प्रवेश आंदोलन, जाति विरोध आंदोलन आदि जैसे सामाजिक आंदोलन शुरू किया। 1930 में मानव अधिकारों के लिए नासिक में मंदिर प्रवेश आंदोलन का नेतृत्व उनके द्वारा किया गया था। उनके अनुसार राजनीतिक शक्ति के माध्यम से दलित लोगों की समस्याओं का पूर्ण समाधान नहीं होता है। समाज में दबे कुचले लोगों को समान अधिकार मिलना चाहिए इसके लिए उन्होंने निम्न वर्गों के लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया था। वह जीवन भर एक समाज सुधारक और अर्थशास्त्री रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि डॉक्टर बाबासाहेब अंबेडकर का मूल नाम भीमराव था। उनके पिता रामजी मालोजी सकपाल थे। बाबा साहब का जन्म मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में स्थित महू में हुआ था। उन्होंने कहा कि डॉक्टर अंबेडकर एक न्यायविद अर्थशास्त्री और दलित नेता थे, जिन्होंने भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया, और स्वतंत्र भारत के पहले कानून मंत्री के रूप में कार्य किया। देश के हर नागरिक को संविधान का निर्माण करने वाले अंबेडकर का जीवन अपने आप में एक शिक्षा है। नगर मजिस्ट्रेट विजेंद्र कुमार ने बाबा साहब के जीवन पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि जिस समय बाबा साहब पढ़ने जाया करते थे उस समय का समय बहुत ही जटिल था। आज के परिवेश में जिस प्रकार सारी सुविधाएं मिलने के बावजूद भी अच्छी शिक्षा प्राप्त करना जटिल हो गया है। उस समय भेदभाव चरम सीमा पर थी लेकिन आज के परिवेश में भेदभाव में काफी बदलाव हुआ है। संविधान में उन्होंने महिलाओं के सम्मान के लिए बहुत बड़ा योगदान दिया।

डॉ आंबेडकर ने सत्ता को छोड़कर संघर्ष का रास्ता चुना: शमीम खान

बलिया। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133वीं जयंती पर कलेक्ट्रेट स्थित बाबा साहब आंबेडकर कंपाउंड में संगोष्ठी का आयोजन किया गया इसमें विभिन्न दलों के नेताओं समाजसेवियों व प्रबुद्धजनों ने डॉ आंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण व चित्र को पुष्प अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बतौर अतिथि एआइएमआइएम पार्टी के प्रदेश महासचिव मोहम्मद शमीम खान ने कहा कि भारत में समता मूलक समाज की स्थापना करने में बाबा साहब डॉक्टर अंबेडकर का अहम योगदान रहा, उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी दलित,शोषित,वंचित समाज के लिए संघर्ष किया, डॉ अंबेडकर ने जितनी यातनाएं और मुसीबत को झेलकर हिंदुस्तान के कमजोर लोगों को जगाने व उनका हक दिलाने का काम किया, इसका दूसरा उदाहरण नहीं मिलता, उन्होंने एक कुशल शिल्पी की तरह संविधान की रचना की, दूसरी तरफ हर समाज हर वर्ग को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिलाया।

बाबा साहेब की जयंती पर झुके शीश, झाकी निकाल दी श्रद्धांजलि

चंदौली। संविधान सभा के नायक डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती जनपद में रविवार को विभिन्न संगठनों की ओर से धूमधाम के साथ मनाई गई। राजनीतिक दलों के साथ–साथ अन्य संगठनों के सदस्यों ने बाबा साहब के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके पद चिन्हों चलने का संकल्प लिया। वहीं अन्य लोगों ने भी श्रद्धा सुमन अर्पित कर बाबा साहब को श्रद्धांजलि देते हुए को गोष्ठी में विचार व्यक्त किया। नगर पंचायत के वार्ड नंबर एक अंबेडकर नगर से बाबा भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद झांकी निकाली जो पूरे नगर का भ्रमण कर पुनः वही पहुंची जहां लोगों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किया। बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पंडित कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय सभागार में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस दौरान प्रभारी सीएमएस डॉक्टर जेपी सिंह डॉक्टर संजय कुमार डॉ मोनिका सतीश कुमार दीपिका नंदिनी सुशील ने बाबा साहब को याद किया। वहीं अन्य सरकारी कार्यालय में भी सदस्य मां अर्पित कर लोगों ने भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। बहुजन समाज पार्टी की ओर से मुख्यालय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया था ।इस दौरान जिलाध्यक्ष घनश्याम प्रधान, विनोद कुमार, सुभाष चंद, बिजेंदर राम, उमापति, इरशाद अहमद बबलू, तिलकधारी बिंद, राजन खान विकास गौतम सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तराखंड में की चुनावी जनसभा

कांग्रेसी बहुरूपिये, पहले कहते थे कि राम हुए ही नहीं, अब कहते हैं कि राम सबके हैं : योगी

- विजय संकल्प रैली में गढ़वाल से भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी के लिए मांगा वोट
- अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर कमल खिलाने को योगी ने साधा संवाद
- कांग्रेस ने मंदिरों के पैसे को धर्मांतरण में खर्च किया, इनका कार्यकाल देखकर खिन्न होता था: सीएम

केटी न्यूज/पौड़ी गढ़वाल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर चुनावी समर में उतरे। यहां उन्होंने लोगों से भावनात्मक संवाद भी किया तो देवभूमि उत्तराखंडवासियों से कमल खिलाने का आह्वान भी। गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के एनआईटी श्रीनगर में विजय संकल्प रैली में सीएम योगी ने भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी के लिए जनसमर्थन मांगा। कांग्रेस सीएम योगी के निशाने पर रही। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस कहती थी कि राम हुए ही नहीं। जब 500 वर्ष का इंतजार समाप्त करके अयोध्या में आज प्रभु राम का मंदिर बन गया तो कांग्रेसियों के स्वर बदल गए, वे अब कहते हैं कि राम सबके हैं। यह कांग्रेसी बहुरूपिये हैं। वे कहते थे देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमानों का है तो फिर 1947 में विभाजन क्यों कराया। यह सवाल किसी ने कांग्रेसियों से क्यों नहीं पूछा। सीएम ने विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश लोकसभा की सभी 80 सीट पीएम मोदी के हवाले करने जा रहा है।

कांग्रेस ने मंदिरों के पैसे को धर्मांतरण में खर्च किया

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस ने मंदिरों के पैसे को धर्मांतरण व मदरसा निर्माण में खर्च किया, लेकिन उन मंदिरों को शासन के संरक्षण में पुनरोद्धार की योजना बनाने का काम मोदी जी ने किया। बद्रीनाथ व केदारनाथ धाम में चल रहे प्रोजेक्ट इसके उदाहरण हैं। आज नई अयोध्या त्रेतायुग के दर्शन करा रही है। अयोध्या में प्रतिदिन डेढ़ लाख-दो लाख लोग दर्शन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के लिए सारी सुरक्षा व सुविधाएं हैं। हम कहते हैं कि छेड़ेंगे नहीं पर व्यापारी-बेटियों को छेड़ने वालों को छोड़ेंगे भी नहीं। कुछ लोगों को लगता है कि अपराध करके जेल चले जाएंगे, लेकिन हम जेल जाने के पहले उन्हें जहन्नुम में पहुंचा देंगे।

कांग्रेस के कार्यकाल को देखकर मन खिन्न होता था

सीएम ने कहा कि 1998 से गोरखपुर से पांच बार सांसद रहने का अवसर प्राप्त हुआ। सांसद के रूप में कांग्रेस के 10 वर्ष के कार्यकाल को देखकर मन खिन्न होता था। वे देश को कहां ले जाना चाहते थे। उनके पास कोई नेशनल एजेंडा नहीं था। उनके एजेंडे में महिला, युवा, गरीब, किसान नहीं थे। उनका एजेंडा स्वार्थ और विघटन पर ले जाने वाला था पर हमने दस वर्ष में बदलते भारत को देखा है।

कांग्रेस ने साठ वर्ष में एक एम्स दिया, अटल जी के समय छह और मोदी जी के समय 15 एम्स बने

सीएम ने कहा कि देहरादून-ऋषिकेश से श्रीनगर होते हुए कर्णप्रयाग तक ट्रेन की सुविधा हुई। पहाड़ के लिए कनेक्टिविटी बहुत कठिन थी। बद्रीनाथ-केदारनाथ की यात्रा के लिए पहले 12-12 घंटे लगते थे। आज आधे घंटे में केदारनाथ-बद्रीनाथ हेलीकॉप्टर से पहुंच जाएंगे। केदारनाथ धाम फिर से उस वैभव को प्राप्त कर चुका है, जो कि के पहले थे। मेरा तो बचपन यहीं गुजरा है।

मैंने देखा है कि दो तीन किमी. पानी के लिए नीचे जाकर वहां से पानी भरकर लाना पड़ता था। आज हर घर नल योजना लागू हो चुकी है। ईंधन के लिए लकड़ी बीनना पड़ता था। कांग्रेस के लोग कैरोसीन भी नहीं दे पाते थे। उत्तराखंड बनने के बाद से चार धाम के माध्यम से प्रदेश ने उपलब्धियां हासिल की हैं। कांग्रेस ने साठ वर्ष में एक एम्स दिया, जबकि अटल जी के समय छह और मोदी जी के समय 15 एम्स बने। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में उत्तराखंड सही दिशा में बढ़ रहा है। देवभूमि में देवताओं का आशीर्वाद सात्विक शक्तियों को जाएगा, राक्षसी शक्तियों को नहीं मिलेगा। सीएम ने आग्रह किया कि भाजपा का हर कार्यकर्ता संकल्प पत्र पढ़े उसे अवश्य पढ़े और जनता के बीच में रखे।

भाजपा ने 'मोदी की गारंटी' को आधार बनाया है। जनसभा में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, सांसद तीरथ सिंह रावत, उत्तराखंड सरकार के मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, सुबोध उनियाल, गढ़वाल से भाजपा उम्मीदवार अनिल बलूनी, विधायक राजकुमार, भरत चौधरी, विनोद कंडारी, रेनू विष्ट आदि की मौजूदगी रही।

माफिया को इस लायक नहीं छोड़ूंगा कि उप्र की सीमा क्रास कर पाएं

सीएम योगी ने कहा कि आज अपनी जन्मभूमि की लोकसभा सीट पर संवाद बनाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। जब भी उत्तराखंड आता हूं तो यहां संवाद आत्म साक्षात्कार व आध्यात्मिक अनुभूति का अवसर होता है। यहां के कण-कण में शंकर का वास है, इसलिए इसे देवभूमि कहा जाता है। यहां से निकलीं पवित्र नदियां जल की धारा को उत्तराखंड से नीचे उत्तर प्रदेश पहुंचाती हैं तो उत्तर प्रदेश भी समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचता है। कभी-कभी कुछ लोगों को गफलत होती है, वे लोग मानते हैं कि यूपी में अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की जो नीति है, उससे ऐसा न हो कि वे उत्तराखंड आ जाएं।

कांग्रेस के समय 150 जनपद नक्सलवाद की चपेट में थे, आज बस तीन-चार

सीएम ने कहा कि उत्तराखंड ने देश को पहला और द्वितीय सीडीएस दिया है। यह जनरल बिपिन रावत की जन्मभूमि है। हम आश्वस्त हैं कि मोदी जी के नेतृत्व में सीमाएं सुरक्षित हैं। कांग्रेस के समय देश के 150 जनपद भीषण नक्सलवाद की चपेट में थे। अभी बमुश्किल तीन-चार जनपद ही प्रभावित हैं। तीसरा कार्यकाल दीजिए, नक्सलवाद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। कश्मीर में आतंकवाद समाप्त हो गया। चार दिन पहले चुनावी जनसभा में जम्मू-कश्मीर में भी देखा कि लोकतंत्र की मुख्य धारा से जुड़कर वहां के लोग 'मोदी की गारंटी' पर विश्वास कर रहे हैं।

बाबा साहेब ने संघर्षों, बुद्धिमत्ता और सूझबूझ से प्राप्त की महानता: सीएम योगी

लखनऊ। दबे, कुचले और वंचित वर्ग के लोग अपने सम्मान की लड़ाई और भावी पीढ़ी को उज्ज्वल भविष्य देने के लिए बाबा साहेब का स्मरण कर रहे हैं। बड़े घर में पैदा हो करके बड़ा बनना उपलब्धि हो सकती है, लेकिन एक सामान्य परिवार में जन्म लेकर सामाजिक विसंगतियों और कुरीतियों के खिलाफ लड़ते हुए समाज को नई प्रेरणा का केंद्र बिंदु बनाना महानता के शिखर को प्राप्त करने जैसा है। बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने संघर्षों, बुद्धिमत्ता और सूझबूझ से महानता को प्राप्त किया था। उन्होंने संविधान शिल्पी के रूप में पूरे भारत को लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ दुनिया का सिरमौर बनाने का अद्भुत कार्य किया था। साथ ही न्यायसमता और स्वाधीनता की थीम दे करके पूरे भारतवासियों के मन में उत्साह और उमंग का भाव संचालित किया था। उनकी ही देन है कि आज लोकतांत्रिक मूल्यों और अधिकारों के साथ देश की 140 करोड़ की जनता "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के रूप में वर्तमान में कार्य कर रही है। उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम ने रविवार को भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। इससे पहले उन्होंने बाबा साहेब को याद करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मजबूर नहीं, मजबूत हाथों में है देश : योगी आदित्यनाथ

केटी न्यूज/रुड़की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि आज देश मजबूर नहीं बल्कि मजबूत हाथों में है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव नेशन फर्स्ट और फैमिली फर्स्ट की सोच वालों के बीच में है। आज सारा देश इस बात को कह रहा है कि जो राम को लाए हैं हम उनको लाएंगे और जिस कांग्रेस ने श्रीराम के अस्तित्व को नकारा, हम उसको नकारेंगे। योगी आदित्यनाथ रविवार को रुढ़की में हरिद्वार लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के राजनीतिक जीवन के समर्पण और त्याग की सराहना करते हुए कहा कि हरिद्वार में भाजपा की जीत ऐतिहासिक होनी चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने जनता को भरोसा दिलाया कि अगले पांच साल में अयोध्या की तर्ज पर ही हरिद्वार का भी विकास होगा। बीजेपी के स्टार प्रचारक योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देवभूमि की इस पावन धरा को मां गंगा की असीम कृपा प्राप्त हुई है। उन्होंने रैली के जरिए ही संविधान शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब भीम राव अंबेडकर की पावन जयंती पर नमन किया। कहा कि स्वतंत्र भारत में बाबा साहब को पहली बार मोदी सरकार ने सम्मान दिया है। सरकार ने पंचतीर्थ बनाकर उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की है। यही नहीं 500 साल का इंतजार खत्म करके प्रभु श्रीराम को अयोध्या में भव्य मंदिर में विराजमान किया है। इससे भी पहले अयोध्या के इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर किया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बीजेपी प्रत्याशी त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् से अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत की। उन्होंने विधायक, मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की जितनी समस्याएं कांग्रेस ने छोड़ी थी हम दोनों ने मिलकर उन सभी का समाधान किया। 2017 में उन्होंने यहां के विकास की आधारशिला रखी, जिसे आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आगे बढ़ा रहे हैं। अब हरिद्वार में और अच्छे ढ़ग से विकास की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ ने जनता से अपील की कि त्रिवेन्द्र सिंह रावत को इतने वोट से विजयी बनाएं कि हरिद्वार में रिकॉर्ड बन जाए। इस अवसर पर उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी प्रत्याशी त्रिवेन्द्र सिंह रावत, पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद रमेश पोखरियाल 'निशंक', राज्यसभा सांसद डॉ कल्पना सैनी, उत्तराखंड के मंत्री सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, जिलाध्यक्ष रुढ़की शोभाराम प्रजापति, जिलाध्यक्ष हरिद्वार संदीप गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष हरिद्वार किरण चौधरी, विधायक मदन कौशिक और प्रदीप बत्रा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

एक नजर

विभिन्न थाना क्षेत्र से गुम हुए मोबाइल सेट पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे

मऊ । पुलिस द्वारा गुम हो चुके, 71 मोबाइल फोन जिसकी कीमत करीब 12लाख रूपए है। पुलिस द्वारा बरामद कर मोबाइल स्वामियों को वापस कराया गया। जिससे लोगो के चेहरे खिल उठे। पुलिस अधीक्षक इलामारन जी. के कुशल निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के तथा क्षेत्राधिकारी अपराध के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस लाइन परिसर में स्थित साइबर क्राइम थाना द्वारा लगातार प्रयास करते हुए जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से प्राप्त मोबाइल फोन गुमशुदगी के प्रार्थनापत्रों का निस्तारण करते हुए कुल 12 लाख रुपए कीमती 71 अदद मोबाइलफोन को बरामद किया गया। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक मऊ के समक्ष जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से गायब खोए हुए मोबाइल फोन के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए थे जिसके सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक द्वारा गायब हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु गम्भीरता पूर्वक प्रयास करने हेतु साइबर क्राइम थाना को निर्देशित किया गया था। इस क्रम में साइबर क्राइम थाना द्वारा लगातार गम्भीरता पूर्वक प्रयास करते हुए उक्त गायब हुए 71 अदद मोबा. इल फोन को बरामद किया गया था। जिसको शनिवार को पुलिसअधीक्षक इलामारन जी. द्वारा थाना कोतवाली परिसर में मोबा. इल फोन स्वामियों को सुपुर्द किया गया। इस क्रम में थाना कोतवाली अन्तर्गत 13 मोबाइल फोन, थाना सरायलखंसी अन्तर्गत 19 मोबाइल फोन, थाना दक्षिणटोला अन्तर्गत 04 मोबाइल कोपागंज थाने के अंतर्गत 07 मोबाइल फोन, दोहरीघाट थाने के अंतर्गत 02 मोबाइल फोन, मधुबन थाने के अंतर्गत 04 मोबाइल फोन, रामपुर थाने के अंतर्गत 01 मोबाइल फोन, हलधरपुर थाने के अंतर्गत 05 मोबाइल फोन, मुहम्मदाबाद थाने के अंतर्गत 03 मोबाइल फोन, तथा 09 रानीपुर थाना अंतर्गत मोबाइल फोन मोबाइल स्वामियों को सौंपे गए। टीम में सार्जेंट शामिल थे। सुनील मलिक, एम.ए. शैलेन्द्र कुमार कन्नौजिया, आरसी शशिकांत मणि त्रिपाठी, आरसी अनुप यादव, आरसी प्रभात कुशवाहा, महिला आरसी वंदना पांडे मौजूद रहीं।

बैंक ग्राहक से छिनैती मामले में एसओजी टीम ने किया गिरफ्तार, रुपया और मोबाइल बरामद

मऊ। पुलिसअधीक्षक मऊ के कुशल निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में एस ओ जी टीम मऊ और चौकीप्रभारी रतनपुरा द्वारा संयुक्त रूप से सघन प्रयास करके छिनैती की घटना का पदार्फाश कर दिया गया । बीते 5 अप्रैल को रतनपुरा स्थित मिश्रा कटरा के सामने नजीर चौहान निवासी नगवां थाना हलधरपुर जनपद मऊ का 39000 रुपए और मोबाइल की छिनैती कर ली गई थी। घटना का एक सप्ताह के अंदर उसका अनावरण करते हुए अभियुक्त सत्येंद्र कुमार मिश्रा पुत्र कविंद्र नाथ मिश्र निवासी ग्राम लीलकर थाना सिकंदरपुर जनपद बलिया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 22500 नकद और मोबाईल बरामद किया गया ।

थर्ड जेंडर समाज ने किया मतदाताओं से शत प्रतिशत वोट देने की अपील

चंदौली। पण्डित दीन दयाल उपाध्याय नगर उप जिलाधिकारी अधिकारी विराग पाण्डेय के निर्देशन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत रविवार को थर्ड जेंडर सोसायटी में उनके द्वारा मतदाता जागरूकता का कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम के अंतर्गत कोमल किन्नर द्वारा लोगों को एक जून को शत प्रतिशत मतदान के लिए अपने समाज और अन्य सभी समाज के लोगों से अपील की गई।इस दौरान पहले मतदान,फिर जलपान₹ के स्लोगन के साथ लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर पण्डित दीन दयाल उपाध्याय नगर उप ज़िला अधिकारी विराग पाण्डेय और कोमल किन्नर द्वारा सामूहिक तौर पर मतदान करने के लिए अपील की गई।

खबरें फटाफट

शहीद मेजर विक्रम सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि मनी

गाजीपुर। ताड़ीघाट स्थित शहीद उपवन में रविवार को शहीद मेंजरे विकासे सिंहे की पांचवीं पूण्यतिथि मनाई गई। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने लाल को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए उनकी शहादत को सलाम किया। यह जनपद सैनिक बहुल है। यहां की धरती को सलाम करता हूं। इसने ऐसे बहादुर जवान दिए। आज हमें फक्र हो रहा है कि ऐसे बहादुर जवान देश के मातृ भूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च न्यौछावर कर दिया ।पारस नाथ राय ने कहा कि आज जरूरत है उनके नक्शेकदम पर चलने का काम करें। मालूम हो कि 14 अप्रैल 2019 को ताडीघाट निवासी मेजर विकासे सिंहे जो कि कश्मीर के कुपवाडा में 57 आर आर बटालियन में तैनात थे रात्रि को माछिल सेक्टर में अपने अन्य सैनिक साथियों के साथ सर्वेक्षण के दौरान एंम्बुश लगा रहे थे कि अचानक उनका पैर फिसल गया,जिसके कारण वह वह गहरे खाईं चले गये। जिसके चलते वह गंभीर रूप से वह जख्मी हो गये जहाँ सेना के कमांड अस्पताल में उनका इलाज के दौरान निधन हो गयो था, ग्रामीणों ने बताया कि मेजरे विकासे सिंहे परिवारे से भी ज्यादा प्रेम अपने साथ सेना में कार्यरत जवानों के साथ करते थे ,वह पूर्व में विपरित परिस्थितियों में होने के बावजूद जान जोखिम में रखते हुए कई बार मौत को मात दिया था। इस अवसर पर कुंवर रमेश सिंह पप्पू ,योगी हर्ष सिंह, अनुराग, मनीष आदि शामिल थे।

आप कार्यकताओं ने मनाया डॉ. अंबेडकर जयंती

केटी न्यूज/जौनपुर

आम आदमी पार्टी द्वारा आह्वान किया गया था कि दिनांक 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ. अंबेडकर की जयंती को ह्यसंविधान बचाओ-तानाशाही हटाओ दिवस के रूप में भारत के लगभग सभी राज्यों में मनाया जाएगा। इसी संदर्भ में आम आदमी पार्टी जौनपुर के कार्यकताओं द्वारा पार्टी कार्यालय पर अंबेडकर जयंती को धूमधाम से मनाया गया। उक्त कार्यक्रम के बाद कार्यकताओं ने संविधान कि शपथ भी लिए।

उक्त कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शामिल हुए जिला अध्यक्ष सूर्य नारायण सिंह (मुन्ना), जिला सचिव एडवोकेट शैलेंद्र यादव, जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी, जिला उपाध्यक्ष अमरनाथ यादव, जिला कोषाध्यक्ष डॉ दिवाकर मौर्य, जिला सोशल मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह, जिला कार्यकारिणी सदस्य केपी गुप्ता, श्यामलाल पटेल, पंचायत प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष मनीष सिंह, श्रम प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव जयप्रकाश चौहान, यूथ विंग जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव, शिक्षक प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष विनय यादव, विनोद चौधरी, विशाल यादव, हरिश्चंद्र, पवन यादव, नितेश चौबे, अमर बहादुर, आदित्य गुप्ता, साहिल कुमार, जियालाल यादव, दिलीप कुमार, धीरज यादव, अनिल यादव, अरविंद यादव शामिल हुए। उक्त कार्यक्रम कि सूचना पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दिया।

भारतीय जनता पार्टी ने मनाई बाबा साहेब अम्बेडकर की जयंती

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व मे भाजपाइयो ने अम्बेडकर तिराहा पर स्थित अम्बेडकर मूर्ति पर माल्यार्पण कर धूमधाम से जयंती मनाई। माल्यार्पण कर उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा की बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का जन्म आज के ही दिन महाराष्ट्र के एक महार परिवार में हुआ इनका बचपन ऐसी सामाजिक, आर्थिक दशाओं में बीता जहां दलितों को निम्न स्थान प्राप्त था दलितों के बच्चे पाठशाला में बैठने के लिए स्वयं ही टाट-पट्टी लेकर जाते थे।

जौनपुर लोकसभा सीट से सपा ने यूपी पूर्व मंत्री बाबू सिंह कुशवाहा को बनाया प्रत्याशी

मछलीशहर सुरक्षित सीट से बसपा उम्मीदवार पूर्व आईएएस सरोज व सपा से प्रिया सरोज मैदान में

केटी न्यूज/जौनपुर

कृपा शंकर सिंह

बाबू सिंह कुशवाहा

प्रिया सरोज

जिले की दो लोकसभा सीटों पर आगामी 25 मई को मतदान होना है।ऐसे में विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा अपने अपने उमीदवार घोषित किया जा रहा है। जौनपुर लोकसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव मैदान में अपने उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह को उतारा था। तो मछलीशहर से अपने पूर्व सांसद बीपी सरोज को एक बार फिर विश्वास जताया है।इसी कड़ी में रविवार को समाजवादी पार्टी ने जौनपुर लोकसभा सीट से बसपा सरकार में रहे पूर्व मंत्री व एनएचआरएम के करोड़ो रुपए के घोटालेबाज बाबू सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार घोषित किया है।वहीं मछलीशहर सुरक्षित सीट से प्रिया सरोज को उम्मीदवार किया घोषित किया है।विदित हो प्रिया सरोज समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद तूफानी सरोज की पुत्री है। तो वही बसपा ने भी अपना पत्ता खोलते हुए मछली शहर लोकसभा सीट से सेवानिवृत्ति पूर्व आईएएस कृपा शंकर सरोज को मैदान में उतारा है। पार्टी कार्यालय पर पहुंचे बसपा प्रत्यासी कृपा शंकर सरोज ने बहन जी का आभार व्यक्त करते हुए कहां की चुनाव में सभी समाज में चलकर भाईचारा कायम करते हुए मछली शहर लोकसभा सीट को जीतकर बहन जी के हाथों को मजबूत करना है। यह मेरी पहली प्राथमिकता है।

सुभाषितम्

कुछ भी इतना कठिन नहीं है अगर आप उसे छोटे-छोटे कार्यो में विभाजित कर ले। - हेनरी फोर्ड

भाजपा का घोषणा पत्र बनाम संकल्प पत्र

भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसे संकल्प पत्र का नाम दिया गया है। इस घोषणा पत्र में तीसरी बार सत्ता में वापसी होने पर भारत में न्याय संहिता लागू की जाएगी। वन नेशन और वन इलेक्शन पर काम किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प पत्र के बारे में अपने संकल्पों को दोहराया। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसानों,युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए घोषणा पत्र में जो कहा है, उसके बारे में विस्तार से समझाया। मछुआरों के लिए बीमा की सुविधा, आदिवासियों के लिए मोटे अनाज को सुपरफुड के तौर पर दुनिया भर में पहचान बनाने, उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने, एसटी-एससी वर्ग के लिए विशेष कार्यक्रम, एकलव्य स्कूल खोलने, रामायण उत्सव मनाने,अयोध्या का विकास और भ्रष्टाचार खत्म करने जैसे कई संकल्पों की घोषणा की। ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट को समाप्त करने और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का बिना किसी भेदभाव के इलाज करने के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार गरीब, गांव और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए विशेष कार्यक्रम चलाएगी। भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में जिन विषयों को संकल्प रूप में दशार्या गया है। वह कब और किस रूप में पूरे होंगे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। 2024 में 2047 का खाका जरूर खींचा गया है। 2014 से भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। पिछले 10 वर्षों में जो वायदे और संकल्प किए गए थे। समय-समय पर जो सपने और घोषणाएं भाजपा ने की थी। मतदाता अब 10 साल बाद उसे विश्वसनीयता की कसौटी पर कसने की मुद्रा में आ गया है। कांग्रेस पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया है। वह ज्यादा स्पष्ट,और मतदाताओं को लुभा रहा है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासी, एससी-एसटी वर्ग प्रत्येक परिवार को न्यूनतम आर्थिक गारंटी, बेरोजगार युवाओं को नौकरी पढ़ाई के बाद स्टाई फंड इत्यादि विषयों को शामिल किया गया है। अब भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र और कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मतदाता चर्चा करेंगें। 2024 की लोकसभा चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच में सीधा मुकाबला है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल 2014 और 2019 की तुलना में ज्यादा आक्रामक है। पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ने जो वायदे जनता से किए थे। उन वादों में कितने वायदे पूरे हुए? राम मंदिर, धारा 370, सीएए जैसे कानून भाजपा के घोषणा पत्र का राजनीतिक एजेंडा था। जो स्वतंत्रता के बाद से और 1990 से पार्टी चलाती आ रही थी। इससे सभी मतदाताओं का सीधा जुड़ाव नहीं था।महंगाई और बेरोजगारी पिछले 10 वर्षों में बढ़ी है। जो भारतीय जनता पार्टी के लिए एक चुनौती के रूप में सामने है। कांग्रेस पार्टी 10 सालों से सत्ता से बाहर है। राहुल गांधी ने जिस तरह से भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को समझा है। उन्हें कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल करके एक बड़ी चुनौती भारतीय जनता पार्टी के लिए खड़ी कर दी है। भाजपा ने आज जो घोषणा पत्र जारी किया है। उसमें स्पष्टता का अभाव है। जिसके कारण 10 वर्षों में जो-जो वायदे जनता से किए गए थे।उनके बारे में जो अविश्वसनियता मतदाताओं के बीच बन गई है। 2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है। मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच राष्ट्रीय स्तर पर है। पांच दशक तक कांग्रेस ने देश में राज किया है।कांग्रेस की पहचान मतदाताओं के बीच मे है। कांग्रेस के कार्यों से जो नाराजी समय-समय पर बनी।आम जनता ने कांग्रेस के खिलाफ मत देकर उन्हें सत्ता से हटाया भी है। भारत के मतदाता समय-समय पर जो निर्णय लेते हैं। वह निश्चित रूप से मतदाताओं की समझदारी को प्रदर्शित करता है।

चिंतन-मनन

वीरत्व की अलंकृति है क्षमा

क्षमा वीरत्व की अलंकृति है। दुर्बल और विवश व्यक्ति द्वारा उद्गीत क्षमा का माहात्म्य उतना प्रखर नहीं हो सकता। ज्ञान की स्फुरणा में मौन की सार्थकता है। शक्ति-संपन्नता में क्षमा की सार्थकता है और त्याग-भावना में आत्मगोपन या अप्रशस्ति की सार्थकता है। शक्ति के अभाव में स्वीकृत का कवच व्यक्ति को कई अवांछनीय परिस्थितियों से त्राण तो दे सकता है, पर उससे क्षमा का वर्चस्व धुंधला हो जाता है। मन के प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न होने पर संभावित प्रोध को शांति से प्रतिहत करने वाला व्यक्ति अपनी क्षमा को तेजस्वी बनाता है। क्षमा के स्वरूप और उसकी क्रियान्विति के संबंध में कोई निश्चित सिद्धांत नहीं बन सकता। अपराध करने वलों और क्षमाशील रहने वालों की अनेक भूमिकाएं हैं। एक मुनि, अपराधी व्यक्ति को क्षमा नहीं करता है तो उसका मुनित्व संदिग्ध हो जाता है। भगवान महावीर के साधना काल में कितनी बार प्रतिकूल परिस्थितियां पैदा की गई, पर महावीर का महावीरत्व उनकी क्षमाशीलता में ही पल्लवित हुआ। राजधर्म क्षमा को ऐकांतिक महत्व नहीं देता। दुष्ट व्यक्ति को दंडित करना राजधर्म के अनुसार विहित है। दंडनीय को दंड न देना राजधर्म का लोप माना जाता है। इससे अराजकता को प्रोत्साहन मिलता है और अपराधी तत्व निरंकुश हो जाते हैं। दंडसंहिता की सारी धाराएं अपराधों का प्रतिकार करने के लिए हैं। समाज के साथ अपराध और अपराधों के साथ दंड-पद्धति का सृजन स्वाभाविक माना जाता है। किंतु यह लोक-व्यवस्था या राज्य-व्यवस्था का सिद्धांत है। अध्यात्म की भूमिका इससे भिन्न है। इसमें अपराधी व्यक्ति स्वयं अपराध-शोधन के लिए प्रायश्चित स्वीकार करता है। अपराधी को बलात दंडित करने या उसके प्रति प्रोध प्रदर्शित करने की बात क्षमा-धर्म द्वारा संभव नहीं है। साधना के पथ पर अग्रसर साधकों के लिए क्षमा के अतिरिक्त दूसरा मार्ग ही नहीं हैं। क्षमा का प्रभाव अप्रतिहत होता है, पर क्षमा-धर्म की साधना है बहुत कठिन।

मतदान की अनिवार्यता और लोकतंत्र की दृढ़ता

-प्रो(डॉ)शरद नारायण खरे

सबको करना चाहिए, निश्चित ही मतदान।
लोकतंत्र मजबूत हो,बढ़े लोक की शान।।

मतदान नागरिकों को नागरिकता के महत्व का एहसास करने में भी मदद करता है। बहुत से लोग यह सोचते हुए वोट नहीं करते कि एक वोट से कोई बदलाव नहीं होगा, लेकिन जैसा कि यह तथ्य है। एक राष्ट्र की राजनीतिक नींव का उपयोग चुनावों के लिए किया जाता है। मतदान एक बुनियादी प्रक्रिया है जो एक देश की सरकारी प्रणाली को बनाती है। यह नागरिकों को अपनी सरकार चुनने में सक्षम बनाता है। यह लोगों को सरकार में अपने प्रतिनिधि चुनने की भी अनुमति देता है। प्रत्येक सरकार का उद्देश्य अपने नागरिकों के लाभ के लिए विभिन्न नीतियों का विकास और कार्यान्वयन करना है। यह मुद्दों और स्पष्टीकरण के बारे में सरकार से सवाल करने के अधिकार वाले व्यक्ति को भी सक्षम बनाता है। मतदान एक लोकतांत्रिक राष्ट्र में एक नागरिक की राय व्यक्त करने का तरीका है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सक्रिय करने के लिए मतदान बहुत महत्वपूर्ण होता है। मतदान नागरिक का अधिकार है, साथ ही यह एक कर्तव्य भी है।

मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार देते हैं। एक मतदान से सरकारें बदल सकती हैं, देश का विकास हो सकता है और समाज में बदलाव आ सकता है। मतदान का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। यह अधिकार हमें संविधान द्वारा प्रदान किया गया है। मतदान के माध्यम से हम अपने देश के प्रतिनिधियों का चुनाव करते हैं। ये प्रतिनिधि हमारी सरकार बनाते हैं और हमारे देश का शासन करते हैं। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग करें और अपने देश के विकास में योगदान दें।

बहुत से लोग मतदान करना चाहते हैं, लेकिन बहुत से लोगों को इसकी आवश्यकता और इसे डालने के तरीके के बारे में जानकारी नहीं होती है। यहीं पर मतदान जागरूकता काम आती है। मतदान जागरूकता का विचार लोगों को मतदान के महत्व को समझने में मदद करना है। मतदाताओं के लिए अपनी सरकार को नियंत्रित करने के लिए मतदान एक महत्वपूर्ण तरीका है। यह नागरिकों के लिए मतदान के बारे में जागरूकता बढ़ाकर यह व्यक्त करने का एक तरीका है कि वे अपने नेताओं से क्या चाहते हैं। इससे बेहतर शासन मिलेगा और हर कोई चाहता है - एक ऐसा लोकतंत्र जो स्वतंत्र, निष्पक्ष और प्रतिनिधित्वपूर्ण हो। मतदान से नागरिकों को अपनी सरकार में अधिक शामिल होने और उसे जवाबदेह बनाए रखने में मदद मिलती है। मतदान करने के लिए, आपको विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। मतदान के अलावा, कुछ कानून भी हैं जो दुनिया भर में निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करते हैं।

मतदान लोकतंत्र का अभिन्न अंग है और लोगों के लिए अपनी बात रखना जरूरी है। सभी को वोट देने का अधिकार है, जिसका अर्थ है कि सभी भारतीय अपनी पसंद के प्रधान मंत्री के लिए वोट कर सकते हैं। मतदान करके, आप बदलाव ला सकते हैं और अपने समुदाय में बदलाव ला सकते हैं। मतदान करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आप किसी कानून को तभी निरस्त कर सकते हैं जब अधिकांश नागरिक उससे सहमत हों। मतदान अपनी सरकार के साथ अधिक नागरिक रूप से जुड़ने का एक तरीका है। अपनी आवाज सुनकर और उन लोगों के विचारों का प्रतिनिधित्व करके दुनिया में बदलाव लाना महत्वपूर्ण है जिनके पास कोई आवाज नहीं है। यदि आप बदलाव लाना चाहते हैं तो मतदान एक बेहतरीन तरीका है। चुनाव में मतदान करने से नागरिकों को यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि देश को बेहतर अधिकार और सुरक्षा प्रदान की जाती है।

मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो हमारे देश के भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। मतदान राजनेताओं को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाए रखने में मदद करता है और हमारे लोकतंत्र के लिए रूपरेखा तैयार करता है

मतदान के माध्यम से हम अपने देश के भविष्य को आकार दे सकते हैं। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारा देश किस दिशा में बढ़े। हम यह तय कर सकते हैं कि हमारे देश में किस तरह की सरकार हो। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने मतदान का सही उपयोग करें। इसी को नैतिक मतदान करना कहा जाता है। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर राज्य, ज़िला, तहसील व खंड स्तर पर व्यापक रूप में मतदाता जागरुकता (स्वीप)अभियान के माध्यम से जागरुकता लाई जा रही है। मेरे महाविद्यालय में भी प्राचार्य के मार्गदर्शन में नोडल अधिकारी व इलेक्ट्रल लिटरेसी क्लब के माध्यम से अनेक गतिविधियों द्वारा मतदान का प्रतिशत बढ़ाये जाने की सतत कोशिशें हो रही हैं। यह यथार्थ है कि मतदान का प्रतिशत जितना अधिक होगा, लोकतंत्र उतना ही अधिक मजबूत होगा।

भूतो न भविष्यति....जब ग्वालियर से अटल जी ने खाई मात...

-राकेश अचल

भारत की सियासत में अनेक नेता अजेय माने जाते है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ऐसे ही नेताओं में से एक थे ,लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ने 1985 का लोकसभा चुनाव सिंधिया परिवार को टूटने से बचाने के लिए किया गया एक बड़ा बलिदान है। अटल जी ने उस चुनाव में अपने सियासी जीवन की सबसे बड़ी पराजय का सामना किया था। अटल जी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। माधवराव सिंधिया ने 1971 ,77 और 1980 का लोकसभा चुनाव गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से लड़ा था । माधवराव सिंधिया को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों ने पूरी ताकत लगाई लेकिन वो कभी चुनाव नहीं हारे। बाद में माधवराव सिंधिया कांग्रेस में शामिल हो गए और 1985 में कांग्रेस ने भाजपा के सबसे बड़े नेता अटल बिहारी बाजपेयी को हारने के लिए माधवराव सिंधिया को तुरुप के पत्ते की तरह इस्तेमाल करते हुए गवालियर सीट सेअटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ ग्वालेऔर सीट से मैदान में खड़ा कर दिया। ये फैसला नामांकन पत्र भरने के अंतिम क्षणों में हुआ बाजपेयी के खिलाफ किसी दूसरी सीट से नामांकन भरने का वक्त ही नहीं बचा था। मुझे याद है कि उस समय राजमाता और माधवराव सिंधिया के बीच दूरियां बढ़ने लगी थी। माधवराव सिंधिया जनसंघ छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। जिस कारण से राजमाता नाराज थीं। ऐसे में राजमाता ने भी 1984 का लोकसभा चुनाव ग्वालियर से लड़ने की बात कही थी। अटल बिहारी वाजपेयी को जैसे ही राजमाता के ग्वालियर से चुनाव लड़ने की भनक लगी वो सीधे ग्वालियर आकर राजमाता से मिले और कहा कि मैं कोटा की जगह ग्वालियर से चुनाव लडूगा।अटल जी ने ये प्रस्ताव भावुकता में किया था ,उन्हें क्या पता था कि उनका ये फैसलना आत्मघाती साबित होगा। माधवराव सिंधिया ने उन्हें करीब पौने दो लाख वोटों से हराया था।

भाजपा 1984 के लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी के लिए एक सुरक्षित सीट की तलाश में थी। जिसके लिए पहले कोटा और बाद में ग्वालियर सीट पर विचार किया गया,अंत में ग्वालियर सीट से उनका नाम फाइनल किया था क्योंकि ये सीट राजमाता के प्रभाव वाली सीट थी। मजे की बात ये है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने ग्वालियर से चुनाव लड़ने से पहले माधवराव सिंधिया से पूछा था कि आप ग्वालियर से तो चुनाव नहीं लड़ेंगे ? दोनों के रिश्ते बहुत मधुर थे। माधवराव सिंधिया ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे तो गुना से चुनाव लड़ते हैं। ग्वालियर से क्यों लड़ेंगे ?। लेकिन ऐन मौके पर जब राजीव गांधी ने माधवराव सिंधिया की सीट बदल दी तो खुद माधवराव सिंधिया अवाक रह गए। 1984 -85 में अटल बिहारी वाजपेयी वैसे तो माधवराव सिंधिया की उम्मीदवारी सामने आते ही आधा चुनाव हार गए थे ,लेकिन उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। पांव में तकलीफ के बाद भी वे प्लास्टर बांधकर चुनाव प्रचार करते १ँ। भाजपा के कुछ स्थानीय कार्यकताओं ने अटल जी कि ऊँट पल पर हुई सभा में बम रखे होने की अफवाह उड़ाई और एक नारियल छिपकर रख दिया लेकिन हवा को नहीं बदलना था ,सो नहीं बदली। अटल जी मन मारकर गलीई-गली चुनाव प्रचार करते रह। खुद राजमाता ने सार्वजनिक रूप से अटल जी का प्रचार किया लेकिन उनका दिल आपने बेटे की जीत के लिए धड़क रहा था। पार्टी कार्यकताओं ने भी राजमाता के मन की बात सुनी और अटल जी का साथ छोड़ दिया। अटल जी को चुनाव है=रना था सो चुनाव हार गए। चुनाव परिणामों की अंतिम घोषणा से पहले ही अटल जी ने कुछ चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में एक खीज भरी मुस्कराहट बिखेरते हुए कहा कि - ग्वालियर से चुनाव लड़कर मैंने मां -बेटे की लड़ाई को महल तक सीमित रहने दिया। उसे सड़क पर नहीं आने दिया।मुझे अच्छी तरह से याद है कि अटल जी ने कहा था कि- अगर मैं इस सीट से चुनाव नहीं लड़ता तो माधवराव सिंधिया के खिलाफ राजमाता चुनाव लड़ जाती और मैं यही नहीं चाहता था। आपको याद होगा कि राजमाता में राजहठ बहुत था। इससे पहले वे पार्टी के मना करने के बावजूद रायबरेली से इंदिरा गाँधी के खिलाफ चुनाव लड़कर हार चुकी थी।भाजपा कि सिंधिया परिवार के प्रति भक्ति अटल जी की हार का कारण बनी । कांग्रेस ने जब माधवराव सिंधिया को कांग्रेस से बाहर कर दिया था उस समय भी भाजपा ने सिंधिया को ग्वालियर से वॉक-ओव्हर देते हुए अपने प्रत्याशी को मैदान से हटा लिया था,वो भी केवल राजमाता की वजह से। 1984 -85 के लोकसभा चुनाव में पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पिता माधवराव सिंधिया के समर्थन में रैली की थी। ये उनकी पहली रैली थी। उस समय ज्योतिरादित्य सिंधिया की उम्र मात्र 14 साल थी। उन्होंने अपनी मां के साथ अपने माधवराव सिंधिया के लिए चुनाव प्रचार किया था। वहीं, राजमाता ने चुनाव प्रचार में केवल एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि एक ओर पूत है, दूसरी ओर सपूत।

आजाद के बाद गुमनाम हुए आजाद

- संजय गोस्वामी

आजादी दिलाने में जितने भी स्वतंत्रता सेनानी हैं उन्हें नमन करना जरुरी है क्योंकि वह खुद के लिए नहीं भारत माता की रक्षा हेतु अपने प्राणों की आहुति दी है , भारत को आजादी दिलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की ऐसी घटना सामने आती है जो गुमनाम हो गए जो देश के आदर्शो पर अपने प्राण कम उम्र में खुद ही लेकर शहीद हो गए । लेकिन जानकारी के अभाव में अक्सर लोग भूल जाते हैं लेकिन देशभक्त जो शहीद हो जाते हैं वो भी खुद गोली अपने सर में चलाकर इतना बड़ा देशप्रेम में कई चेहरे हैं जो पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया ना ही उसपर किसी राजनेता का ध्यान गया अब गुमनाम-सा हो रहें हैं क्योंकि कोई भी राजनीति पार्टी को देश के शहीदों को भी अपने हिसाब से याद करते हैं ऐ पुरानी राजनीती परंपरा को बदलने की आवश्यकता है आज से करीब 93साल पहले 27 फरवरी 1931 को, प्रयागराज के अल्फ्रेड पार्क में अंग्रेजों से लड़ते हुए वह शहीद हो गए थे। आज भी लोग आजाद का नाम बहुत सम्मान से लिया करते हैं।चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्य प्रदेश के भावरा गाँव में हुआ था। उनका पूरा नाम चंद्रशेखर तिवारी था। देश के लिए उनके बलिदान को देखते हुए उनके गाँव का नाम आजादपुरा रख दिया गया है। 1922 में आजाद की मुलाकात राम प्रसाद बिस्मिल से हुई जिसके बाद उनका जीवन ही बदल गया और उन्होंने देश को अंग्रजों से आजाद करवाने की कसम खाई। उनके नाम से अंग्रेजी हुकूमत थर-थर कांपा करती थी।ब्रिटिश सरकार ने एक बार उन्हें बचपन में 15 कोड़ों की सजा दी थी, तब आजाद ने कसम खाई थी कि वह दोबारा पुलिस के हाथ कभी नहीं आएंगे। वह अक्सर गुनगुनाया करते थे।।दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे।।।आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे। काकोरी कांड में भी जब सभी क्रांतिकारी पकड़े गए थे, तब भी चंद्रशेखर आजाद को कोई नहीं पकड़ सका था। चंद्रशेखर आजाद ने कसम खाई थी कि चाहें कुछ भी हो जाए लेकिन वह जिंदा अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे। इसलिए जब 27 फरवरी 1931 को अंग्रेजों ने इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में उन्हें चारों तरफ से घेर लिया था तो उन्होंने अकेले ही ब्रिटिश सैनिकों से मुकाबला किया। जब उनकी रिवाल्वर में आखिरी गोली बची तो उन्होंने खुद पर ही गोली चला दी, जिससे वह जिंदा न पकड़े जाएँ। आजाद को डर था कि अगर वह जिंदा पकड़े गए तो अंग्रेजी हुकूमत को जड़ से मिटाने का उनका सपना अधूरा रह जाएगा। दरअसल आजाद अल्फ्रेड पार्क में भगत सिंह को जेल से निकालने समेत कई महत्त्वपूर्ण विषयों पर अपने साथियों के साथ बैठक कर रहे थे लेकिन तभी उन्हें खबर लगी कि अंग्रेजों ने पार्क को चारों तरफ से घेर लिया है। आजाद ने अंग्रेजों से अकेले ही मुकाबला करते हुए अपने साथियों को पार्क से बाहर निकाल दिया, जिससे भारत की आजादी के लिए बनाई उनकी योजनाओं पर कोई प्रभाव न पड़े। जब उनकी रिवाल्वर में आखिरी गोली बची तो उन्होंने अंग्रेजों के हाथ आने की वजाय खुद के जीवन को खत्म करना चुना और उस आखिरी गोली से अपना जीवन खत्म कर दिया।आज ऐ आलम है कि कुछ गिने चुने कॉलेज और कुछ ही फोटो गूगल में मिलती है जो चिंता का विषय है एक बार प्रयागराज में किसी सामाजिक संस्थान ने चंद्रशेखर आजाद की याद में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ वहाँ लाचारी से मुझे भी जाने का अवसर मिला जहाँ बड़े बड़े कॉलेज के प्रोफेसर थे मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि मेरे पेपर स्वीकार किए जायेंगे वहाँ ऐ मालूम हुआ कि उनके बारे में जानकारी सोशल मीडिया में बहुत ही कम थी और लगभग सभी को बुलाया गया।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन आर्थिक मामलों में काफी शानदार होगा और आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे।	**तुला** दिन खुशी में बीतेगा। आपको अकस्मात धन लाभ होने से आपके कोष में वृद्धि होगी।
वृषभ आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। कोई इच्छा पूर्ण होने से आपका मन प्रसन्न होगा।	**वृश्चिक** बिजनस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है।
मिथुन आपकी पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको राज्य से सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।	**धनु** आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आज आप अपना पुराना लोन चुका पाएंगे।
कर्क ग्रहों की शुभ दशा से आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी और बहुत दिनों से रुका धन मिलेगा।	**मकर** आपके धन में वृद्धि होगी। आज का दिन आपके लिए भाग्य और विकास से भरा होगा।
सिंह आज आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे। परिवार के लोगों से आपको हर प्रकार का सहयोग प्राप्त होगा।	**कुंभ** आज का दिन सफलता से भरा होगा। आपको हर कार्य में सफलता प्राप्त होगी।
कन्या आज आर्थिक मामलों में लाभ होगा और आपकी कारोबार से जुड़ी योजनाएं पूर्ण होंगी।	**मीन** कारोबार से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी। चंद्रमा की शुभ दृष्टि से आपको लाभ होगा।

विशेष

दो पाँटों के बीच फंसे नीतीश कुमार

बिहार में भाजपा और जनता दल यू का गठबंधन हो गया है। इसके बाद भी नीतीश कुमार की परेशानी कम नहीं हो रही है। चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और जीतन राम मांझी उनके लिए लगातार मुसीबत खड़ी कर रहे हैं। नीतीश कुमार के निकट के लोगों को गठबंधन में जगह नहीं मिली। वोटो का समीकरण जदयू का गड़बड़ा रहा है। जिनको नीतीश कुमार एनडीए में लाना चाहते थे। उन्हें नहीं ला पाए हैं। एनडीए गठबंधन में नीतीश कुमार के दुश्मन पावरफुल हो रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब यह कहा जा रहा है, लोकसभा चुनाव के बाद और विधानसभा चुनाव के पहले एनडीए गठबंधन का बिहार में बिखरना तय है।

वरुण गांधी के राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें

वरुण गांधी तीन बार पीलीभीत संसदीय क्षेत्र सेभाजपा की टिकट पर सांसद चुने गए हैं। पिछले कुछ वर्षों से वह भाजपा की नीतियों को लेकर अपना विरोध जताते रहे हैं। भाजपा ने उन्हें कभी चेतावनी नहीं दी। नाही पार्टी से निकाला। यह माना जा रहा था, कि भाजपा इस बार उन्हें टिकट नहीं देगी। भाजपा उन्हें पार्टी से निकलकर सहानुभूति भी नहीं बनने देना चाहती थी। सपा और कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही थी। उनकी मां मेनका गांधी को भाजपा से टिकट मिल गई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1658: धमत की लड़ाई में औरंगजेब ने दारा शिकोह और शाहजहां द्वारा भेजे गये राजा जसबंत सिंह को हराया. 1895: बाल गंगाधर तिलक ने रायगढ़ किले में शिवाजी समारोह का उद्घाटन किया. 1923: कनाडा के डॉक्टर फ्रेडरिक बैटिंग द्वारा खोजा गया इन्सुलिन मधुमेह के रोगियों के लिए जारी किया गया. 1940: आनंद बाजार पत्रिका बच्चों का कालम शुरू करने वाला पहला अखबार बना, 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में फिलीपींस में अमेरिकी ठिकानों पर बमबारी को. 1968: सोवियत संघ के दो स्पुतनिक अंतरिक्ष में एक- दूसरे से जुड़ गये. 1974: नाइजर में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1975: सिक्किम जनता विधानसभा द्वारा भारत में विलय का प्रस्ताव, 1977: पाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शनों में 8 व्यक्ति मारे गये व कई घायल हुए.

दैनिक पंचांग

15 अप्रैल 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

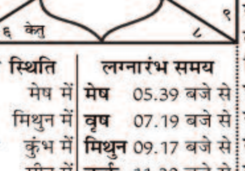

सोमवार 2024 वर्ष का 106 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि सप्तमी 12.12 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 03.06 बजे रात्र को समाप्त।
योग सुकर्मा 23.08 बजे को समाप्त।
करण वणिज 12.12 बजे तदनन्तर विष्टि 00.43 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 06.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871950
जूलियन दिन 2460415.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना सव्वाल
तारीख 05

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	मेष	05.39 बजे से
चंद्र	मिथुन में	वृष	07.19 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	09.17 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.30 बजे से
गुरु	मेष में	सिंह	13.47 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	15.58 बजे से
शनि	कुंभ में	तुला	18.09 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.24 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	22.40 बजे से
राहुकाल		मकर	00.45 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	02.31 बजे से
बजे तक		मीन	04.04 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वेस्ट यूपी में महिलाओं से सियासी दलों का किनारा

सिर्फ कैराना और मथुरा से नारी शक्ति

कैराना सीट पर समाजवादी पार्टी ने इकरा हसन तो मथुरा से बीजेपी ने हेमा मालिनी को लोकसभा के लिए कैंडिडेट बनाया है। बाकी किसी दल ने अभी तक एक भी महिला को टिकट नहीं दिया। इससे पहले भी वेस्ट यूपी की कई सीट ऐसी हैं, जहां से अभी तक कोई महिला लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद नहीं बन सकी।

महिलाओं को सियासत समेत हर क्षेत्र में 33 फीसदी आरक्षण देने के पक्षधर सभी राजनीतिक दलों ने वेस्ट यूपी में होने वाले लोकसभा चुनाव में उनकी उपेक्षा की है। कैराना सीट पर समाजवादी पार्टी ने इकरा हसन तो मथुरा से बीजेपी ने हेमा मालिनी को लोकसभा के लिए कैंडिडेट बनाया है। बाकी किसी दल ने अभी तक एक भी महिला को टिकट नहीं दिया। इससे पहले भी वेस्ट यूपी की कई सीट ऐसी हैं, जहां से अभी तक कोई महिला लोकसभा चुनाव जीतकर सांसद नहीं बन सकी। ये हालात तब हैं, जब महिलाओं को आधी आबादी कहा जाता है। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड पर गौर करें तो मेरठ में 12,29,889, सहारनपुर में 12,25,125, बिजनौर में 12,77,271, शामली में 7,98,729, बागपत में 6,82,482, मुजफ्फरनगर में 9,88,919 महिला मतदाता हैं।

पहले जरूर महिलाओं को मिली तवज्जो

वेस्ट यूपी के चुनाव रिकॉर्ड खंगालें तो कैराना से 2004 में पहली बार आरएलडी की महिला अनुराधा चौधरी, 2009 और एक बार उपचुनाव में तबस्सुम हसन सांसद चुनी गई थीं। मुरादाबाद लोकसभा सीट से महिला कैंडिडेट तो पहले बनी, लेकिन जीत नहीं सकी। मुजफ्फरनगर, बागपत और सहारनपुर से भी आज तक कोई महिला सांसद नहीं बनी। मेरठ मोहसिना किदवई दो बार सांसद रहीं। 1984 के चुनाव में जनता पार्टी से अंबिका सोनी और निर्दलीय प्रत्याशी नाहिदा मालिक, 2014 में कांग्रेस ने सिने अभिनेत्री नगमा को लड़ाया, लेकिन सभी हारीं। बिजनौर से 1985 में कांग्रेस की पहली बार मीरा कुमार सांसद चुनी गईं। 1989 में बिजनौर से बीएसपी से पूर्व मुख्यमंत्री मायावती और 1998 में एसपी से ओमवती सांसद बनीं।

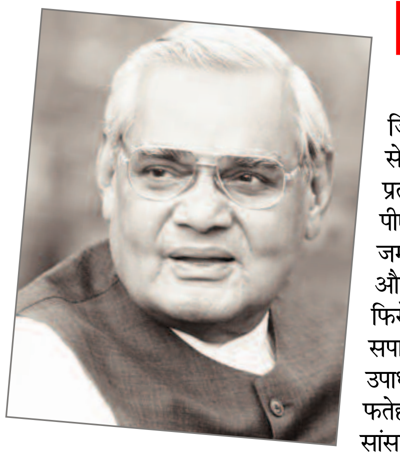

अटल बिहारी को भी हराया

वेस्ट यूपी के हाथरस जिले के कई राजनेताओं ने दूसरे जिलों में जाकर अपनी राजनीति का लोहा मनवाया। स्वतंत्रता सेनानी 32 साल तक आजादी की जंग लड़ने वाले राजा महेंद्र प्रताप 1957 में मथुरा जाकर लोकसभा का चुनाव लड़े थे। पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी को उन्होंने हराया ही नहीं, बल्कि जमानत जब्त करा दी थी। सादाबाद के गांव बहरदोई निवासी और हाथरस में राजनीति करने वाले रामजीलाल सुमन फिरोजाबाद से चार बार सांसद रहे। केंद्रीय मंत्री भी रहे। फिलहाल सपा से राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए हैं। पूर्व मंत्री रामवीर उपाध्याय की पत्नी सीमा उपाध्याय ने 2009 में आगरा जिले की फतेहपुर सीकरी सीट से बसपा से सिने स्टार राज बब्बर को हराकर सांसद बनी।

बरेली मंडल में कभी नहीं जीती बसपा

बरेली मंडल में बरेली, शाहजहांपुर, पीलीभीत, बदायूं और आंवला लोकसभा सीट आती हैं, लेकिन यहां बसपा का हाथी कभी सफल नहीं रहा। इस बार भी बसपा की राह आसान नहीं लग रही है। बरेली लोकसभा सीट भाजपा का गढ़ रही है। यहां से 8 बार से भाजपा जीत रही है। बरेली सीट पर पहला चुनाव बसपा 1996 के लोकसभा का लड़ी थी। हार गई थी। 2004, 2009, 2014 में बसपा हरी थी। 2019 के बसपा ने गठबंधन से लोकसभा चुनाव लड़ा था। बदायूं लोकसभा चुनाव में 2014, 2009 में बसपा हारी थी। यहीं स्थिति आंवला लोकसभा सीट, शाहजहांपुर लोकसभा सीट, पीलीभीत लोकसभा सीट की रही। इन सीटों पर बसपा लोकसभा के, सभी चुनाव हारी। पीलीभीत तो गांधी परिवार की विरासत रही है। छह बार मेनका गांधी और दो बार वरुण गांधी इस सीट पर सांसद चुने गए।

प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा या कुछ और...

ताजा सर्वे के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा गुजरात की 26 की 26 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए दिख रही है। ऐसे में एक सवाल सामने आता है कि आखिर वो कौन सा सबसे बड़ा फैक्टर है जिस वजह से बीजेपी गुजरात में तीसरी बार क्लीन स्वीप करने के बिलकुल करीब है। इस दौरान कांग्रेस के पास गुजरात में अपना प्रदर्शन बेहतर करने का एक बड़ा मौका भी है।

पिछले दो बार के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी गुजरात की सभी सीटों पर जीत के साथ क्लीन स्वीप कर रही है। ताजा सर्वे के अनुसार, 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा गुजरात की 26 की 26 सीटों पर जीत दर्ज करते हुए दिख रही है। ऐसे में एक सवाल सामने आता है कि आखिर वो कौन सा सबसे बड़ा फैक्टर है जिस वजह से बीजेपी गुजरात में तीसरी बार क्लीन स्वीप करने के बिलकुल करीब है। इस दौरान कांग्रेस के पास गुजरात में अपना प्रदर्शन बेहतर करने का एक बड़ा मौका भी है।

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि प्रधानमंत्री 'नरेन्द्र मोदी का करिश्मा' सबसे बड़ा कारक है। 'मोदी का करिश्मा' उन प्रमुख कारकों में से एक है जो गुजरात में लोकसभा चुनाव के दौरान मतदाताओं को संभवत~ सर्वाधिक प्रभावित करेंगे। गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीट के लिए एक चरण में सात मई को मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी।

गुजरात के लोकसभा चुनावों में सत्ताविरोधी भावना, बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं जैसी कुछ अन्य महत्वपूर्ण मुद्दे भी हैं। लेकिन भाजपा की कोशिश गुजरात की सभी 26 लोकसभा सीट पर कब्जा बरकरार रखने की होगी जिनपर उसने वर्ष 2019 के चुनाव में जीत दर्ज की थी। यह रहेंगे राजनीतिक मुद्दे।

प्रधानमंत्री मोदी का करिश्मा

सत्ताधारी भाजपा के पास प्रधानमंत्री मोदी के रूप में एक तुरुप का पत्ता है जो गुजरात से हैं और वर्ष 2001 से 2014 तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं। अपने गृह राज्य में समर्थकों पर उनका दबदबा अब भी बरकरार है।

गुजरात में भाजपा क्यों करती है क्लीन स्वीप

कांग्रेस के पास भी एक बड़ा मौका

सत्ताविरोधी भावना

राजनीतिक जानकारों का मानना ??है कि विपक्षी पार्टी कांग्रेस, केंद्र में भाजपा के पिछले 10 साल के शासन के दौरान किसी भी सत्ता विरोधी भावना का फायदा उठाने की कोशिश करेगी। उन्हें लगता है कि विचारधारा के आधार पर वोट नहीं देने वाले लोगों को उचित विकल्प पेश करके विपक्ष द्वारा प्रभावित किया जा सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह कांग्रेस के लिए एक बड़ा मौका हो सकता है।

महंगाई

महंगाई के प्रभाव के संदर्भ में निम्न और मध्यम आय वाले परिवार सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। इसलिए यह इस बात पर विचार करने में निर्णायक कारक होगा कि पिछले 10 वर्षों में मूल्य वृद्धि ने लोगों के जीवन को कैसे प्रभावित किया है। इस मुद्दे को लेकर विपक्ष लगातार मोदी सरकार पर निशाना साध रहा है।

बेरोजगारी

यह एक और मुद्दा है जिसका उपयोग कांग्रेस लगातार केंद्र पर हमला करने के लिए कर रही है। चूंकि यह मुद्दा सीधे तौर पर आम लोगों के जीवन को प्रभावित करता है, इसलिए जब मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे तो उनके मन में यह बात सबसे ऊपर होगी।

दूरदराज के क्षेत्रों में बुनियादी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव- यदि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल की कक्षाओं का निर्माण किया जाता है, तो वहां शिक्षकों की कमी होती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और चिकित्सकों की कमी भी ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

किसानों के मुद्दे

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ज्यादा बारिश के कारण फसल के नुकसान के लिए पर्याप्त मुआवजे की कमी, उर्वरकों की अनुपलब्धता और परियोजना विकास के लिए भूमि अधिग्रहण जैसे मुद्दे भी मतदाताओं के रुख को प्रभावित करने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

इस चुनाव में बीजेपी केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही: प्रकाश जावडेकर

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पार्टी के केरल प्रभारी प्रकाश जावडेकर ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी पार्टी इस लोकसभा चुनाव में केरल में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रही है। निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के एक दिन बाद, जावडेकर ने यहां प्रेस वार्ता में कहा ''मतदाताओं के मन में मंथन चल रहा है। राज्य में यह दिख रहा है और यह भाजपा के लिए बड़े लाभ में तब्दील होगा।'' केरल में 26 अप्रैल को मतदान होगा। जावडेकर ने दावा किया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेतृत्व वाले 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट' (एलडीएफ) और कांग्रेस के नेतृत्व वाले 'यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट' (यूडीएफ) का केरल में कोई भविष्य नहीं है। जावडेकर ने कहा, ''हम (भाजपा) इस चुनाव में केरल की राजनीति में हमेशा के लिए बदलाव लाने जा रहे हैं। केरल के मतदाताओं के मन में बड़ा मंथन चल रहा है। 2019 में, उन्हें विश्वास दिलाया गया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री बनेंगे। इस बार, कांग्रेस नेताओं समेत सभी को यकीन है कि उनके प्रधानमंत्री बनने की कोई संभावना नहीं है।'' केरल में भाजपा का अभी तक खाता नहीं खुला है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, 2021 के विधानसभा चुनाव में राज्य में भाजपा का कुल पड़े वोट में हिस्सा 12 प्रतिशत से कम था। यूडीएफ और एलडीएफ के घटक दलों को ''अतीत की पार्टियां'' बताते हुए जावडेकर ने कहा, ''केरल में वे छद्म लड़ाई लड़ रही हैं। वे व्यावहारिक रूप से अन्य सभी राज्यों में सहयोगी हैं और यहां केरल में रणनीतिक रूप से एक साथ हैं।'' उन्होंने दावा किया कि एलडीएफ और यूडीएफ के पास राज्य को देने के लिए कुछ भी नया नहीं है।

गहलोत- पायलट सीधे मैदान में नहीं उतरे, पर इन सीटों से जुड़ी है साख

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस ने राजस्थान की 10 सीटों पर प्रत्याशियों के नाम घोषित कर दिए हैं। अब तक पार्टी ने तीन पूर्व मंत्रियों और तीन मौजूदा विधायकों को लोकसभा चुनाव में उतारा है लेकिन किसी दिग्गज नेता को प्रत्याशी घोषित नहीं किया। दिग्गज नेता से तात्पर्य अशोक गहलोत, सचिन पायलट, डॉ. सीपी जोशी, नमोनारायण मीणा और भंवर जितेंद्र सिंह सरीखे नेताओं से हैं। इनमें से किसी भी नेता को पार्टी ने लोकसभा चुनाव में नहीं उतारा है। गहलोत तीन बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके हैं। वे पांच बार लोकसभा सांसद और तीन बार केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। प्रदेश में पिछले दो लोकसभा चुनाव नतीजे, ओपिनियन सर्वे और कांग्रेस की हालत दयनीय होने के बावजूद गहलोत लोकसभा चुनाव में नहीं उतरे हैं। उधर, पूर्व केंद्रीय मंत्री रहे सचिन पायलट, भंवर जितेंद्र सिंह और डॉ. सीपी जोशी को भी अभी तक लोकसभा चुनाव में नहीं उतारा है। भले ही कांग्रेस ने इन बड़े नेताओं को लोकसभा चुनाव में नहीं उतारा लेकिन लोकसभा चुनाव में इन नेताओं की साख जुड़ी हुई है।

गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत जालौर -सिरोही से प्रत्याशी- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत पिछले लोकसभा चुनाव में जोधपुर सीट से चुनाव हार चुके हैं। पिछली बार वे बीजेपी के गजेंद्र सिंह शेखावत के सामने चुनाव हारे थे। इस बार भी बीजेपी ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को चुनाव मैदान में उतारा है। कांग्रेस ने वैभव गहलोत को जोधपुर की बजाय जालौर सिरोही लोकसभा सीट से प्रत्याशी बनाया है। जोधपुर सीट से वैभव गहलोत के फिर से हारने का डर था। इसी वजह से कांग्रेस ने उन्हें जालौर सिरोही से प्रत्याशी बनाकर जीत की उम्मीद लगाई है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत एक बार जालौर सिरोही क्षेत्र का दौरा भी कर चुके हैं और उस लोकसभा सीट से लोगों को जयपुर बुलाकर मिल भी चुके हैं। वैभव को प्रत्याशी बनाने के बाद पूर्व सीएम की साख अब इस सीट से जुड़ गई है।

टोंक सवाई माधोपुर से हरीश मीणा प्रत्याशी

टोंक विधानसभा क्षेत्र से पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट विधायक हैं। वे लगातार दो बार टोंक से चुनाव जीत चुके हैं और पूर्व में केंद्रीय मंत्री भी रह चुके हैं। पार्टी के कद्दावर नेता को कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में नहीं उतारा है। इसी सीट से लोकसभा सांसद रहते हुए कैबिनेट मंत्री रह चुके नमोनारायण मीणा को भी प्रत्याशी नहीं बनाया गया।

यह समय मक्का की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने का उचित समय है। मानसून के आगमन के साथ मक्का बोना चाहिए मक्का भारत में गेहूं के बाद उगाया जाने वाली दूसरी महत्वपूर्ण फ़सल है। हमारे देश के अधिकांश मैदानी भागों से लेकर 2700 मीटर ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों तक मक्का सफलतापूर्वक उगाया जाता है। यह एक बहुपयोगी फ़सल है क्योंकि मनुष्य और पशुओं के आहार का प्रमुख अवयव होने के साथ ही औद्योगिक दृष्टिकोण से भी यह महत्वपूर्ण भी है।

खरीफ में मक्का की बुवाई

भारत में इस फ़सल के खेती लगभग 1600 ई0 के अन्त में ही शुरू की गई और वर्तमान में भारत संसार के प्रमुख उत्पादक देशों में एक है। भारत में मक्का की विविध क़िस्में उत्पन्न की जाती है जो कि शायद ही किसी अन्य देश में सम्भव हो। इसका प्रमुख कारण भारत की जलवायु की विविधता हैं।

कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और विटामिनों से भरपूर मक्का शरीर के लिए ऊर्जा का अच्छा स्त्रोत है साथ ही बेहद सुपाच्य भी. इसके साथ मक्का शरीर के लिए आवश्यक खनिज तत्वों जैसे कि फ़ासफ़ोरस, मैग्निशियम, मैगनिज, ज़िंक, कॉपर, आयरन इत्यादि से भी भरपूर फ़सल है।

भारत में मक्का की खेती तीन ऋतुओं में की जा सकती है, ख़रीफ़ (जून से जुलाई), रबी (अक्टूबर से नवम्बर) एवं ज़ायद (फ़रवरी से मार्च)।

यह समय मक्का की बुवाई के लिए खेतों को तैयार करने का उचित समय है। मानसून का आरम्भ अर्थात वर्षा के आगमन के साथ मक्का बोना चाहिए, परंतु अगर सिंचाई के पर्याप्त साधन हो तो 10-15 दिन पहले भी बुवाई की जा सकती है। बीज की बुवाई मेड़ के किनारे व ऊपर 3-5 सेमी. की गहराई पर करनी चाहिए। बुवाई के एक माह बाद मिट्टी चढ़ाने का कार्य करना चाहिए। बीज को बोने से पहले किसी फंफूदनाशक दवा जैसे थायरम या एग्रोसेन जी.एन. 2.5-3 ग्राम प्रति किलो बीज के दर से उपचारित करके बोना चाहिए। बीज को एजोस्पाइरिलम या पी.एस.बी.कल्चर (5-10 ग्राम प्रति किलो बीज) से उपचारित करना चाहिए।

पौधे लगाते हुए उनके बीच की दूरी का ध्यान रखना भी आवश्यक है। बीज को बोने के दौरान पौधों में अंतर लगाए जाने वाली प्रजाति के अनुसार होना चाहिए उदाहरण के लिए शीघ्र पकने वाली प्रजातियों (70-75 दिन) में कतार से कतार में 60 सेमी. एवं पौधे से पौधे-20 सेमी., मध्यम/देरी से पकने वाली प्रजातियों के लिए कतार से कतार-75 सेमी. पौधे से पौधे-25 सेमी. और हरे चारे के लिए कतार से कतार- 40 सेमी. और पौधे से पौधे में 25 सेमी. की दूरी रखना उचित रहता है।

मक्का की क़िस्में

अवधि के आधार पर मक्का की क़िस्मों को निम्न चार प्रकार में बाटा गया है

अति शीघ्र पकने वाली किस्में (75 दिन से कम)- जवाहर मक्का-8, विवेक-4, विवेक-17, विवेक-43, विवेक-42, प्रताप हाइब्रिड मक्का-1.

शीघ्र पकने वाली किस्में- (85 दिन से कम)- जवाहर मक्का-12, अमर, आजाद कमल, पंत संकुल मक्का-3, चन्द्रमणी, प्रताप-3, विकास मक्का-421, हिम-129, डीएचएम-107, डीएचएम-109, पूसा अरली हाइब्रिड मक्का-1, पूसा अरली हाइब्रिड मक्का-2, प्रकाश, पी.एम.एच-5, प्रो-368, एक्स-3342, डीके सी-7074, जेकेएमएच-175, हाईशेल एवं बायो-9637.

मध्यम अवधि मे पकने वाली किस्में (95 दिन से कम)- जवाहर मक्का-216, एचएम-10, एचएम-4, प्रताप-5, पी-3441, एनके-21, केएमएच-3426, केएमएच-3712, एनएमएच-803 , बिस्को-2418

देरी की अवधि मे पकने वाली (95 दिन से अधिक)- गंगा-11, त्रिसुलता, डेक्कन-101, डेक्कन-103, डेक्कन-105, एचएम-11, एचक्यूपीएम-4, सरताज, प्रो-311, बायो-9681, सीड टैक-2324, बिस्को-855, एनके 6240, एसएमएच-3904.

खेत की तैयारी ऐसे करें

भूमि की तैयारी करते समय 5 से 8 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद खेत मे मिलाना चाहिए और भूमि परीक्षण उपरांत जहां जस्ते की कमी हो वहां 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर जिंक सल्फेट वर्षा से पूर्व डालना चाहिए। खेतों में डाले जाने वाले खाद व उर्वरक की मात्रा भी चुनी हुयी प्रजाति पर ही निर्भर करती है जो निन्मवत है

शीघ्र पकने वाली क़िस्मों के लिए : 80 : 50 :30
मध्यम पकने वाली क़िस्मों के लिए: 120 :60 :40
देरी से पकने वाली क़िस्मों के लिए: 120 :75 : 50

मक्का की खेती के दौरान खाद व उर्वरक की सही विधि अपनाने से मक्का की वृद्धि और उत्पादन दोनों को ही फ़ायदा होता है। जैसे कि डाली जाने वाली पूरी नाइट्रोजन की मात्रा का तीसरा भाग बुआई के समय, दूसरा भाग लगभग एक माह बाद साइड ड्रेसिंग के रूप में, तथा तीसरा और अंतिम भाग नरपुष्पों के आने से पहले। फ़ोसफ़ोरस और पोटाश दोनों की पूरी मात्रा को बुआई कि समय मिट्टी में डालना चाहिए जिससे ये पौधों के जड़ो से होकर पौधों में पहुँच सके और उनकी वृद्धि में अपना योगदान दे सकें।

सिंचाई

मक्के के फ़सल को अपने पूरे फ़सल अवधि में 400-600 मिमी. पानी की आवश्यकता होती है। पानी देने की महत्वपूर्ण अवस्था पुष्पों के आने और दानों के भरने का समय होता है अतः इस बात का ध्यान रखने की आवश्यकता है। मक्के के खेत में 15 से 20 व 25 से 30 दिनों तक खर-पतवार नियंत्रण व निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। खरपतवार को निकलते वक़्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वो जड़ से नष्ट हो, बीच से टूटने से वो और तीव्रता से बढ़ते हैं।

मक्का एक ऐसी फ़सल है जिसके साथ अंतरवर्ती फ़सले भी उगायी जा सकती हैं, जैसे उरद, बोरो या बरबटी, मूँग, सोयाबीन, तिल, सेम इत्यादि। मौसम के अनुसार अंतरवर्ती फ़सल के रूप में सब्ज़ियों को उगा सकते है जो किसानों के लिए वैकल्पिक आय का माध्यम बन सकता है।

कटाई और भंडारण

प्रजाति के आधार पर फ़सल के कटाई की अवधि होती है, जैसे चारे वाली फ़सल को बोने के 60-65 दिन बाद, दाने वाली देशी क़िस्म बोने के 75-85 दिन बाद, व संकर और संकुल क़िस्म बोने के 90-115 दिन बाद काटना होता है। कटाई के समय दानों में लगभग 25 प्रतिशत तक नमी रहती हैं।

कटाई के बाद मक्का फ़सल में सबसे महत्वपूर्ण कार्य गहाई है इसमें दाने निकालने के लिये सेलर का उपयोग किया जाता है। सेलर नहीं होने की अवस्था में साधारण थ्रेशर में सुधार कर मक्का की गहाई की जा सकती है इसमें मक्के के भुट्टे के छिलके निकालने की आवश्यकता नहीं है।कटाई व गहाई के पश्चात प्राप्त दानों को धूप में अच्छी तरह सुखाकर भण्डारित करना चाहिए। दानों को बीज के रूप में भंडारण करने के लिए इन्हें इतना सुखा लेना चाहिए कि नमी करीब 12 प्रतिशत रहे।

मक्का एक बेहद ही प्रमुख खाद्य फसल होती है. जो कि मोटे अनाज की श्रेणी में शामिल है. इस फसल में नर भाग सबसे पहले परिपक्व हो जाता है. अगर हम देश में मक्के की बात करें तो यह ज्यादातर पहाड़ी और मैदानी क्षेत्रों में ही उगाया जाता है. इसे लगभग हर तरह की सभी मिट्टी में आसानी से उगा लिया जाता है. मक्का एक मात्र ऐसा खाद्य फसल है जो कि जो हमेशा से ही मोटे अनाज की श्रेणी में आता है. आज भारत में मक्के के पैदावार की नई आवक काफी ज्यादा मात्रा में अपना नया स्थान प्राप्त कर रही है. भारत में मुख्य रूप से जिन राज्यों में मक्के की खेती की जाती है उनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, राजस्थान और उत्तर प्रदेश आदि राज्यों में इसकी खेती की जाती है. लेकिन एमपी, छ्त्तीसगढ़, झारखंड, गुजरात आदि में इसका काफी महत्व है. तो आइए जानते है कि मक्के की फसल के बारे में -

मक्के की उन्नत किस्में

मक्के की बुवाई के लिए दो प्रकार की विभिन्न प्रजातियां पाई जाती है. एक तो इसमें समान्य प्रजाति होती है जैसे की नवीन स्त्रेता, कचंना, शाक्ति -1 आजाद उत्तम, नव ज्योति, गौरव, प्रगति, आदि सभी संकुल प्रजातियां होती है. दूसरी होती है संकर प्रजातियां जैसे कि गंगा 2, गंगा 11, सरताज, पसा अगेती आदि ऐसी किस्में है जो कि सबसे ज्यादा होती है.

मक्का की खेती के लिए भूमि चयन

मक्के की खेती को विभिन्न प्रकार की मिट्टी में उगाया जाता है. इसके लिए दोमट मिट्टी या बुलई मटियार वायु संचार और पानी के निकास की उत्तम व्यवस्था हो या पीएच मान 6 से 7.5 के बीच होता है. इसीलिए ऐसी जमीन में मक्के की बुवाई कर लें. इसके साथ ही जिस पानी में खारे पानी की समस्या है तो वहां पर मक्के की बिजाई को मेड़ के ऊपर करने की बजाय

मक्का की इस विधि से खेती कर प्राप्त कर सकते है बेहतर फसल !

साइड में करें ताकि नमक से जड़ें प्रभावित न हों. खेत की तैयारी को जून के महीने में शुरू कर देना चाहिए. मक्के की खेती के लिए गहरी जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करनी चाहिए. अगर आपका खेत गर्मियों के मौसम में खाली है तो गर्मियों में इसकी जुताई करना लाभदायक है. खरीफ की फसल के लिए एक तरह से गहरी जुताई 15-20 सेमी मिट्टी को पलटने वाले हल से करना चाहिए. इसका फायदा यह है कि इसके सहारे कीटपतंगे, बीमारियों की रोकथाम को रोकने में सहायता मिलती है. खेत की नमी को बनाए रखने के लिए कम से कम जुताई को करके तुंरत पाटा लगाना चाहिए. जुताई का मुख्य उद्देश्य मिट्टी को भुरभुरी बनाना होता है. अगर संभव हो तो संसाधन प्रबंधन तकनीक को प्रयोग करे .

बुआई और बीज दर

मक्के की बुआई को वर्ष भर कभी भी खरीफ, रबी, जायाद के समय कर सकते है. लेकिन खरीफ ऋतु में बुवाई मानसून पर निर्भर करती. अधिकतर राज्यों में जहां सिंचाई सुविधा हो वहां पर खारीफ में बुआई का उपयुक्त समय मध्य जून से जुलाई तक रहता है. बीज की मात्रा अलग-अलग पसल के हिसाब से की जाती है. जैसे कि बेबीकॉर्न के लिए 10-12, स्वीटकॉर्न 2-5.3, पॉपकॉर्न 4-5 किग्रा एकड़ में डलाना चाहिए. कोशिश करें कि फसल के बीच में बोते समय अंतराल प्रति लाइन 60-75 सामान्य रूप से हो. मक्का के बीज को 3.5-5.0 सेमी गहरे अंदर तक बोना चाहिए. जिससे बीज मिट्टी से अच्छई तरह से ढक जाए तो अकुंरण हो सकें.

निराई और गुड़ाई

खरीफ के मौसम के समय पर खरपतवारों की अधिक समस्या होती है, जो फसल से पोषण, जल एवं प्रकाश के लिए प्रतिस्पर्धा करते है जिसके कारण उपज में 40 से 50 प्रतिशत तक का नुकसान होता है.

कटाई व उपज

जब पेड़ बड़े हो जाए और भुट्टों के पेड़ों की प्तियां पीली पड़ने लगे तब ही मक्के की कटाई को करना चाहिए. अच्छा होगा अगर आप भुट्टों के शेलिंग के पहले इसे धूप में सुखाया जाए और दानों में 13-14 पर्तिशत तक की नमी होनी चाहिए. उचित भडारण के वलिए दानों को सुखाने की प्रक्रिया तब तक करनी चाहिए जब तक कि उनमें नमी का अंश 8 से 10 प्रतिशत तक न हो जाए और वायु इन्हें जूट के थैलों में रखना चाहिए.

जल प्रबंधन

मक्का एक ऐसी फसल है जो न तो सूखा सहन कर सकती है और न ही अधिक पानी. अतः खेत में जल निकासी के लिए नलियां बुवाई के लिए अच्छ से तैयार करनी चाहिए और कोशिश करें कि अतिरिक्त पानी को खेत से निकाल दें. मक्का में जल प्रबंधन मुख्य रूप से मौसम पर निर्भर करता है. वर्षा ऋत में मानसूनी वर्षा सामान्य रही तो सिंची की आवश्यकता नहीं होती है क्योंकि भारत में 80 प्रतिशत मक्का विशेष रूप से सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाती है. पहली सिचाई में बहुत ही ध्यान देने की आवश्यकता होती है क्योकि अधिक पानी से छओटे पौधों की पैदावार में बढ़ोतरी नहीं होती है. पहली सिंचाई में पानी मेंड़ों के ऊपर नहीं बहनी चाहिए. सिंचाई की दृष्टि से नई पौध, घुटनों तक की ऊंचाई, फूल आने और दाने भराव की अवस्थाएं सबसे ज्यादा संवेदनशील होती है.

मक्का की बुआई विधि

पौंधों की जड़ों को पर्याप्त नमी भी मिलती रही और जल भराव होने वाले नुकसान से बचाने के लिए यह उचित है की फसल मेंडों पर ही बोए. बुवाई को पूर्वी और पश्चिमी भाग के मेंडों पर करनी चाहिए. बीज को उचित दूरी पर ही लगाना चाहिए. बीज बोते समय प्लांटर का उपयोग करना चाहिए, क्योंकि इसको एक ही बार में बीज और उर्वरक को उचित स्थान पर पहुंचाने में मदद मिलती है. चारे के लिए बुआई सीडड्रिल द्रा करनी चाहिए. मेड़ों पर बुआई करते समय पीछे की ओर चलना चहिए.

संक्षिप्त समाचार

बिजली की मांग बढ़ने से सरकार ने सभी गैस आधारित प्लांट को दो महीने चालू रखने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने इस बार लंबे समय तक गर्मी रहने के अनुमान के कारण बिजली की मांग में वृद्धि को देखते हुए गैस आधारित सभी बिजली उत्पादन स्टेशनों को एक मई से 30 जून तक अपने संयंत्रों को चालू रखने का निर्देश दिया है। गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों (जीबीएस) के एक बड़े हिस्से का वर्तमान में, मुख्यतः व्यावसायिक कारणों से प्रयोग नहीं हो रहा है। मंत्रालय ने इस गर्मी (अप्रैल से जून 2024) में 260 गीगावाट अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है। पिछले साल सितंबर में बिजली की अधिकतम मांग 243 गीगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी। बिजली मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह आदेश एक मई, 2024 से 30 जून, 2024 तक बिजली उत्पादन और आपूर्ति के लिए वैध रहेगा। बयान के अनुसार, गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों से अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 11 के तहत सभी गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों को निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत सरकार के निर्देश पर एक उत्पादन कंपनी असाधारण परिस्थितियों में किसी भी उत्पादन स्टेशन का संचालन और रख-रखाव कर सकती है।

200 पर जाएगा टाटा स्टील का शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या आप भी टाटा ग्रुप के किसी शेयर पर दांव लगाना चाह रहे हैं तो आपके लिए यह काम की खबर हो सकती है। टाटा ग्रुप की स्टील कंपनी टाटा स्टील के शेयर पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि चार-चार ब्रोकरेज फर्म बुलिश हैं और इसे खरीदने की सलाह दे रहे हैं। ब्रोकरेज के मुताबिक, टाटा स्टील का शेयर जल्द ही 200 रुपये पर जा सकता है। बता दें कि बीते शुक्रवार को टाटा स्टील के शेयर 1 पर्सेंट की गिरावट के साथ 163.50 रुपये पर बंद हुए थे। बीएसई पर इसका 52 वीक का हाई प्राइस 169.75 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 2,04,104.29 करोड़ रुपये है। चार एनालिस्ट टाटा समूह के मेटल स्टॉक टाटा स्टील लिमिटेड को लेकर बुलिश हैं और उन्होंने 200 रुपये के हाई टारगेट प्राइस के साथ इस शेयर को खरीदने और जमा करके रखने की सिफारिश की है। टाटा स्टील को 3 खरीदने की सलाह दी है और एक ने इसे होल्ड रखने की सलाह दी है। प्रभुदास लीलाधर ने 170 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ टाटा स्टील के शेयर के लिए एक्यूमुलेट कॉल की सिफारिश की है। जेफरीज ने टाटा स्टील के शेयर पर बाय की सलाह दी है और टारगेट प्राइस को बढ़ाकर 200 रुपये कर दिया है, जो कि पहले 165 रुपये था। अमेरिका और चीन समेत ग्लोबल मैन्युफैक्चरर एक्टिविटिज में लेटेस्ट रिवाइवल के बाद जेफरीज भारत के मेटल कंपनियों को लेकर उत्साहित है। इस बीच, एक्सिस सिक्योरिटीज ने टाटा स्टील के शेयरों पर 167-177 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस रखा है और बाय रेटिंग दी है। रेलिगेयर ने 177 रुपये के टारगेट के साथ खरीदारी की सलाह दी है। रेलिगेयर ने कहा, हम मेटल पैक में नए सिरे से खरीदारी की दिलचस्पी देख रहे हैं और टाटा स्टील आगे चल रही है। टाटा स्टील के शेयरों में 1 साल में जबरदस्त रिटर्न देखने को मिला है। पिछले 1 साल में स्टॉक ने 51.95 प्रतिशत का रिटर्न दिया। टाटा स्टील के शेयरों ने पिछले 1 महीने में 7 प्रतिशत का रिटर्न दिया, पिछले 1 महीने में 30 प्रतिशत बढ़ गया। पिछले 1 साल में 51.95 प्रतिशत बढ़ गया, और पिछले 3 साल में 92 प्रतिशत बढ़ गया है। पिछले 5 सालों में टाटा स्टील के शेयर 206 प्रतिशत चढ़ गए हैं। बीएसई पर टाटा स्टील स्टॉक का 52-सप्ताह का हाई प्राइस 169.75 रुपये और 52-सप्ताह वीक का लो प्राइस 104.10 रुपये है।

डायमंड हाउस में रहते हैं मेघा इंजीनियरिंग के मालिक पीपी रेड्डी, खड़ा किया हजारों करोड़ का साम्राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी बॉन्ड योजना में सबसे ज्यादा डोनेशन देने वालों की लस्टि में दूसरे स्थान पर रही मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अफसरों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। सीबीआई ने हैदराबाद स्थित मेघा इंजीनियरिंगऐंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कंपनी पर आरोप है कि उसने बिलों के भुगतान के लिए कथित तौर पर रिश्वत दी है। मेघा इंजीनियरिंग वही कंपनी है जिसने भारतीय जनता पार्टी को 586 करोड़ का चंदा दिया था। बीजेपी के अलावा इसने बीआरएस, डीएमके समेत कई पार्टियों को करोड़ो का दान दिया है। चुनाव आयोग के 21 मार्च को जारी आंकड़ों के अनुसार, मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा को सबसे अधिक लगभग 586

करोड़ रुपये का चंदा दिया था। इस कंपनी के मालिक पीपी रेड्डी हैं। पीपी रेड्डी देश के

अरबपति कारोबारियों की लिस्ट में शामिल हैं वह एक किसान परिवार से आते हैं।

करोड़ों की संपत्ति

पीपी रेड्डी ने महज 5 लाख रुपये की पूंजी के साथ हैदराबाद के बालानगर में एक शेड से मेघा इंजीनियरिंग एंटरप्राइजेज के नाम से कंपनी शुरू की थी। उन्होंने नगर पालिकाओं के लिए पाइप बनाए। उनके भतीजे दो साल बाद कंपनी में शामिल हो गए थे। इसके बाद दोनों लोग धीरे-धीरे सड़कों के निर्माण और छोटे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में काम में लग गए। साल 2006 में कंपनी का नाम बदलकर, मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कर दिया गया था। फोर्ब्स के मुताबिक, पीपी रेड्डी की नेटवर्थ करीब 19,230 करोड़ रुपये है।

डायमंड हाउस

पीपी रेड्डी हैदराबाद के रिहायसी इलाके में 'डायमंड शेप' वाले घर में रहते हैं। उनका घर डायमंड की तरह दिखता है। अब उनका घर शहर की ऐतिहासिक जगहों में शुमार है। पीपी रेड्डी के फार्महाउस में एक गोल्फ कोर्स भी है। मेघा कंपनी की सबसे पॉपुलर परियोजनाओं ज़ोजिला सुरंग का निर्माण है, यह कश्मीर के गांदरबल और कारगिल के द्रास के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करती है। इसके प्रोजेक्ट की लागत करीब 25,000 करोड़ रुपये है।

म्यांमार से दालों का आयात करने के लिए भुगतान तंत्र को सरल बनाया गया : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शनिवार को कहा कि म्यांमा से दालों का आयात करने वाले व्यापारियों के लिए भुगतान तंत्र को आसान और सरल बनाया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि आयातकों को पंजाब नेशनल बैंक के जरिए विशेष रुपया वोस्ट्रो खाते (एसआरवीए) के जरिए रुपया/क्यात प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली का उपयोग करने को कहा गया है। भारत घरेलू कमी को पूरा करने के लिए दालों के आयात पर निर्भर है। देश म्यांमा से तुअर और उड़द दाल का आयात करता है। बयान के मुताबिक उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने म्यांमा से दालों का आयात करने के संबंध में यंगून स्थित भारतीय दूतावास के साथ चर्चा की। इस दौरान संशोधित विनिमय दरों और म्यांमार में आयातकों के स्टॉक जैसे मुद्दों पर बातचीत हुई। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय दूतावास ने सचिव को बताया कि व्यापार लेनदेन को सरल बनाने के लिए इस साल 25 जनवरी से रुपया/क्यात निपटान तंत्र चालू कर दिया गया है। सेंट्रल बैंक ऑफ म्यांमा ने 26 जनवरी, 2024 को एसआरवीए के तहत भुगतान प्रक्रियाओं के लिए दिशानिर्देश जारी किए।

गोल्डमैन सॉक्स का चौंकाने वाला खुलासा: दुनिया पर राज करेंगे भारत, चीन व पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ महीने से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल 2047 तक भारत के विकसित होने की बात कर रहे हैं। इस टारगैट पर देश 2047 तक पहुंच भी जाएगा। इस बात में कोई शक भी नहीं है। अगले दो साल में देश की इकोनॉमी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगी। इस अचीवमैंट को भी भारत आसानी से हासिल कर लेगा लेकिन क्या कभी पाकिस्तान दुनिया की टॉप 10 इकोनॉमी में शामिल हो सकेगा क्या चीन कभी दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी बन पाएगा क्या एशिया के ये तीनों देश दुनिया की इकोनॉमी पर राज कर सकेंगे ये तीनों ही सवाल काफी बड़े हैं।

ऐसा नहीं है कि ये संभव नहीं हो सकेगा। दुनिया की बड़ी इंवैस्टमैंट फर्म गोल्डमैन सॉक्स का अनुमान है कि चीन दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा और दूसरे नंबर पर भारत का नाम होगा। साथ ही पाकिस्तान टॉप 10 इकोनॉमी में दिखाई देगा। दूसरी ओर कभी आधी से ज्यादा दुनिया पर राज करने वाला यू.के. और एशिया की दूसरी सबसे बड़ी महाशक्ति जापान का नाम टॉप 10 से बाहर होता दिखाई देगा। वहीं यूरोप का बस एक ही देश जर्मनी टॉप 10 की लिस्ट में दिखाई देगा।

50 साल के बाद होगा कुछ ऐसा सीन

गोल्डमैन सॉक्स ने जो अनुमान लगाया है, वह अगले 50 साल बाद यानी साल 2075 का लगाया है। उस समय दुनिया की इकोनॉमी का सीन पूरी तरह से बदला हुआ दिखाई देगा। अमरीका दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमिक ताकत नहीं रहेगा। दूसरी

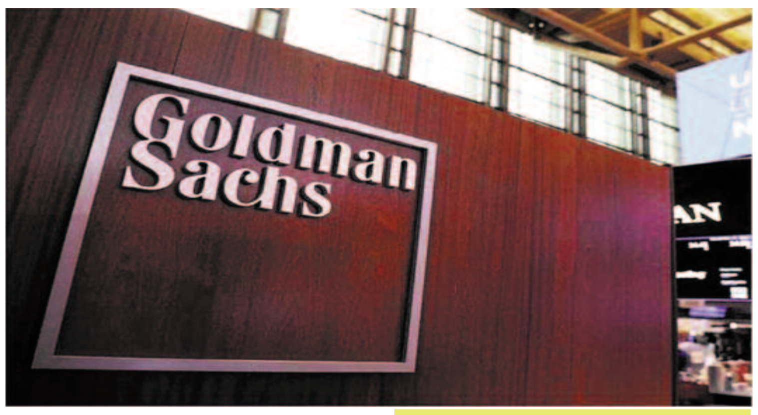

ओर यूरोप का दबदबा दुनिया की इकोनॉमिक कंडीशन से पूरी तरह से खत्म हो चुका होगा।

यू.के. और जापान जैसे देश टॉप 10 इकोनॉमी लिस्ट से बाहर हो चुके होंगे। सबसे खास बात तो यह है कि टॉप की 10 लिस्ट में एशिया का दबदबा होगा, जिसमें चीन के साथ भारत, पाकिस्तान और इंडोनेशिया होगा। मौजूदा दौर में यू.के., फ्रांस, जर्मनी और रूस जैसे देश दुनिया की टॉप 10 इकोनॉमी में शामिल हैं लेकिन ये तमाम देश जिस मंदी के संकट से गुजर रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं है। जर्मनी में तो घोषित मंदी का ऐलान हुआ है।

दूसरी ओर जापान ने सालों के बाद देश की इकोनॉमी को उठाने के लिए पॉलिसी रेट में इजाफा किया है। ऐसे अगले 25 और 50 सालों में इन देशों की इकोनॉमी में इजाफा तो होगा लेकिन ग्रोथ इतनी ज्यादा नहीं होगी, जो अपनी मौजूदा पॉजिशन को होल्ड करके रख सके।

चीन और भारत का होगा दबदबा

गोल्डमैन की रिपोर्ट के मुताबिक भारत की इकोनॉमी अगले साल में काफी तेजी से बढ़ने वाली है। उसकी पोजिशन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगी। इसका मतलब यह नहीं है कि वह चीन को पछाड़ने वाला है। भारत साल 2075 में अमरीका को पीछे छोड़कर दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा। साल 2050 तक चीन दुनिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी होगा। भले ही मौजूदा दौर में उसकी ग्रोथ भले ही 5 फीसदी से नीचे ही क्यों न हो। उसके अगले 25 साल तक भारत और चीन दोनों ही ग्रोथ और जी.डी.पी. के मामले में दुनिया के तमाम देशों को पीछे छोड़ते हुए दिखाई देंगे।

जानकारों का मानना है कि ये पूरी शताब्दी एशिया के नाम रहने वाली है। आने वाले 50 साल भारत के नाम रहने वाले हैं, क्योंकि तब तक देश की जी.डी.पी. 52.5 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जोकि अमरीका की जी.डी.पी. 51.5 ट्रिनियन डॉलर से ज्यादा होगी और चीन की जी.डी.पी. 57 ट्रिलियन डॉलर से कम का अनुमान है।

पाकिस्तान का चौंकाने वाला नाम

गोल्डमैन की रिपोर्ट के अनुसार इस लिस्ट में पाकिस्तान का भी नाम है। साल 2075 तक पाकिस्तान दुनिया की 6वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी होने जा रहा है, जबकि एक दिन पहले एशियन डिवैलपमैंट बैंक ने पाकिस्तान की ग्रोथ रेट वित्त वर्ष 2023-24 (30 जून 2024 को समाप्त) को 1.9 फीसदी का अनुमान लगाया है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 पाकिस्तान की ग्रोथ 2.9 फीसदी रह सकती है। मौजूदा दौर में पाकिस्तान की इकोनॉमी काफी खराब स्थिति में है। देश कर्ज में है और महंगाई 25 फीसदी है। पाकिस्तान लगातार चीन, मिडिल ईस्ट और अमरीका के साथ हाथ फैलाए दिखाई देता है। आई.एम.एफ. से लगातार स्पैशल पैकेज की डिमांड लगातार कर रहा है। फॉरैक्स रिजर्व न के बराबर है और बिजली तथा फ्यूल संकट काफी बढ़ चुका है। उसके बाद भी साल 2075 तक देश की जी.डी.पी. 12.3 ट्रिलियन डॉलर का अनुमान लगाया गया है

किशोर बियानी की आर्थिक हालत खराब, मॉल बेचने की आई नौबत, 476 करोड़ का किया सेटलमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारी कर्ज में डूबे फ्यूचर ग्रुप के चेयरमैन किशोर बियानी की आर्थिक हालत खराब है। कभी करोड़ों के मालिक किशोर बियानी को अब अपना मुंबई का सबसे पुराना मॉल भी बेचना पड़ गया है। किशोर बियानी कोरोना महामारी के समय से ही भारी संकट में फंस चुके हैं। कर्ज संकट से जूझ रहे फ्यूचर ग्रुप के मालिक किशोर बियानी को अपना मॉल बेचकर बकाए का भुगतान करना पड़ा है। फ्यूचर ग्रुप ने 476 करोड़ रुपए का वन टाइम सेटलमेंट किया है। कंपनी ने बंसी मॉल मैनेजमेंट कंपनी के लेंडर्स को 571 करोड़ रुपए का बकाया दिया है। यह रकम लेंडर्स के लिए 83 फीसदी की बकाया वसूली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह डील के रहेजा कॉर्प की ओर से बीते सोमवार को हुई है। इसमें स्टांप ड्यूटी का भुगतान 28.56 करोड़ रुपए रहा। के रहेजा कॉर्प ने बैंकों को सीधे पेमेंट

किया और इसके बदले में मॉल कंपनी को ट्रांसफर किया गया।

किशोर बियानी ने कर्जदाताओं का भुगतान करने के लिए सोबो मॉल को के. रहेजा कॉर्प को बेच दिया है। फ्यूचर ग्रुप के प्रमोटर बियानी ने 571 करोड़ रुपए के बकाए का एकमुश्त निपटारा कर 476 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। लेनदारों को उनकी कुल राशि का 83 प्रतिशत वापस मिल गया है।

सबसे पुराना मॉल हाथ से निकला

रिपोर्ट के मुताबिक, यह मॉल मुंबई का सबसे पुराना मॉल है। इसका मालिकाना हक बियानी परिवार के पास था लेकिन अब इसे के रहेजा कॉर्प ने खरीद लिया है। इसका नाम एसओबीओ सेंट्रल मॉल है। पहले क्रॉसरोड्स के नाम से जाना जाने वाला, सोबो सेंट्रल देश का पहला मॉल है, जो 1990 के दशक के अंत में दक्षिण मुंबई के हाजी अली इलाके में खुला था। यह मॉल कोरोना के दौरान पूरी तरह से बंद हो चुका था। कोविड के बाद से ज्यादातर दुकानें बंद होने से इसे किराये पर देने के लिए कोई खरीदार नहीं मिल रहे हैं। इसकी वजह से मॉल को चलाने वाली कंपनी बंसी मॉल मैनेजमेंट पर 571 करोड़ रुपए का कर्जा हो गया, जिसके चलते मॉल को बेचना पड़ा है। इस मॉल में अभी भी 1.5 लाख वर्ग फुट एरिया लीज पर देने के लिए खाली है।

कर्ज में डूबे

मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में नए शॉपिंग मॉल्स के खुलने और कोरोना महामारी के कारण SOBO Central मॉल की हालत खस्ता होती गई। इसका करीब सारा रियल एस्टेट फ्यूचर ग्रुप की कंपनियों को दिया गया था जो मुश्किलों से गुजर रही हैं। कैनरा बैंक का कंपनी पर 131 करोड़ रुपए का बकाया है जबकि पीएनबी पर का बकाया 90 करोड़ रुपए है। पीएनबी और यूनियन बैंक ऑफ इंडिया का फ्यूचर ब्रांड्स पर 350 करोड़ रुपए का बकाया है। बैंकों का फ्यूचर ग्रुप की कंपनियों पर 33,000 करोड़ रुपए का बकाया है।

ऐसे कंगाल हुए बियानी

किशोर बियानी का जन्म साल 9 अगस्त 1961 में मुंबई के एक कपड़ा व्यापारी के घर हुआ था। अपने फैमिली बिजनेस में उन्होंने काफी रुचि दिखाई। साल 1987 में कपड़े के बिजनेस को किशोर बियानी ने रेडीमेड कपड़ों की ओर मोड़ दिया। फ्यूचर ग्रुप ने बिग बाजार का पहला स्टोर साल 2001 में खोला था। साल 2006 तक ये बढ़कर 56 हुए और 2008 तक 116 हो गए। हालांकि, 2008 की मंदी का कंपनी पर बुरा असर पड़ा लेकिन कंपनी फिर भी आगे बढ़ती ही रही। हर साल नए स्टोर खुलते चले गए और साल 2019 तक कुल 295 स्टोर हो चुके थे। किशोर बियानी ने भारतीय मिडिल क्लास को एक ही छत के नीचे पूरा बाजार दे दिया। बिग बाजार को भारत का वॉलमार्ट भी कहा जाता है।

भारत में टेस्ला का कारोबार तबाह हो जाएगा ! एलन मस्क के मेगाप्लान को खिसियाए चीन की बद्दुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की भारत में इलेक्ट्रिक कार फैक्ट्री खोलने की योजना चीन को बिल्कुल पसंद नहीं आई है। इसके शुभारंभ से पहले ही उसने बद्दुआएं देनी शुरू कर दी हैं। टेस्ला का भारत की ओर झुकाव बढ़ने से चीन बुरी तरह खिसिया गया है। उसने कहा है भारत में टेस्ला का कारोबार तबाह हो जाएगा। मस्क इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करने वाले हैं। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होनी है। उनसे मिलने के बाद टेस्ला अपने कारखाने की योजना के बारे में कोई बड़ा ऐलान कर सकती है।

दिग्गज कारोबारी एलन मस्क लंबे समय से सरकार से बातचीत कर रहे हैं। वह भारत में कम ड्यूटी पर कारों का आयात करना चाहते थे। इसके उलट

सरकार चाहती थी कि वह स्थानीय स्तर पर कारों की मैन्यूफैक्चरिंग करें। सरकार ने पिछले महीने अपनी नई ईवी पॉलिसी की घोषणा की है। इसके बाद टेस्ला के भारत में एंट्री की बातें चलने लगी हैं। माना जा रहा है मस्क इसके बारे में भारत आने पर घोषणा कर सकते हैं। भारत की नई ईवी पॉलिसी टेस्ला के अनुकूल होने की संभावना है।

चीन को रास नहीं आ रहा मस्क का प्लान

यह और बात है कि चीन को टेस्ला की भारत में एंट्री की योजना कतई रास नहीं आई है। ग्लोबल टाइम्स को चीनी सरकार का मुखपत्र माना जाता है। उसने टेस्ला को आमंत्रित करने के भारत के महत्वाकांक्षी कदम पर भविष्यवाणी कर दी है। इस चीनी माउथपीस ने कहा है कि टेस्ला का यह प्लान काम नहीं करेगा। कारण है कि भारतीय बाजार परिपक्व नहीं है। वह इसके लिए बेहद कम तैयार है। भारतीय बाजार के लिए यह बहुत जल्दी है।

चीन सरकार के मुखपत्र में कहा गया कि ईवी को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए भारत के सामने एक बड़ी बाधा पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की अनुपस्थिति है। भारत के कई क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। इसमें कहा गया है कि भारत में बिजली की कमी हो रही है। अधिक बिजली पैदा करने के लिए कोयला खदानों और बिजली संयंत्रों के विस्तार से जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा।

चीन के खिसियाकर इस तरह की अपमानजनक बातें बोलने का कारण है। दरअसल, चीन के कई दिग्गज ईवी मैन्यूक्चरर्स ने पहले भारत में ईवी मैन्यूफैक्चरिंग में दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन, भारत सरकार ने उन्हें मंजूरी नहीं दी थी। सीमा विवाद के कारण भारत-चीन के संबंध खराब हैं। दोनों देशों के सैनिकों के बीच सीमा पर कई झड़पें हो चुकी हैं। भारत ने चीनी निवेश को गहरी जांच के दायरे में रखा है।

रियल एस्टेट में विदेशी निवेश में भारी गिरावट, जनवरी-मार्च में सिर्फ 1.1 करोड़ डॉलर आए

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा टेलीसर्विसेज विदेशी निवेशक इस साल रियल एस्टेट से सतर्क रहे और उन्होंने इस क्षेत्र में 2024 की पहली तिमाही में सिर्फ 1.1 करोड़ डॉलर का निवेश किया। वैश्विक संपत्ति सलाहकार फर्म वेस्टियन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च में संस्थागत निवेश सालाना 55 प्रतिशत घटकर 55.2 करोड़ डॉलर रह गया। रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले साल की समान अवधि में 123.83 करोड़ डॉलर (1.23 अरब डॉलर) निवेश आया था। वेस्टियन के आंकड़ों के अनुसार, देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी कोषों का संस्थागत प्रवाह 2024 की पहली तिमाही में 99 प्रतिशत गिरकर केवल 1.1 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 79.14 करोड़ डॉलर था। घरेलू निवेशकों ने जनवरी-मार्च 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में 54.11 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 44.69 करोड़ डॉलर से 21 प्रतिशत अधिक है। वेस्टियन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) श्रीनिवास राव ने कहा कि घरेलू निवेशक भारत की वृद्धि गाथा को लेकर उत्साहित हैं और रियल एस्टेट क्षेत्र में निवेश करना जारी रख रहे हैं।

मूल्य वृद्धि ने आभूषणों की मांग कम की है : सेनको गोल्ड

कोलकाता एजेंसी। प्रमुख खुदरा आभूषण विक्रेता कंपनी सेनको गोल्ड लि. ने शुक्रवार को कहा कि भू-राजनीतिक कारणों से सोने की कीमतों में हालिया तेज उछाल ने इसकी मांग को कम कर दिया है। वहीं उद्योग का पहली तिमाही का प्रदर्शन, उत्सव और नए साल के मौके पर जारी खरीदारी के रुख पर निर्भर करता है। कोलकाता की कंपनी ने कहा कि उसने हीरे जड़ित सोने के आभूषणों और उपभोक्ता-केंद्रित योजनाओं के जरिये मांग की स्थिति से निपटने के लिए कई उपाय किए हैं। हालांकि, कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि ये उपाए मार्च और अप्रैल में बिक्री की मात्रा के मामले में देखी गई 15-20 प्रतिशत की गिरावट की भरपाई नहीं कर सकते हैं। सेनको गोल्ड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुवेंकर सेन ने कहा, ''पिछले 30 दिनों में, सोने की कीमत लगभग 10 प्रतिशत बढ़ी है ।

दीपेंद्र सिंह टी20 में 6 गेंद में 6 सिक्स जड़े

नेपाली बैटर ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज, कतर के खिलाफ बनाए नाबाद 64 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। नेपाल के बैटर दीपेंद्र सिंह एरी ने कतर के खिलाफ एसीसी प्रीमियर कप के 7वें मैच में 6 गेंद में 6 सिक्स लगाया। वह इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले साल 2007 में युवराज सिंह ने टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में यह कारनामा किया था। वहीं कायरन पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में 6 गेंद पर 6 छक्के लगाए थे।

दीपेंद्र सिंह 21 गेंदों पर 64 रन बना कर रहे नाबाद

दीपेंद्र ने नेपाल के लिए 5वें नंबर पर बैटिंग करते हुए 21 गेंद पर 64 रन बनाकर नाबाद रहे। दीपेंद्र 20 वें ओवर से पहले 15 गेंद में 28 बनाकर खेल रहे थे और नेपाल का स्कोर 7 विकेट पर 174 रन था। कतर की ओर से आखिरी ओवर कमरान खान करने आए। दीपेंद्र ने सभी 6 गेंदों पर छक्का जड़कर अपना स्कोर 28 से 64 किया। वहीं नेपाल का स्कोर भी 200 के पार पहुंचा दिया। दीपेंद्र ने अपनी पारी के दौरान 7 छक्के और 3 चौके भी लगाए। उनकी इस दमदार पारी के बौदलत ही नेपाल ने निर्धारित 20 ओवर के खेल में 7 विकेट पर 210 रन का स्कोर खड़ा किया।

दीपेंद्र टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज भी

दीपेंद्र टी-20 में सबसे तेज अर्धशतक बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उन्होंने एशियन गेम्स में मंगोलिया के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंद में फिफ्टी ठोक दी थी। उनसे पहले टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड भारत के बैटर युवराज सिंह के नाम था। युवराज सिंह ने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान 12 गेंद में अपना 50 रन पूरा किया था।

दीपेंद्र ने टी-20 में 143.70 की स्ट्राइक रेट से बनाया है रन

24 साल के दीपेंद्र नेपाल के लिए 55 वनडे और 59 टी-20 मैच खेल चुके हैं। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 3 फिफ्टी और एक शतक के साथ 896 रन बनाए हैं, जबकि टी-20 क्रिकेट में दीपेंद्र ने 143.70 के स्ट्राइक रेट से 1496 रन बना चुके हैं। इस फॉर्मेट में भी उन्होंने एक शतक लगाया है।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा...

ईरान के इजरायल पर हमले के बीच फंस गए थे केविन पीटरसन !

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के साथ शनिवार को एक डरावनी घटना हुई। उनकी फ्लाइट को रास्ते में रोकना पड़ा। उन्होंने सोशल मीडिया पर बताया कि ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागीं, जिसकी वजह से उनकी फ्लाइट को रास्ता बदलना पड़ा

और ज्यादा ईंधन भरवाना पड़ा। ऐसा लगता है कि यह घटना उस वक्त हुई जब वह आईपीएल के मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के मैच के लिए मुंबई लौट रहे थे।

पीटरसन ने बताया अपना अनुभव- केविन पीटरसन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि फ्यूल लेने के लिए उनकी फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा। साउथ अफ्रीका में जन्मे पीटरसन ने लिखा, अभी तक ऐसा कभी नहीं हुआ। रात को हमारी फ्लाइट को वापस लौटना पड़ा और ज्यादा फ्यूल भरवाना पड़ा क्योंकि ईरान की मिसाइलों से बचने के लिए हमें रास्ता बदलना पड़ा। खैर, अब मैं मुंबई में हूं और बाद में वानखेड़े स्टेडियम जाऊंगा। ये मेरे पसंदीदा क्रिकेट मैदानों में से एक है। आईपीएल 2024 की शुरुआत में केविन पीटरसन कॉमेंट्री कर रहे थे। लेकिन इस महीने की शुरुआत में वह इंग्लैंड वापस चले गए थे। अपने परिवार के साथ करीब दो हफ्ते बिताने के बाद वह एक बार फिर वापस लौटे हैं।

हर कोई पृथ्वी शॉ के प्रदर्शन में निरंतरता देखना चाहता है : माइकल क्लार्क

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने कहा है कि दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अपने प्रदर्शन में और अधिक निरंतर होने की जरूरत है क्योंकि हर कोई चाहता है कि वह शीर्ष क्रम पर टीम के लिए स्थिर रहें. आईपीएल 2024 की अपनी चार पारियों में, शॉ ने 157.29 की स्ट्राइक-रेट से 151 रन बनाए हैं, जिसमें विशाखापत्तनम में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 66 रन का उच्चतम स्कोर है. शुक्रवार शाम को लखनऊ में, शॉ ने 22 गेंदों में 32 रनों की तेज़ पारी खेली, जिससे डीसी को

आईपीएल 2024 सीज़न की दूसरी जीत हासिल करने के लिए 168 रनों का सफलतापूर्वक पीछा करने में मदद मिली. उन्होंने कहा, देखिए, मुझे लगता है कि उनके दोबारा टीम में वापस आने से डेव वार्नर को मदद मिलेगी या फ्रेज़र मैकगर्क के टीम में आने से उन्हें मदद मिलेगी. दोनों बॉउंड्री की तलाश में थे. आप जानते हैं, उस प्रतियोगिता का थोड़ा सा भी स्तर. यदि आप चौका मार सकते हैं, तो मैं छक्का मारूंगा. 'क्रिकेट लाइव' शो में क्लार्क ने कहा, तो, मुझे लगता है कि पृथ्वी शॉ एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है. इसके बारे में कोई संदेह नहीं है. हर कोई उसे और अधिक सुसंगत देखना चाहता है. मुझे लगता है कि वह जिस तरह से खेलता है वह हमें पसंद है. वह बहुत प्रतिभाशाली है, बहुत प्रतिभावान है. अभी यह निरंतरता है, जितना अधिक वह ऐसा कर सकता है, मुझे लगता है, दिल्ली उतनी ही बेहतर होती रहेगी।

एशियन चैम्पियनशीप

भारतीय महिला पहलवानों का जलवा, राधिका को मिला रजत, शिवानी को कांस्य पदक

बिश्केक, एजेंसी। पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों ने जलवा बिखेरा। राधिका ने 68 किग्रा भार वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि शिवानी पवार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। एशियाई चैंपियनशिप में राधिका का यह दूसरा पदक है।

राधिका ने 2022 में भी जीता था रजत

पिछले साल अंडर-23 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली राधिका 2022 सीनियर एशियाई चैंपियनशिप में भी दूसरे स्थान पर रही थीं। उन्होंने कजाखस्तान की अलबीना के को पहले मुकाबले में तकनीकी श्रेष्ठता से हराया। इसके बाद किर्गिस्तान की गुलनूरा ताशतांबेकोवा को मात दी। हालांकि, उन्हें स्वर्ण पदक के मुकाबले में जापान की नोनोका ओजाकी से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हार का सामना करना पड़ा।

क्वार्टर फाइनल में मिली हार के बाद शिवानी ने की वापसी

भारत की एक अन्य पहलवान शिवानी पवार को 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में जिकि फेंग से हार गई थी, लेकिन चीन की इस पहलवान के फाइनल में पहुंचने के बाद उन्होंने रेपचेज के जरिये कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बना ली। उन्होंने मंगोलिया की ओट्गोनजार्गल डोल्गोज्राव को 9-7 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, 55 किग्रा वर्ग में तमन्ना को क्वलीफिकेशन दौर में जापान की मोए कियूका ने 9-0 से हराया, लेकिन कियूका के फाइनल में पहुंचने से तमन्ना भी पदक की दौड़ में शामिल हो गईं। वह हालांकि मौके का फायदा नहीं उठा सकीं और रेपचेज राउंड में उन्हें चीन की मिन यांग से 0-4 से हार का सामना करना पड़ा।

अन्य भारतीय पहलवानों को मिली हार

भारत के पास रेपचेज के जरिये अन्य वर्गों में पदक हासिल करने का मौका था, लेकिन अन्य पहलवान इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। पुष्पा यादव (59 किग्रा) और प्रिया (76 किग्रा) भी उन्हें हराने वाली पहलवानों के फाइनल में पहुंचने से पदक की दौड़ में शामिल हो गई थीं, लेकिन इन दोनों भारतीय पहलवानों को हार का सामना करना पड़ा और वे पदक जीतने में नाकाम रहीं। कांस्य पदक के प्लेऑफ में पुष्पा को कजाखस्तान की डायना कयूमोवा ने 11-8 से हराया, जबकि प्रिया को भी कजाखस्तान की एल्मिरा सिज्डीकोवा ने मात दी।

आईपीएल: 2024

कोलकाता की लखनऊ पर पहली जीत

सॉल्ट का अर्धशतक, स्टार्क ने तीन विकेट लिए

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नाइटराइडर्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में पहली बार लखनऊ सुपर जायंट्स को हराया। कोलकाता की 17वें सीजन की यह चौथी जीत है। सीजन के 28वें मैच में रविवार को कोलकाता ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया। ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला लिया। लखनऊ ने पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 161 रन बनाए। जवाब में कोलकाता ने 15.4 ओवर में 2 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

आशुतोष शर्मा के नाम जुड़ा खास रिकॉर्ड

अब तक आईपीएल में 17 सालों में नहीं कर पाया ऐसा कोई भी खिलाड़ी

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 17वें सीजन में पंजाब किंग्स के लिए अब तक कुछ भी सही नहीं रहा है, जिसमें टीम को 6 में से 4 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में भी पंजाब किंग्स को 3 विकेट से करीबी हार मिली। इस मैच में पंजाब की टीम ने पहले खेलते हुए 20 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 147 रन बनाए थे, वहीं राजस्थान ने टारगेट का पीछा 19.5 ओवरों में कर लिया। पंजाब किंग्स टीम के बल्लेबाजों की तरफ से इस मैच में काफी खराब प्रदर्शन देखने को मिला जिसमें उन्होंने 70 के स्कोर तक अपनी आधी टीम को गंवा दिया।

मुक्केबाजी में आखिरी ओलंपिक

क्वालीफायर के लिए अमित पंघाल भारतीय टीम में शामिल

नई दिल्ली , एजेंसी। विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किले) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो) , छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किलो), मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन लक्ष्य चाहर (80 किलो) और 2022 राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता जे लम्बोरिया (60 किलो) को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्व चैम्पियनशिप रजत पदक विजेता अमित पंघाल ने बैंकाक में 25 मई से दो जून तक होने वाले आखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में वापसी की है। पिछले महीने इटली में ओलंपिक क्वालीफायर में खराब प्रदर्शन के बाद पांच मुक्केबाजों को दूसरे विश्व क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट के लिये टीम में जगह नहीं मिली है । भारत के हाई परफॉर्मेंस निदेशक बर्नार्ड डुन्ने को भी पद छोड़ना पड़ा । विश्व चैम्पियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता दीपक भोरिया (51 किले) और मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 किलो) , छह बार के एशियाई चैम्पियनशिप पदक विजेता शिवा थापा (63.5 किलो), मौजूदा राष्ट्रीय चैम्पियन लक्ष्य चाहर (80 किलो) और 2022 राष्ट्रमंडल खेल कांस्य पदक विजेता जे लम्बोरिया (60 किलो) को टीम में जगह नहीं मिली है। विश्व

चैम्पियनशिप 2019 रजत पदक, 2022 राष्ट्रमंडल खेल और 2024 स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक विजेता पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह पक्की करने का यह आखिरी मौका है। राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच (57 किलो) को भी टीम में जगह मिली है । हिमाचल प्रदेश के अबिनाश जामवाल 63 . 5 किलो वर्ग में थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा ने 80 किलो में लक्ष्य की जगह ली है। अभी तक भारत के किसी भी पुरूष मुक्केबाज ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है । अभी तक निकहत जरीन (50 किलो), प्रीति पंवार (54 किलो) परवीन हुड्डा (57 किलो) और लवलीना बोरगोहेन (75 किलो) ही ओलंपिक कोटा हासिल कर सकी हैं। महिला वर्ग में अंकुशिता बोरो इटली में 66 किलो में कोटा हासिल नहीं कर सकी जो 60 किलो में उतरेंगी ।

टीम-पुरूषः अमित पंघाल (51 किलो), सचिन सिवाच जूनियर (57 किलो), अबिनाश जामवाल (63.5 किलो), निशांत देव (71 किलो), अभिमन्यु लाउरा (80 किलो), संजीत (92 किलो) और नरेंदर बरवाल (प्लस 92 किलो)

महिला : अंकुशिता बोरो (60 किलो), अरूंधति चौधरी (66 किलो) ।

क्या शिवम दुबे को मिलना चाहिए टी20 वर्ल्ड कप टीम में मौका?

सीएसके कोच फ्लेमिंग के बयान ने बढ़ाया भारतीय चयनकर्ताओं का सिरदर्द

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफेन फ्लेमिंग का कहना है कि टी20 विश्व कप के लिए टीम चुनने से पहले भारतीय टीम मैनेजमेंट को खेलने की सही शैली की पहचान करनी होगी. चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग का मानना है कि आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में ऑलराउंडर शिवम दुबे को मौका मिलना चाहिए. दुबे पिछले दो आईपीएल सीज़न में एक शानदार हिटर के रूप में उभरे हैं. फ्लेमिंग ने शनिवार को मीडिया से बातचीत में कहा, मेरे लिए बात यह है कि वे (भारत) विश्व कप के दौरान किस प्रकार का गेम प्लान खेलना चाहते हैं? उन्होंने विदेशी परिस्थितियों में भारत के लिए खेलने की सही शैली की पहचान की है. सीएसके कोच ने कहा, फिर केवल खिलाड़ियों को चुनने और गेम प्लान खोजने की कोशिश करने के बजाय खिलाड़ियों को इसमें शामिल करें. मैं खेल की वह शैली देखूंगा जो मैं चाहता हूं, और फिर उन खिलाड़ियों को चुनूंगा जो फॉर्म में हैं और वह भूमिका निभा सकते हैं जो उस

डिज़ाइन को सर्वश्रेष्ठ रूप से जीत सके. कीवी दिग्गज ने कहा, भारतीय चयनकर्ता होना शायद विश्व क्रिकेट में सबसे मुश्किल कामों में से एक है, है न? एक तरफ, एक कीवी के रूप में मैं शो में मौजूद प्रतिभाओं की मात्रा और हर खेल में सामने आने वाले नए खिलाड़ियों को देखकर बहुत ईर्ष्यालु हूं. इसके बाद फ्लेमिंग ने दुबे को विश्व कप स्क्वाड में मौका देने के बारे में कहा, मुझे उसकी शक्ति पसंद है. मैं पक्षपाती हूं, है ना? लेकिन मुझे लगता है कि जब आपके पास उस तरह की थोड़ी अलग शक्ति होती है; मैं उसे टीम में रखूंगा. 2018 में अपने टी20 डेब्यू के बाद टीम से बाहर हो गए दुबे को सीएसके के साथ अपनी हालिया हरकतों के कारण राष्ट्रीय टीम में वापसी का रास्ता मिल गया है. 2022 में फ्रैंचाइज़ी में शामिल होने के बाद से, दुबे ने 32 पारियों में 883 रन बनाए हैं. मौजूदा सीज़न में दुबे के नाम पांच पारियों में 176 रन हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है. फ्लेमिंग ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो पिछले साल बहुत सारा काम किया गया, उन्हें उस भूमिका में लाया गया और नियमों में बदलाव को हमारे फायदे के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश की गई. पिछले साल उन्होंने मानसिक रूप से इस बात पर बहुत काम किया कि वह कैसा दिखेगा, और फिर यह अवसर के बारे में था. हमें उसकी क्षमता का एहसास करने में कितना समय लगेगा. पिंच हिटर के रूप में दुबे की क्षमता पर जोर देते हुए, पूर्व कीवी कप्तान ने कहा, स्पिन और सीम गेंदबाजी दोनों से वह जो शक्ति उत्पन्न कर सकता है वह काफी अद्वितीय है. जब वह इस तरह की फॉर्म में होता है तो बीच के ओवरों में वह हमारे लिए असली हथियार होता है.

12वीं फेल ने तोड़ा 23 साल पहले स्थापित रिकॉर्ड

विक्रांत मैसी की '12वीं फेल' साल 2023 की सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली फिल्म है। सिर्फ साल 2023 की ही नहीं, साल 2024 में भी इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। यही कारण है कि इस फिल्म ने सनी देओल की 'गदर' का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दिलचस्प बात तो ये है कि पिछले 23 सालों में कोई भी ये कारनामा नहीं कर पाया है। चलिए आपको बताते हैं इस रिकॉर्ड के बारे में। विक्रांत मैसी ने अपने इंस्टाग्राम पर 12वीं फेल का एक पोस्टर शेयर किया जिसमें वह और मेधा शंकर नजर आ रहे हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए विक्रांत मैसी ने लिखा, '25 हफ्ते, सिल्वर जुबली। इसका मतलब ये है कि फिल्म को रिलीज हुआ 25 हफ्ते हो गए हैं और अभी तक फिल्म सिनेमाघरों में लोगों का मनोरंजन कर रही है। एक्टर ने अपनी पोस्ट के जरिए ये भी बताया कि पिछले 23 सालों में कोई भी फिल्म यह मुकाम हासिल नहीं कर पाई है। बता दें, 23 साल पहले सनी देओल की 'गदर' ने ये रिकॉर्ड बनाया था। रिपोर्ट के मुताबिक, '12वीं फेल' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 56.75 करोड़ रुपये की कमाई की है। वहीं वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस की बात करें तो फिल्म ने दुनिया भर के बॉक्स ऑफिस से 69.64 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

मनोज बाजपेयी ने बताया अलग-अलग किरदारों में खुद को कैसे ढालते हैं

मनोज बाजपेयी और प्राची देसाई की फिल्म साइलेंस 2 ओटीटी पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस फिल्म में अभिनेता एक बार फिर पुलिस अफसर बनकर अपराधियों से लड़ते नजर आएंगे। हिंदी सिनेमा के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार होने वाले मनोज बाजपेयी जल्द ही नई फिल्म साइलेंस 2 में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ प्राची देसाई भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म के पहले भाग को मिले प्यार के बाद फैंस इसके आगे की कहानी को जानने के लिए काफी उत्सुक नजर आ रहे हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसने दर्शकों का उत्साह काफी ज्यादा बढ़ा दिया है। मनोज और प्राची इन दिनों फिल्म का जमकर प्रचार कर रहे हैं। इस कड़ी में अभिनेता ने बातचीत में अपनी फिल्मों और अभिनय पर खुलकर बात की। अलग-अलग तरह के किरदार निभाने वाले मनोज बाजपेयी से जब साक्षात्कार के दौरान पूछा गया कि अपराधी का किरदार निभाने के बाद पुलिस अफसर के रोल में खुद को ढालना कितना मुश्किल होता है? इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, थिएटर में कई वर्षों तक काम करने के बाद एक खास तरह की ट्रेनिंग हो जाती है। मैं फिल्म में किरदारों को पुलिसवाले या अपराधी के दृष्टिकोण से नहीं देखता हूं। मेरे लिए यह मायने रखता है कि वह आदमी क्या है? वह सोचता कैसे है और किस चीज के वजह से उसके अंदर ऐसा बलदाव आया है।

काजल अग्रवाल ने दिया मंत्र

एक समय में एक ही काम करें

अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने अपने फैंस को कुछ नया ज्ञान दिया है। एक मोनोक्रोम तस्वीर साझा कर उन्होंने अपनी दुनिया को गढ़ने के बारे में कुछ बातें कही हैं। काजल ने इंस्टाग्राम पर खुले बालों के साथ अपनी एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा की। तस्वीर में, वह अपने लंबे काले बालों को पीछे खींचते हुए कैमरे की ओर मुस्कुराती हुई दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में अभिनेत्री ने लिखा- एक समय में एक विचार से अपनी दुनिया तैयार कर रही हूं। काजल को आखिरी बार अनिल रविपुडी निर्देशित तेलुगु एक्शन ड्रामा फिल्म भगवंत केसरी में देखा गया था। इसमें नंदमुरी बालकृष्ण, श्रीलीला और अर्जुन रामपाल भी हैं। वह अगली बार एस. शंकर द्वारा निर्देशित तमिल विजिलेंट एक्शन फिल्म इंडियन 2 में नजर आएंगी। उसके बाद उमा और सत्यभामा भी उनके पास है।

सलमान के साथ डेब्यू से पहले मेरे पास पांच फिल्मों के ऑफर थे : रवीना

एक्ट्रेस रवीना टंडन ने खुलासा किया है कि उन्होंने 1991 में सलमान खान के साथ पत्थर के फूल में पदार्पण करने से पहले पांच फिल्मों का ऑफर ठुकराया था। एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि उन्हें पत्थर के फूल से पहले कई फिल्मों के ऑफर आए थे। किसका ब्रांड बजेगा पर बोलते हुए अभिनेत्री कहा कि मैंने इससे पहले ही पांच फिल्मों को ना बोल दिया था। उन्होंने कहा, मैं कॉलेज कैंटीन में थी, और मैंने अंदर आकर कहा, अंदाज़ा लगाओ कि मुझे किसके साथ फिल्म का ऑफर मिला है, और उन्होंने कहा, कौन? और मैंने कहा, सलमान खान, और मेरे सभी दोस्त बोले, याय्य! इसके बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया कि फिल्म स्वीकार करने से लेकर उस पर काम शुरू करने तक की प्रक्रिया बहुत तेज थी। रवीना ने कहा, तो मैंने हां कह दी, अगले दिन मैंने सलमान के साथ फोटोशूट किया और तीसरे दिन मैं फिल्म कर रही थी। अनंत बलानी द्वारा निर्देशित और सलीम खान द्वारा लिखित, पत्थर के फूल एक युवा पुलिस अधिकारी और एक गैंगस्टर की बेटी के इर्द-गिर्द घूमती है। पत्थर के फूल के बाद रवीना और सलमान ने कई फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें अंदाज अपना-अपना, कहीं प्यार ना हो जाए आदि शामिल हैं।

दिबाकर बनर्जी ने बताया एलएसडी-2 से निमृत कौर क्यों हुई बाहर

लव सेक्स और धोखा 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म का जब पोस्टर आया तो उसमें निमृत कौर अहलूवालिया को टैग नहीं किया गया जिसके बाद चर्चा होने लगी कि क्या वह फिल्म में नहीं हैं। बिग बॉस 16 के घर में एकता कपूर और दिबाकर बनर्जी पहुंचे थे और ऑडिशन के बाद निमृत कौर को कास्ट किया था लेकिन अब वह फिल्म में नहीं हैं। इस पर डायरेक्टर ने खुलासा किया कि सबकुछ पीआर प्लान था।

इस वजह से फिल्म में निमृत नहीं

निमृत कौर को लेकर कई मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया कि बोल्ड सीन की वजह से उन्होंने फिल्म से किनारा कर लिया। बात करते हुए दिबाकर बनर्जी ने बताया कि क्यों निमृत फिल्म से बाहर हुईं। उन्होंने कहा बोल्ड विषय की वजह से किसी एक्टर को फिल्म में लाना बहुत मुश्किल था। वह कहते हैं, ऐसे बहुत से लोग हैं जो बाहर हो गए। ईमानदारी से कहूं तो, बिग बॉस में जाना और एक एक्टर को चुनना सिर्फ एक पीआर प्लान था, जिसकी घोषणा एकता ने की थी।

कई एक्टर्स ने ठुकराई फिल्म

दिबाकर ने आगे कहा, 'केवल एक्टर्स ही नहीं बल्कि सिंगर्स भी लव सेक्स और धोखा और अन्य विवादास्पद शब्द नहीं बोलना चाहते थे। एलएसडी 2 के लिए यह बेसिक चीज है उसके बिना हम कैसे कर सकते हैं? फिल्म थोड़ा डार्क, बोल्ड और विवादास्पद है। यह हमारे दोगले समाज की हकीकत है जहां ऐसी फिल्मों और फिल्ममेकर्स को स्वीकार नहीं किया जाता है। हर कोई हमसे बचने की कोशिश करने लगा।'

कब रिलीज होगी फिल्म

लव सेक्स और धोखा में पारितोष तिवारी, बोनिता राजपुरोहित और अभिनव सिंह लीड रोल में हैं। एकता कपूर ने इसे प्रोड्यूस किया है। फिल्म 19 अप्रैल 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

महादेव एप मामले में साहिल खान से हुई पूछताछ

महादेव बेटिंग एप मामले में आरोपी अभिनेता और फिटनेस एक्सपर्ट साहिल खान मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए हैं। अभिनेता के बयान दर्ज किए जाएंगे।

महादेव बेटिंग एप मामले में अभिनेता साहिल खान आज शनिवार को मुंबई पुलिस के सामने पेश हुए हैं। इस मामले में आज साहिल के बयान दर्ज किए जाएंगे। कई सितारों के साथ एक्टर साहिल का नाम भी इस मामले में सामने आया। आज उनके बयान दर्ज होंगे। साहिल मामले की जांच में हिस्सा लेने के लिए मुंबई पुलिस मुख्यालय पहुंच चुके हैं।

एक शख्स को किया गया गिरफ्तार

मुंबई पुलिस ने कहा, महादेव बेटिंग एप मामले में आज पुलिस साहिल खान के बयान दर्ज करेगी। इस मामले में माटुंगा पुलिस में मामला दर्ज किया गया और बाद में जांच के लिए मामला मुंबई क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर कर दिया गया। इस मामले में एसआईटी का गठन किया गया और जांच जारी है। इस केस में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है।

बीते वर्ष हुआ एसआईटी का गठन

महादेव बेटिंग एप मामले में दिसंबर 2023 में, मुंबई साइबर सेल की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने साहिल और तीन अन्य को समन जारी किया। उन्हें दिसंबर में एसआईटी के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, वह पुलिस की पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे।

फिटनेस एक्सपर्ट हैं साहिल

एफआईआर के अनुसार, इस मामले में करीब 15,000 करोड़ रुपये का स्कैम है। पिछले साल, मामले के मुख्य आरोपियों में से एक रवि उप्पल को स्थानीय अधिकारियों ने दुबई में हिरासत में लिया था। सूत्रों के मुताबिक, ईडी के आदेश पर इंटरपोल द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर दुबई पुलिस ने गिरफ्तारी की थी। साहिल के फिल्मी करियर की बात करें तो वह स्टाइल और एक्सक्यूज मी जैसी फिल्मों में नजर आए हैं। अभिनेता होने के साथ-साथ वह एक फिटनेस एक्सपर्ट भी हैं।

बांद्रा में सी फेसिंग अपने नए घर में शिफ्ट हो रही हैं पूजा हेगड़े

अभिनेत्री पूजा हेगड़े जल्द ही अपने नए घर में शिफ्ट होने जा रही हैं। पूजा हेगड़े ने 45 करोड़ में 4,000 वर्ग फुट की एक प्रॉपर्टी खरीदी है जो सी फेसिंग है। पैन-इंडिया स्टार की नई प्रॉपर्टी मुंबई के बांद्रा इलाके में है। इसके साथ ही अभिनेत्री के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव आने वाला है, जो मुंबई में ही पहले कहीं और रहती थी। अभिनेत्री के एक करीबी सूत्र ने साझा किया- पूजा हेगड़े शानदार हवेली में शिफ्ट हो रही हैं, जिसमें रहने के लिए 4,000 वर्ग फुट की जगह है।

एक प्रमुख स्थान पर स्थित, यह भव्य निवास न केवल समुद्र के मनोरम दृश्य पेश करता है, बल्कि मुंबई के केंद्र में आराम और सुंदरता के अभयारण्य के रूप में कार्य करता है। इससे पहले पूजा गोवा में छुट्टियां मनाने गई थीं। दिवा ने बिना मेकअप लुक के साथ गोवा की धूप से अपनी तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री ने गोवा के कुछ पाक व्यंजनों की झलक और पूल के किनारे आराम करते हुए अपनी एक तस्वीर भी साझा की थी।

उनके वर्क फ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री के पास पाइपलाइन में कई बहुप्रतीक्षित फिल्में हैं। देवा के अलावा, उनकी प्लेट में सनकी और तीन प्रमुख दक्षिण भारतीय प्रोजेक्ट हैं।

आयशा जुल्का ने खटखटाया बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा

आयशा जुल्का ने वैसे तो कई फिल्मों में काम किया है, लेकिन आमिर खान के साथ जो जीता वही सिकंदर में उनकी परफॉर्मेंस सबको पसंद आई थी। आयशा अब 51 साल की हैं। वो पिछली बार साल 2018 में जीनियस फिल्म में नजर आई थीं।

2023 में उन्हें वेब सीरीज हैप्पी फैमिली में देखा गया। बीते जमाने की फेमस एक्ट्रेस आयशा जुल्का ने इंसाफ के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। करीब चार साल पहले उनके 6 साल के पालतू डॉग रॉकी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। अब एक्ट्रेस ने कोर्ट से

इस मामले पर जल्द सुनवाई करने की गुजारिश की है, ताकि उनके पालतू डॉग को इंसाफ मिल सके, क्योंकि उनका मानना है कि रॉकी की मौत के पीछे का सच कुछ और है।

पालतू डॉग के लिए 4 साल से इंसाफ के लिए भटक रही हैं एक्ट्रेस

जानकारी के मुताबिक पालतू डॉग रॉकी उनके लोनावला वाले बंगले में रहता था। साल 2020 में रॉकी की अचानक मौत हो गई। एक्ट्रेस के केयरटेकर राम आंद्रे ने उन्हें बताया कि पानी की टंकी में डूबने से रॉकी मर गया, लेकिन एक्ट्रेस को केयरटेकर की बातों पर यकीन नहीं हुआ।

रिपोर्ट्स बताती हैं कि रॉकी की बॉडी का पोस्टमार्टम हुआ, जिसमें खुलासा हुआ कि उसकी मौत दम घुटने से हुई है। इसके बाद पुलिस ने राम आंद्रे के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 429 के तहत किसी जानवर को मारने या अपंग करने की शरारत के तहत मामला दर्ज किया। राम आंद्रे को गिरफ्तार कर लिया गया और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया।

2021 में आरोप पत्र दायर होने के बावजूद, पुणे के मावल में मजिस्ट्रेट कोर्ट में मुकदमे में देरी से निराश आयशा जुल्का ने अपने वकील हर्षद गरुण के जरिए कानूनी हस्तक्षेप की मांग की, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में लिखे त्वरित सुनवाई के अधिकार पर जोर देते हुए तुरंत सुनवाई के महत्व पर जोर दिया।

- साभार एजेंसी